



1976

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४८] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर २७, १९७६ (अग्रहायण ६, १८९८)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 27, 1976 (AGRAHAYANA 6, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—110011, दिनांक 27 अक्टूबर 1976

सं० पी० 712(जिल्द II)—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा संबंध के स्थायी निजी सचिव (चयन ग्रेड) श्री जी० ई० जोशी को, राष्ट्रपति द्वारा 30 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से कार्मिक विभाग के का० जा० सं० 33/12/73—स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार निवर्तन आयु प्राप्त हो जाने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

शुद्धि पत्र

सं० ए० 32014/2/76—प्रशा०—III—इस कार्यालय की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक 10 अगस्त, 1976 की तीसरी पंक्ति में “चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी” शब्दों के स्थान पर “चयन ग्रेड अधिकारी” पढ़ा जाए।

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभाग)

नई दिल्ली—110011, दिनांक 27 अक्टूबर 1976
सं० पी०/1877—प्रशा०—I—कालीकट शेषीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट, में लेक्चरर डा० आर० भास्करन को 13 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

मन्त्रिमण्डल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० के०-II/65—प्रशा०—5—श्री के० सी० कपूर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली ने दिनांक 19-10-76 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक,

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं हरियाणा राज्य सरकार को वापस सौंप दी गईं।

दिनांक 8 नवम्बर 1976

सं० ए०-२००१४/१०४/७६—प्रशा०-१—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री जी० एस० मीराणी को दिनांक २९-९-७६ (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, बम्बई (सामान्य अपराध संकंध) शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पाण्डे
प्रशासन अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिरीक्षालय

गृह मंदिरालय

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० ओ०-II-४/७६—स्थापना—राष्ट्रपति, श्री वी० आर० सुर, मनीषुर-लिपुरा संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सुर ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप महानिरीक्षक, कोहिमा के पद का कार्यभार 7 अक्टूबर, 1976 के अपराह्न से संभाला।

दिनांक 5 नवम्बर 76

सं० ओ० दो०-१६९/७०—स्था०—मंत्रिमण्डल सचिवालय द्वारा उनकी सेवाएं के० रि० पु० दल को समर्पित करने के फलस्वरूप श्री एन० एस० आइरम को उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी-कमांडर) ग्रुप सेन्टर, के० रि० पु० दल, भुवनेश्वर के पद पर १३-१०-७६ पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 8 नवम्बर 1976

सं० ओ० टू०-१६७/६९-ईस्ट०—मेजर के० के० चटर्जी के प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमांडेंट २३वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का कार्यभार १९ अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्याग दिया।

दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं० ओ० दो०-१०९७/७३—स्था०—श्री संत राम राना ने एफ० आर० ५६(जे०) नियम के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर उप-पुलिस अधीक्षक, ४३ वी वाहिनी, के० रि० पु० दल के पद का कार्यभार २३-१०-७६ अपराह्न को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्र०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० ११/४/७६—प्रशा०-१—राष्ट्रपति, तमिल नाडू में जनगणना कार्यनिदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री अन्सर अहमद को तारीख ६ अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से तारीख २८ फरवरी 1977 तक, या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री अन्सर अहमद का मुख्यालय मद्रास में होगा।

सं० ११/४/७६—प्रशा०-१—राष्ट्रपति केरल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एस० जयशंकर को तारीख ३० सितम्बर, 1976 के अपराह्न से तारीख २८ फरवरी, 1977 तक, या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जयशंकर का मुख्यालय निवेन्नम में होगा।

दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० १३/३/७६—प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, श्री एस० राघव-चारी की सहायक महापंजीकार (जनसंघकी और प्रशिक्षण) के स्थायी पद से तारीख ५ नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति को सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं० ९/२१/७५ सी० टी० य०० (सैन) सिविक्स सरकार, सहकारिता विभाग में सचिव श्री जे० के० थापा को सिविक्स में जनगणना कार्य के निदेशक के पद पर पदेन क्षमता में तत्काल से नियुक्त किया जाता है। वे सहकारिता विभाग के अतिरिक्त इस पद का कार्यभार संभालेंगे।

बद्री नाथ

भारत के उप महापंजीकार और पदेन उप सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध
नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1976

सं० प्रशा० १/२(४)/३६-१८-२६—महालेखाकार, वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (लेखा तथा लेखापरीक्षा) की प्रत्येक के सामने लिखित तिथियों से अपने कार्यालय में अस्थायी लेखाधिकारियों के पद पर, अगले आदेश तक, अन्तिम रूप से पदोन्नति करते हैं।

सचिव श्री

(१) श्री० पी० गुप्ता—२०-५-१९७६ पूर्वाह्न

(२) श्री० एस० कोष्ठर—२९-६-१९७६ पूर्वाह्न

पी० एम० सागर,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, हस्तियाणा

चंडीगढ़, दिनांक 25 अगस्त 1976

केन्द्रीय सिविल सेवाएं नियमावली 1965 के नियम 5 (1) अस्थाई सेवाएं के अन्तर्गत सेवा समाप्ति (टरमिनेशन) नोटिस

सं० प्रशा०-1/72 डिस्प०/76-77/ज० एस०/2858—
केन्द्रीय सिविल सेवाएं नियमावली 1965 (अस्थाई सेवाएं) के नियम 5 उप नियम (1) के अन्तर्गत मैं, श्री जोगा सिहलेखा परीक्षक को नोटिस देता हूँ कि मह नोटिस जारी करने अथवा जैसी स्थिति हो, उसे दिए जाने की तारीख से एक महीने बाद की तिथि को उसकी सेवा समाप्ति (टरमिनेशन) समझी जाएगी।

आर० एम० चौपड़ा
उप महालेखाकार प्रशा०

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 23011(1)/66-प्रशा०-II—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों की, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के प्रथम श्रेणी के कनिष्ठ मान में, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी गई तारीख से पुष्टि कर दी गई है।

क्रम सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री आर० एम० एस० लिल्हन—	4-12-1974
2.	श्रीमती रघुसाना साहबीन अलूकादरी—	20-12-1974
3.	श्री तारा चन्द्र जोशी—	4-1-1975

पी० के० रामानुजम
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्र०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/518/58-प्रशा०(जी०)—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एस० पी० दीवान ने दिनांक 30 सितम्बर, 1976 के दोपहर बाद से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, वस्त्र और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० एस० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(659)—वस्त्र आयुक्त 11 अस्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक श्री नन्देन्द्र सिंह

सयाना को अपने वस्त्र इस्थित मुख्यालय में सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (पी० और डी०) के पद पर सहर्षे नियुक्त करते हैं।

कां० रा० नीलकंठन
उप निदेशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० प्र० 1/1(1068)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री सुरजीत सिंह मांगो को दिनांक 11 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री मांगो की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः स्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुपुरस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं० प्र०-1/1(773)—राष्ट्रपति, वन अनुसंधान संस्थान तथा कालेज, देहरादून में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सांख्यकी) श्री डी० एस० फालके को दिनांक 30 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (सांख्यकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 1 नवम्बर 1976

सं० ई० 1-2(2)/71—श्री मणिमय घोष के अवकाश ग्रहण करने पर श्री शांति रंजन बनर्जी, अधीक्षक को एतद्वारा 1 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से उप सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक पद पर स्थानापन्न नियुक्त दी जा रही है।

दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० ई० 1-2(2)/71—श्री नृपेन्द्र नाथ सरकार के 30-12-1976 तक अवकाश ग्रहण करने के कारण श्री प्रताप कुमार राय, कमिष्ट निरीक्षक को एतद्वारा 1 नवम्बर 1976 पूर्वाह्न से वरिष्ठ इस्पात नियंत्रण निरीक्षक के पद पर स्थानापन्न नियुक्त दी जा रही है।

सं० ई० 1-2(2)—71—श्री डी० पी० सेन शर्मा के अबकाश ग्रहण करने पर श्री सुधीर रंजन बोस राय, अधीक्षक को एतद्वारा 2 नवम्बर, 1976 (पूर्वाल्प) से उप सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न नियुक्ति दी जा रही है।

टी० घोष,
लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 1 नवम्बर 1976

सं० ए०-19011(102)/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति द्वारा डा० आर० एस० दिनेश, रसायनज्ञ, भारतीय खान ब्यूरो का

त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने पर उनका नाम दिनांक 25 अगस्त, 1975 (अपराह्न) से इस विभाग से निकाल पिया गया है।

ए० के० राधवाचारी
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
नियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 4(4)/76-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० जी० एस० राव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी कुण्डपा को 4-10-76 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, लेह में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, अस्थायी रूप में, नियुक्त करते हैं।

सं० 4(4)/76-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा निम्नलिखित प्रसारण निष्पादकों को अस्थायी रूप में, तदर्थे आधार पर, दी गई तारीखों से अप्रेतर आदेशों तक, कार्यरत कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं० नाम

आकाशवाणी केन्द्र जहाँ प्रसारण कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्ति निष्पादक हैं की तारीख और नियुक्ति का केन्द्र

(1) श्री बी० एस० देसवाल	.	.	रोहतक	27-9-76 आकाशवाणी, रोहतक
(2) श्री एस० एन० सक्सेना	.	.	भोपाल	13-10-76 आकाशवाणी, भोपालियर
(3) श्री जी० जे० अब्राहम	.	.	पांडिचेरी	4-10-76 आकाशवाणी, पांडिचेरी
(4) श्री आर० गुरुसुआहामण्यम	.	.	तिरुचि	5-10-76 आकाशवाणी, मद्रास
(5) श्री जे० डी० स्वामिनाथन	.	.	तिरुचि	30-9-76 आकाशवाणी, तिरुचि
(6) श्री य० सी० पी० सिन्हा	.	.	लखनऊ	29-9-76 (अपराह्न) आकाशवाणी लखनऊ
(7) श्री आर० एस० अम्यर	.	.	कालीकट	15-10-76 आकाशवाणी, त्रिबेन्द्रम
(8) श्री एस० पी० जैन	.	.	विदेश सेवा प्रसारण प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।	29-9-76 (अपराह्न) विदेश प्रसा- रण सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।
(9) श्री सी० बी० सरमा	.	.	हैदराबाद	28-9-76 विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, हैदराबाद ।
(10) श्रीमती बेनू पंत	.	.	विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।	29-9-76 (अपराह्न) आकाशवाणी, नई दिल्ली ।
(11) श्री बी० एन० बोस	.	.	इंदौर	8-10-76 आकाशवाणी, इंदौर
(12) श्री सत्य प्रकाश	.	.	दिल्ली केन्द्र	30-9-76 विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।
(13) श्री पी० पी० रंगाराव	.	.	विजयवाड़ा	29-9-76 आकाशवाणी, विजयवाड़ा
(14) श्री पी० एल० टंडन	.	.	विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।	27-9-76 आकाशवाणी, नई दिल्ली ।
(15) श्री एम० जनाधीन राव	.	.	दूरदर्शन, मद्रास	13-10-76 आकाशवाणी, हैदराबाद
(16) श्री आर० बी० एल० माथुर	.	.	दिल्ली केन्द्र	27-9-76 आकाशवाणी, लेह
(17) श्रीमती लक्ष्मी नारायण	.	.	बंगलौर	4-10-76 आकाशवाणी, बंगलौर

प्रेम कुमार सिंहा
प्रशासन उप-नियंत्रक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

सं० ए० 20012/4/69/प्रशासन-I—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री बी० डी० शर्मा, आर्टिस्ट (कलाकार) के अवकाश की अवधि में श्री बी० सी० मण्डल, स्थायी उत्पादन सहायक, को दिनांक 2-11-76 से 31-12-76 तक के लिए स्थानापन्न रूप से से आर्टिस्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

हन्द्रराज सिंह,
उपनिदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1976

सं० 26-19/75-प्रशासन-2—राष्ट्रपति, 20 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली के तकनीकी अधिकारी श्री एस० के० भंडारी को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी (सूक्ष्म जीव विज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 नवम्बर, 1976

सं० ए० 12025/15/76 (आर० ए० के०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 20 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कुमारी मीना विज को राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली में रसायनविज्ञान के प्राध्यापक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1976

सं० 20/I(26)/75-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 9 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से डा० बी० डी० परमार को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-33/75-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक 8 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

राजकुमार जिन्दल,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि और सिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

प्रधान शाखा कार्यालय

नागपुर, दिनांक 5 सितम्बर, 1976

फा० सं० 3(13)/52/76—वि० II—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954 सं० 173 दिनांक 29 दिसम्बर, 1954, सं० 5 दिनांक 14 जनवरी 1961 सं० 1133 और 1135 दिनांक 7 अगस्त, 1962 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा डा० मोहन राजाह रोम, विपनन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से ऊन, दुलोम, अजालोम, लहसुन और दालें, जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1975 दूलोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम 1973, अजालोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962 लहसुन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1964 और दालें श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1964 के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

रामाधार,
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 26 मई, 1976

सं० पी० ए०/81(56)/76-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री वीरेन्द्र प्रकाश शर्मा को 10 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 जून, 1976

सं० पी० ए०/81(54)/76-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थानापन्न फोरमैन श्री डेवातोश भट्टाचार्य को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक सहायक (सी) श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(51)/76-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री भरद्वाज उलहनान साबियक को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगे आदेशों तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(46)/76-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री रामचंद्र पुरुसोत्तम

कुलकर्णी को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जून, 1976

सं० पी० ए०/81(45)/76-आर० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री प्रेम प्रकाश खन्ना को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जून, 1976

सं० पी० ए०/81(52)/76-आर० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री वेलजी करणजी राजगोर को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई-400085, दिनांक 3 नवम्बर, 1976

स० एम०/261/लेखा/सा स्था/—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्रीमती शेरनबाज परवेज मेहरजी को 9-8-76 (पूर्वाह्न) से 24-9-76 (अपराह्न) तक छुट्टी खाली पद पर इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

सं० पी० ए० आर० 3302/1739—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखा अधिकारी श्री जै, बी० कामेश्वर राव को 27-8-1976 से आगामी आदेशों तक के लिए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद के स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब संयन्त्र में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी II, नियुक्त करते हैं।

संदर्भ पी० ए० आर०/0705/1740—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री सी० एच० नरसिंहाचारी को 1-9-1976 से 6-10-1976 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

संदर्भ पी० ए० आर०/0705/1741—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री जै० सूर्यनारायण राव को 1-9-1976 से 31-12-1976 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ रूप से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 नवम्बर, 1976

सं० पी० ए० आर०/0705/2066—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, सहायक लेखाकार श्री सी० एच० नरसिंहाचारी को, जो तदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, प्रकृतबार 7, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० 10/5(38)/76-सि० इ० प्र० (एच०)—मुख्य अभियन्ता, अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को इसी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पदों पर उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

ऋग संख्या	नाम	स्थायी पद यदि कोई हो	संभाला हुआ वर्तमान पद	स्थायी पद पर नियुक्ति की तारीख
-----------	-----	----------------------	-----------------------	--------------------------------

श्रेयुत

1. सी० गोपाला अग्न्यर	.	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	इंजीनियर एस० सी०	1-1-76
2. श्रो० ए० एन्टोनी	.	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	इंजीनियर एस० सी०	1-7-76
3. पी० जे० जोसे मारिया	.	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	इंजीनियर एस० सी०	1-7-76
4. जी० थानपन नायर	.	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	इंजीनियर एस० सी०	1-7-76

पी० आई० य० नाभियार
प्रशासन अधिकारी
दृते मुख्य अभियंता

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्टूबर, 1976

सं० इ०-38015/32/76-ईसी—राष्ट्रपति सखेद सूचित करते हैं कि क्षेत्रीय निदेशक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ओ० सी० श्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी का निधन हो गया है।

दिनांक 28 अक्टूबर, 1976

सं० ए०-38012/1/75-ईसी—नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय के श्री पी० के० नारायणन, सहायक तकनीकी अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने पर 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-40015/3/76-ईसी—वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री एम० एस० राव, सहायक तकनीकी अधिकारी को मूल नियम 56(जे) के उपबंधों के अधीन 29 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया गया है।

दिनांक 8 नवम्बर, 1976

सं० ए०-32014/2/76-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री वाई० बी० भोपटकर, संचार सहायक को 5 अक्टूबर, 1976 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री जे० श्रीया, सहायक संचार अधिकारी, के स्थान पर, जिन्हें 27 सितम्बर, 1976 से 50 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है, तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय अहमदाबाद

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के परन्तुक के अधीन जारी किए गए सेवा समाप्ति के आदेश।

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1976

आदेश

फा० सं० II/39(सतर्कता)II/75—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के परन्तुक के अनुसरण में, मैं, श्री एम० एस० भाष्करन की सेवाएं एतद् द्वारा तत्काल समाप्त करता हूँ और निदेश देता हूँ कि उसे नोटिस की अवधि के लिए अथवा उस अवधि के लिए, जो कि इस प्रकार नोटिस दिए जाने की तारीख से एक महीने की अवधि से जितनी कम रहती हो, यथास्थिति, अपने वेतन तथा भत्तों की राशि के बराबर उसी दर से धन का बाबा करने का हक होगा, जिस दर से

वह अपनी सेवा समाप्ति के ठीक पहले वेतन आदि प्राप्त कर रहा था।

वा० गो० पटवर्धन,
सहायक समाहर्ता (मुख्यालय)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद

नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली-110048, दिनांक 25 अक्टूबर 1976

सं० 19/34/76-न० ज० वि० न्या०—अन्तर्राजीय जल विवाद अधिनियम 1956, (1956 का 33 वां) के खंड 4(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण एतद्वारा श्री वलवंत सिंह नाग को 25 अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से अग्रेतर आदेश होने तक, पूर्णकालिक आधार पर, निधारिक (असेम) के पद पर नियुक्त करता है।

न्यायाधिकरण के आदेश से

प्रीतिरंजन बोस,
सचिव
नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

सं० क-19012/596/76-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग ने अपने प्रसाद से श्रीमती सी० एस० विजय लक्ष्मीअम्मा पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर स्थानापन्थ रूप में वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है जो 8 अक्टूबर के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्रीमती विजय लक्ष्मीअम्मा ने केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के कार्यालय का कार्यभार उपर्युक्त दिनांक तथा समय से ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1976

सं० 6/2/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित स्नातक पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इन्जीनियरी श्रेणी-2 सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक अभियन्ता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एस० घोष	28-6-76 (अपराह्न)
श्री ए० एस० राय	12-7-76 (अपराह्न)
श्री बी० एल० आर० जोशी	11-8-76

दिनांक 18 अक्टूबर, 1976

सं. 7/4/74-प्रशासन-2—अध्ययन, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एवं द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में अतिरिक्त सहायक निदेशक के ग्रेड में सी० पी० ई० (श्रेणी 2) सेवा में, स्थायी क्षमता में, उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	विवरण	अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में स्थायी क्षमता में नियुक्त होने की तिथि
1	2	3	4

वे तिथियों जब अतिरिक्त सहायक निदेशकों को स्थायी किया गया

1. श्री टैरिफ़ सिह	सहायक निदेशक	28-1-65	25. एम० पी० घोंगडे	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
2. श्री वी० एस० जितुरी	सहायक निदेशक	10-5-65	26. टी० डी० मोहन बाबू	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
3. श्री श्रो० पी० हरमिलापी	सहायक निदेशक	14-6-65	27. एम० एस० राज्यरा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
4. श्री पी० डी० पुरवार	सहायक निदेशक	14-6-65	28. के० एन० एस० मुर्ती	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
5. श्री एम० एस० भल्ला	सहायक निदेशक	14-6-65	29. एस० एस० भारेल	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
6. श्री एम० सी० जुनेजा	सहायक निदेशक	14-6-65	30. बी० एस० सक्सेना	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
7. श्री इन्द्रजीत गाबा	सहायक निदेशक	14-6-65	31. आर० के० शर्मा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
8. एस० सी० अग्रवाल	सहायक निदेशक	14-6-65	32. प्रीतितोष राय	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
9. के० हरिलाल	सहायक निदेशक	27-8-65	33. ए० एम० वर्मा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
10. एच० के० आनन्द राव	सहायक निदेशक	27-8-65	34. जी० भाष्कर	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
11. प्रेम कुमार	सहायक निदेशक	27-8-65	35. एन० के० गिरि	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
12. पी० सी० नागपाल	सहायक निदेशक	27-8-65	36. एस० पी० मलिक	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
13. डी० एम० राव	सहायक निदेशक	15-10-65	37. के० बालासुद्धामनियम	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
14. आर० के० तनेजा	सहायक निदेशक	13-4-66	38. आर० एस० चड्हा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
15. बी० आर० पन्डारीनाथ	सहायक निदेशक	13-4-66	39. एच० एस० सहरा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
16. एस० पी० त्यागी	सहायक निदेशक	13-4-66	40. आर० श्रीनिवासन	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
17. टी० पी० वत्स	सहायक निदेशक	13-4-66	41. एन० के० अरोड़ा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
18. टी० के० नाथ	सहायक निदेशक	13-4-66	42. एस० डी० गोपा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
19. श्रो० पी० सरीन	सहायक निदेशक	13-4-66	43. एम० के० चोपड़ा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
20. बी० बी० भनमोहन	सहायक निदेशक	13-4-66	44. आई० एच० खान	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
21. एस० शरमुगम	अतिरिक्त सहायक निदेशक	13-4-66	45. डी० एस० वेंकटाकृष्ण	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
22. आर० बी० माथुर	अतिरिक्त सहायक निदेशक	13-4-66			
23. डी० बी० चन्द्रवानी	अतिरिक्त सहायक निदेशक	13-4-66			
24. आर० पी० पांडे	अतिरिक्त सहायक निदेशक	13-4-66			

1	2	3	4
46.	एस० मुखर्जी	अतिरिक्त सहायक निदेशक	2-12-71
47.	एस० पी० कपूर	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
48.	एस० आर० नायर	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
49.	एस० उबल्य० एच० नाथी	अतिरिक्त महायक निदेशक	16-9-72
50.	विजय कुमार-2	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
51.	एस० पी० खेड़ा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
52.	एस० एस० मेन्दीरता	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
53.	मोहम्मद मुबीन	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
54.	डी० एल० आनन्द	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
55.	एम० सौनदप्पा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
56.	एस० एस० अम्यर	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
57.	ओ० पी० मेहरोत्रा	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
58.	एस० आर० तालुकदार (अनुसूचित जाति)	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
59.	जी० साहा (अनुसूचित जाति)	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
60.	एल० के० वासनिक (अनुसूचित जाति)	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
61.	एन० रामालिङ्गन (अनुसूचित जाति)	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72

दिनांक 20 अक्टूबर 1976

सं० 6/21/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधि-
करण एतद्वारा निम्नलिखित प्रयोगेशकों को केन्द्रीय विद्युत इन्जी-
नियरी श्रेणी-2 सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक
अधिकार्यता के ग्रेड में, उनके नामों के सामने दी गई तिथि से अन्य
आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

- श्री विश्व बन्धु—27-9-76 (पूर्वाह्नि)
- श्री एस० एस० जोली—30-9-76 (पूर्वाह्नि)
- श्री अमर सिंह —21-9-76 (पूर्वाह्नि)।

महेन्द्र लाल हौड़ा,
अबर सचिव

रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
लखनऊ-11, दिनांक 25 अक्टूबर 1976

सं० ई-II/ई० एस०/सी० एफ० एम०/सिविल/ओ०—
श्री एन० रामू को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन के
सिविल इंजीनियरी विभाग में द्वितीय श्रेणी में दि० 1-8-75 से
सहायक अभिकल्प इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

दिनांक 29 अक्टूबर 1976

सं० ई-II/ई० एस०/ओ० पी०/एस० ए०—ग्रेड-II के
निम्नलिखित आशुलिपिक (425-800) (पु० वे०) ओ० ओ०
भा० सं० लखनऊ में तदर्थ आधार पर दि० 22-9-76 (पूर्वाह्नि)
से वरिष्ठ सहायक पुपु 'ब' (रु० 650-1040) (पु० वे०)
के रूप में पदोन्नत किये गये हैं।

1. श्री एन० पी० रामाकृष्णन—वे अपने देय वेतन के
अतिरिक्त रु० 50/- प्रति माह की दर से विशेष वेतन के भी
अधिकारी हैं।

- श्री शम्भू नाथ
- श्री रणधीर चन्द
- श्री जे० के० भला
- श्री टी० आर० गुलाटी
- श्री आर० राघवन
- श्री देश राज
- श्री आर० एस० रामाचन्द्रन
- श्री बी० एन० दासविश्वास
- श्री जे० एस० भट्टाचार्य
- श्री एम० एल० मलिक
- श्री के० के० शर्मा

गोपी नाथ भट्टाचार्य,
महा निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय,
(कम्पनी कार्य विभाग)
कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी जय हिन्द पब्लिशिंग
कम्पनी लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर-474 001, दिनांक 2 नवम्बर 1976

सं० टी०/286—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी
जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी जय हिन्द
पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जावेगी।

सत्य प्रकाश तामल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नैलैंस रोड वेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीनिवासा सिनिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 4151/डी० एन०/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रीनिवासा सिनिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोपंबूर स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 5178/डी० एन०/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोपंबूर स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अजंता मेच स्कूस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 5431/डी० एन०/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अजंता मेच स्कूस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पि० भास्कर राव,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोम पेपरस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० 14284/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोम पेपरस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण

दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० डी० गजवाणी,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और टिन बाजार मार्केट्स एसोसियेशन लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 5031/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टिन बाजार मार्केट्स एसोसियेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नरटार्न ईन्डिया टिं सेन्किड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 6441/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नरटार्न ईन्डिया टिं सेन्किड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ट्रिटिश इंडिया स्टिम नेविगेशन कम्पनी ईन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 7889/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ट्रिटिश इंडिया स्टिम नेविगेशन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ए० के० सरकार बिलडार्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 12153/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ए० के० सरकार बिलडार्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सि० टिं सप्लायर्स सेन्किड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 21775/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि सि० टि० सपलायरसेन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एन० ई० टि० इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 25987/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एन० ई० टि० इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भईरव ईंजिनियरिंग इंडिस्ट्रिज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 26342/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भईरव ईंजिनियरिंग इंडिस्ट्रिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० एस० इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 28431/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० एस० इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सोदपुर ईंजिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० 26582/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सोदपुर ईंजिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० पी० कापूर,
कम्पनियों का सहायक रजिस्टर,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स जी भागचन्दाणी चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं०/साल्पिकी/1217/12484—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स जी भागचन्दाणी चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गोपालदास सोम-राजमल चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं०/साल्पिकी/1222/12480—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स गोपालदास सोमराजमल चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील,
कम्पनियों के रजिस्टर,
राजस्थान,

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/1868/75-76—अतः मुझे

ग० प० सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 77 सैक्टर 15-ए है तथा जो चन्डी-गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ्रॅट्र ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अंतर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तृत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती देविन्द्र कौर पत्नी श्री देविन्द्र सिंह (अन्तरक) निवासी शमशेर विला, जगदीश सिंह रोड़, पिट्ठाला ।
2. मि० मिनाक्षी आमन्द चौधरी (अन्तरिती) आई० ए० एस० अवर सचिव, हरियाणा सरकार चन्डीगढ़ । निवासी मकान नं० 3372 सं० 15-डी चन्डीगढ़ ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 77 सैक्टर 15-ए चन्डीगढ़ ।

(जसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1378 मार्च 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 4 नवम्बर, 1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निवेश सं० पी० टी० ए०/1860/75-76—अतः ग० प०
सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 3 आफीसर कलोनी
है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यारोपण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपषारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलजिन्द्र सिंह गरेवाल पुत्र बरगेडियर (अन्तरक)
हरशरण सिंह गरेवाल
द्वारा श्री हरजीत सिंह रणधारा,
ए० आई० जी० रेलवे पुलीस पटियाला ।
2. श्रीमती हरबचन कौर पल्ली स० भगवन्त सिंह (अन्तरिती)
निवासी मकान नं० 3, न्यू आफीसरज
कलोनी, पटियाला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
अवृक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 3 जोकि न्यू आफीसरज कलोनी
पटियाला में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4510 मार्च 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रीजन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 4-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक 4 नवम्बर, 1976

निदेश सं० पी० टी० ए०/१८६१/७५-७६—अतः मुझे
ग० प० सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 3, न्यू आफीसरज कलोनी
है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपांडड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अवत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के निम्नलिखित ध्यक्तियों, प्रर्थातः:—

1. श्रीमती सुरिन्द्रिंश कौर पत्नी बरिगेडीयर (अन्तरक)
जी० एस० गरेवाल,
मारफत मकान नं० 90, गुरु नानक, स्ट्रीट,
पटियाला।
2. श्रीमती मलविन्द्र कौर पुत्री स० भगवत्तर्सिंह
निवासी मकान नं० 3, न्यू आफीसरज
कलोनी, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 3 जोकि न्यू आफीसरज कलोनी
पटियाला में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4511 मार्च
1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में
लिखा है।

ग० प० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख: 4 नवम्बर 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/1839/75-76—ग्रतः मुझे
ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप कम आफिस नं० 85 का 1/3 भाग है
तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री गुरप्रीत सिंह,
निवासी प्रीत हाउस,
फरीदकोट। (अन्तरक)

2. श्री वलबीर सिंह,
निवासी ग्राम बुरटेला यूनियन टैरेटरी,
चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांकिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप कम आफिस नं० 85 का 1/3 भाग जो कि सेक्टर
35-सी, में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 1335 मार्च 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 4 नवम्बर 1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निदेश सं० सी० (एच० डी०/1866/75-76—अतः मुझे,
ग० प० सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० 1/3 भाग एस० सी० एफ० नं० 85 है तथा
जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायदृ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—346GI/76

1. श्री गुरप्रीत सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह
(अन्तरक)
निवासी प्रीत हाऊस फरीदकोट।
2. श्री गुरमुख सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह
(अन्तरिती)
गांव ब्रटेला यू० टी० चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी
अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग एस० सी० एफ० न० 85, सेक्टर 35-सी,
चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1366, मार्च 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहूर :

प्रलूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निवेश सं० सी० एच० डी०/1867/75-76—प्रतः मुझे,
ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/3 भाग एस० सी० एफ० नं० 85, सैक्टर
35-सी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावन्न
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरप्रीत सिंह पुत्र करनैल सिंह
निवासी प्रीत हाऊस,
फरीदकोट ।

2. श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह,
निवासी ब्रटेला यू० टी० चण्डीगढ़

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग एस० सी० एफ० नं० 85, सैक्टर 35-सी०,
चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1367 मार्च 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 4 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक ४ नवम्बर १९७६

निदेश सं० बी०डी०आर०/१९६२/७५-७६—अतः मुझे
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य २५,०००/- रु०
से अधिक है और जिसकी
सं० सेलज टैक्स बैरियर के नजदीक बहादुरगढ़
में मार्डन इण्डस्ट्रीयल स्टेट में प्लाट है तथा जो गांव हसनपुर
(बहादुरगढ़) में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बहादुरगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६) के अधीन, मार्च १९७६ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतुः—

1. सर्वेश्वी बंगाली राम,
(i) चन्दू लाल पुत्र श्री किशन लाल
(ii) कुन्दन लाल
टांडा रोड, जालन्धर शहर (पंजाब) } (अन्तरक)

2. मै० बी० सी० स्टील रोलिंग मिल्ज
मार्डन इण्डस्ट्रीयल एस्टेट बहादुरगढ़
(रोहतक) } (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मार्डन इण्डस्ट्रीयल एस्टेट में प्लाट जोकि सेलज टैक्स बैरियर
के नजदीक के गांव हसनपुर में स्थित है।

बीड़ी उत्तर—गली १६—६" चौड़ी

दक्षिण : दिल्ली रोहतक रोड;

पूर्व : श्रीमती कृष्णा देवी का खुला प्लाट

पश्चिम : दूसरो का प्लाट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० १२८१ मार्च १९७६
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बहादुरगढ़ के कार्यालय में सिखा है।)

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : ४ नवम्बर १९७६

मोहर :

प्रस्तुति शार्ट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/7/76-77/—अतः मुझे ग० प०
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 64 है तथा जो सेक्टर 28-ए, चण्डी-
गढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अबतार सिंह सेठी (अन्तरक)
पुत्र श्री जसवन्त सिंह सेठी
निवासी 1033, सेक्टर 27-बी,
चण्डीगढ़।

2. 1. श्री पवन कुमार बांसल पुत्र श्री
(अन्तरिती)
प्यारा लाल
(2) श्रीमती रेशमा रानी पत्नी
श्री हरबिलास राय
निवासी एस० सी० एफ० नं० 28-29,
सेक्टर 28-सी,
चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वादिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यावितयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 64 (पुराना नं० 28 स्ट्रीट डी) सेक्टर 28-ए,
चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 16 अप्रैल 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 4 नवम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/8/76-77—अतः मुझे,
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 26५ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 387, है तथा जो सैक्टर 30-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण
रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी-
गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख प्रैरेल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आरितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० सी० मुखर्जी पुत्र श्री एस० सी०

(अन्तरक)

मुखर्जी
विशेष संवादवाता, दो द्विविधून,
पंजाब हाऊस, नई दिल्ली ।

2. श्री बहाल सिंह गिल पुत्र श्री रला सिंह (अन्तरिती)

गिल निवासी 24 द्रासोरट एरिया,
चण्डीगढ़ ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से
विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 387 क्षेत्रफल 573 वर्ग गज जोकि सैक्टर
30-ए चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के लिखेद नं० 19/1 प्रैरेल, 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सेक्टर 9-बी

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निर्देश सं० पी० एन० पी०/3/76-77—अतः मुझे ग० प०
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह०
से अधिक है

जिसकी सं दुकान नं० 941 है तथा जो बार्ड नं० 3 पानीपत में स्थित
है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. डा० दीना नाथ पुत्र श्री कन्हैया लाल मकान नं० 165-66
हाऊसिंग बोर्ड कलोनी, पानीपत। (अन्तरक)

2. (i) श्री सेवा राम पुत्र श्री बालमुकन्द निवासी डब्ल्यू-
II/745, पानीपत।

(ii) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री वया राम, निवासी
डब्ल्यूII/746, पानीपत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रादित हैं,
वही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्डक जिस का क्षेत्रफल 151 वर्ग गज है और इस पर¹
बनी हुई दो दुकाने नं० 941 जिसके साथ एक कमरा पीछे और एक
कमरा पहली मंजिल पर तथा सोपान और पक्ष है और जो बार्ड
नं० 3 पानीपत में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 265 अप्रैल, 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत के कार्यालय में लिखा
है)।

ग० प० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
156, सैक्टर 9-बी
अर्जन रज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० सी० एच० डी०/14/76-77—प्रत: मुझे
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं०प्लाट नं० 148, है तथा जो सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में चण्डीगढ़ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रत: आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुबीर सिंह मल्होत्रा पुत्र स्वर्गीय कैप्टन एम० आर०
मल्होत्रा निवासी सी०/५२ डी० ए० फ्लैट्स ईस्ट आटू कैलाश
नई दिल्ली-२४।
(अन्तरक)

2. (1) श्री आनन्द कुमार खन्ना, पुत्र स्वर्गीय करनल
तीर्थ राम खन्ना।
(2) श्रीमती कृष्ण खन्ना पत्नी श्री आनन्द कुमार खन्ना
निवासी कोठी नं० ४४५, सैक्टर, ३५-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 148 क्षेत्रफल 52813 वर्ग गज जो कि सैक्टर
35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 92 मई 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है)।

(ग० प० सिंह),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रख्युप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सैक्टर 9-बी

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निवेश सं० सी० एच० डी०/16/76-77—अतः मुझे
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 पी० गली के (नया नं० 2164) है तथा जो सैक्टर 15-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के द्वितीय ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में धाराविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचित अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रफेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उचित अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उचित अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिठौ कुलदीप कौर पत्नी श्री गुरसरण सिंह निवासी 111, माणडस टाउन, जालन्धर। (अन्तरक)

1. (i) मिठौ मकल सेठी पत्नी श्री मनिक सेठी निवासी मकान नं० 64, ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली; और
(ii) हिन्दू अविभवत परिवार, ककड़ द्वारा उसके कर्ता श्री एस० के० ककड़, निवासी मकान नं० 121, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 गली के (नया नं० 2164) सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 104 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है)।

(ग० प० सिंह),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 4 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सैकटर 9-बी
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निवश सं० बी० जी० आर० 6/(डी० एल० आई०)/3/

76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'दक्षत इंडियम' बदला गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिक्षास करने का कारण है कि स्थायकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 14, क्षेत्रफल 12183333 वर्गमील और उस पर बना इमारती ढांचा है तथा जो सैकटर 6, इण्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976 को पूर्खोंक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिक्षास बरने का कारण है कि दृश्य-पूर्खोंक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिपत्ति से रेसे दृश्यमान प्रतिपत्ति का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) अंक अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षी) के बीच रेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिन्दित में कारसदिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बादत उक्त अधिनियम के अधीन अंक देने के अन्तरक से दिवित में कमी बरने का इससे बहने में सहित दिया जाए; और/या

(ख) रेसी दिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए;

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—346GI/76

1. मैं० भन्गर इण्डस्ट्रीज, प्लाट, नं० 14, सैकटर 6, इण्डस्ट्रीयल एरिया फरीदाबाद।
(अन्तरक)

2. मुख्य अधिकारी मैं० मिमक (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड
10-बी, पूतम 5/2 रसल स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंक्षत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 14 सैकटर 6, क्षेत्रफल 12183.33 वर्ग गज और उस पर बना इमारती ढांचा जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया फरीदाबाद में है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 158 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोद्दर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
156, सैकटर 9-बी
चंडीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निर्देश सं० के० एन० एस०/5/76-77—अतः मुझे, ग० प०
सिंह,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 692 वर्गगज है तथा जो रेलवे रोड करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जून, 1976

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती प्रकाशवती पत्नी श्री ईश्वर दास निवासी होली मोहल्ला, धोटी चौधरियां, करनाल । (अन्तरक)
- 2. सर्वंश्री :
(i) प्रवीन कुमार,
(ii) प्रदीप कुमार,
पुत्रान् श्री प्रेम चन्द, दुकान नं० 504, बाँड़ नं० XIV, चौक सराफा, करनाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिधिकारी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 592 वर्ग गज खसरा नं० 13394 और 13396 में से जो कि रेलवे रोड करनाल में 4781 4781 में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूल के विलेख नं० 5203 जून, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है) ।

(ग० प० सिंह),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सैक्टर 9-बी,

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निदेश सं० के० एन० एल०/6/76-77—ग्रतः मुझे, ग० प०

सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 703 वर्गगज है तथा जो रेलवे रोड करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति :—

1. श्री कुलभूषण पुत्र श्री ईश्वर दास निवासी होली भोहला, घाटी धरियां, करनाल।
(अन्तरक)

2. सर्वे श्री

(i) रमेश कुमार और

(ii) सुरेश कुमार पुत्र श्री भगवत प्रशाद, दुकान नं० 497 वार्ड नं० 15 चौक सराफा, करनाल।
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सन्धिधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 703 वर्गगज खसरा नं० 13394

13396

4781

में जो कि रेलवे रोड करनाल में स्थित है।
4781

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 5204 जून, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहर।

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सेक्टर 9-बी

अर्जन रेंज, चंडीगढ़

चंडीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निदेश सं० के० एस० एन०/7/76-77—अतः मुझे ग० प०
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट 675 वर्गमंगज है तथा जो रेलवे रोड करनाल में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दीश्वर दास पुत्र श्री गेदा राम, निवासी होली भोहल्ला, घाटी बौधरियाँ, करनाल।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री :

(i) प्रेम चन्द्र पुत्र आत्मा राम और
(ii) सन्दीप कुमार पुत्र प्रेम चन्द्र, दुकान नं० 504, वार्ड
नं० XIV चौक सराफा, करनाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभापति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदातारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 675 वर्गमंगज खसरा नं० 13394,
4781

13396

4781 में जो कि रेलवे रोड करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 5205 जून, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

(ग० प० सिंह),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रांजन रेज-1, मद्रास

4/14 क, आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली-, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

निवाश सं० आई० ए० सी० /एस्य०/11/1227/76-77—
ग्रतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि इथावर सम्पत्ति, दिस्वा उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-21 है तथा जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
बनाने का बाण है कि इथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तस्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नतु :—

1. श्रीमति दाविन्द्र कौर, पत्नी श्री सरन पाल सिंह,
(2) श्रीमति कुलजीत सिंह कौर पत्नी श्री राविन्द्र सिंह,
निवासी ए-2/37, राजीरी गार्डन नई दिल्ली (अन्तरक)।

2. (1) हंसराज, सुपुत्र श्री शोरी मल,
(2) श्री तारा चन्द
(3) श्री इन्द्र राज, सुपुत्र श्री हस राज, निवासी 9208,
नवाब गंज, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

इष्ट सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 1½ मंजिला बिल्डिंग जोकि 398.3 वर्गमीटर भेत्रफल
पर बनी हुई है, जिसका नं० डी०-21 है, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली
में सभी फिल्मिस तथा फिल्मवर और बिजली, पानी तथा प्लांट
सहित निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: जायदाद नं० डी०-20
पश्चिम	: जायदाद नं० डी०-21 ए
उत्तर	: रोड़
दक्षिण	: जायदाद नं० डी०-29

एम० एस० गोयला
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रांजन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1
4/14 क, आसफाबली भार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1226/76-77—
अतः मुझे, एम० एस० गोयला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थाष्ठर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० एच०-1/10, का दक्षिणी हिस्सा है तथा जो
कृष्ण नगर, गांडली गांव, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाख्य ग्रन्तुसूची में पूर्ण रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री निरंजन दास, सुपुत्र पं० रामनाथ, निवासी एच०-1/10,
कृष्ण नगर, दिल्ली-51 । (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्ता, सुपुत्र एल० श्री बलवन्त सिंह
तथा श्रीमती बिमला देवी, पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्ता, निवासी
11/200, गीता कलौनी, दिल्ली 31 । (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यवित द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थाष्ठीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आयदाव का दक्षिणी हिस्सा जिसका नं० एच०-1/10 है,
कुल क्षेत्रफल 233. 1/3 वर्ग गज का 152. 8 वर्ग गज है,
जोकि कृष्ण नगर की आंबादी, गांडली गांव, विल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व :	रोड़
पश्चिम :	प्लाट नं० एच०-1/9
उत्तर :	उपरोक्त जायदाव का बाकि बचा हिस्सा
दक्षिण :	रोड़

एम० एस० गोयला

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 8 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 4/14 क, आसफाबली मार्ग, दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/III/एस० आर०-III
/जून/510/(2)/76-77—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संक्षू-4 है तथा जो हाउस खास एनक्लेव, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9 जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री संतोष कुमार सिंह, सुपुत्र श्री चौधरी राज सिंह
- (2) श्रीमती रीता सिंह, पत्नी श्री संतोष कुमार सिंह
- (3) श्री कातीकथा चौधरी, नाबालिंग सुपुत्र श्री संतोष कुमार सिंह, इनके पिता तथा प्राकृतिक सरक्षक श्री संतोष कुमार सिंह के द्वारा
- (4) श्री बकत कुमार सिंह, नाबालिंग सुपुत्र श्री संतोष कुमार सिंह इनके पिता तथा प्राकृतिक सरक्षक श्री संतोष कुमार सिंह के द्वारा।

सभी निवासी बंगलों नं० 5, रेलवे स्टाफ, कालौनी,
लाल बाग, बाररोड़।
(अन्तरक)

2. आल इण्डिया प्रैयर फालोशिप, क्यू-3, ग्रीन पार्क, एक्स-
टैक्शन, नई दिल्ली - 1
(अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्र 1147-4/10 वर्ग गज है, जिसके साथ क्लाई मंजिला पक्का मकान बना है, जिसमें दो गैरेज तथा दो कमरे और बाउली दोबार भी है, जिसका प्लाट नं० 4, ब्लाक नं० 'क्यू०' है, निवासी कालौनी हाउस खास एन्क्लेव, खारेरा, गांव दिल्ली कूतब रोड पर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	प्लाट नं० क्यू० 3
पश्चिम :	प्लाट नं० क्यू०-5
उत्तर :	लान
दक्षिण :	रोड

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 9 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० अर्जन/56-ए/कानपुर/76-77—ग्राम: मुझे,
विजय भार्गवा,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 2 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्राम: ग्राम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामतः—

1. मैसस स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी लिमिटेड, जूही,
कानपुर (अन्तरक)
2. श्री निरज अग्रवाल पुत्र श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल निवासी
19, कम्ब्य कलब, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० 30 रक्का 711.11 वर्ग गज
बाकी 133/60 आनन्दपुरी, कलोनी, जूही, कानपुर 53,333.25
रु० में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्र० श्रीमती अमृत कला सिंधवानी बेका स्व० श्री आर० के

प्र० श्रीमती अमृत कला सिंधवानी बेका स्व० श्री आर० के
सिंधवानी निवासी ४/१५०, आर्य नगर, कानपुर। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 अक्टूबर 1976

निदेश सं० अर्जन/182/कानपुर/76-77—अतः, मुझे,
विजय भार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 10 मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—346जी०आई०/76

1. श्रीमती अमृत कला सिंधवानी बेका स्व० श्री आर० के
सिंधवानी निवासी ४/१५०, आर्य नगर, कानपुर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
धाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20—क में यथा
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

प्रत्यक्ष सम्पत्ति प्लाट नं० एच०/272 रक्कड़ा 356 वर्ग गज
पाण्डू नगर (काकादेव) स्कीम नं० 1 कानपुर, 32,040 रु०
मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 21 अक्टूबर 1976

मिदेश सं० अर्जन/416/छिवरामऊ/76-77—अतः, मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिवरामऊ, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्रीमती कौशिल्या बेवा श्रीराम भरोसे वैश्य निवासी
इन्हाहीमगंज परगना व तह० छिवरामऊ, जिला फर्रुखाबाद।
(अन्तरक)

2. श्री राम सनेही पुन्र श्री तोताराम साकिन इन्हाहीमगंज,
परगना व तह० छिवरामऊ, जिला फर्रुखाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में
से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थान
किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोष्ट्रसाक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, उन्हीं पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खेतिहार भूमि खसरा नं० 363 रकबा 1.30
बाँके ग्राम देवरामपुर परगना व तहसील छिवरामऊ, जिला
फर्रुखाबाद, 30,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 अक्टूबर 1976

निवेदण सं० अर्जन/176-ए/मेरठ/76-77—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है और जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती बिमला रानी पत्नि अखिलेश कुमार पुत्र श्री नरेश
पाल गर्ग साक्षिनान शिवा जी रोड, शहर मेरठ। (अन्तरक)

2. श्री राम निवास पुत्र लाला राजा राम (2) सहीश चन्द्र
पुत्र राम निवास साक्षिनान काशजी बाजार मंदिर बाली गली,
शहर मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति न० 56/2 रक्का 456(2/3) वग गज
बाकै शिवाजी रोड, शहर मेरठ, 1, 82,000र० में हस्तान्तरित
की गई है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21 अक्टूबर 1976

मोहर :

ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अक्टूबर 1976

निर्देश सं००३४ अर्जन/१६३ए०/कैराना/७६-७७/१७६२—अतः
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शान्ती प्रसाद पुत्र श्री रावे लाल निवासी मौहल्ला आलमपारा, मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री राम जी दास पुत्र श्री देवी दत्ता मल निवासी नया बाजार शामली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सक्षमंबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट रक्का 1123.50 (2/3) बाकी बाटर बर्क्स रोड, शामली, जिला मुजफरनगर 40,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-10-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/164-ए०/कैराना/76-77/1763—प्रतः
मम, विजय भार्गवाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-5-1976को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा थाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—(1) श्री शान्ती प्रसाद पुत्र श्री राधे लाल, निवासी
मौहल्ला हालमपारा, मेरठ। (अन्तरक)(2) श्री बिरेन्द्र कुमार पुत्र श्री राम जी दास, निवासी
नया बाजार, शामली, जिला मुजफरनगर। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट रकड़ा 1/3 का 1123.50 वर्ग
गज बाकै बाटर वर्कस रोड, शामली, जिला मुजफरनगर,
20,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, कानपुर

तारीख : 26-10-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/74-ए०/कानपुर/76-77/1760—ग्रतः
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
क्षृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थतः—

(1) श्री वासु देव राव अश्वा साहिब (2) श्री पुर-
शोलम राव टटिया साहिब (3) श्री राम चन्द्र राव बाबा
साहिब (4) श्री बनकेटश राव निवासीगण सूबेदार केठी,
तिलकनगर, कानपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री उषा कान्त मित्तल (2) श्रीमती रजनी
मित्तल निवासीगण कटरा शमशेर खां, इटावा। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पति प्लाट नं० 3 रकवा 428 लर्ग गज
नं० 4/278 'बी०' बाकै पुराना नवाबगंज, कानपुर 25,780
रु० मूल्य में हस्तअन्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-11-1976

मोहर :

प्रूरुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/78४०/कानपुर/76-८८/१७६१—भ्रतः,
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी, के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्य पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्ति में की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः :—

(1) श्री वासू देव राव अम्भा साहिब (2) श्री पुष्टोसम राव टाटिया साहिब (3) श्री राम चन्द्र राव साहिब (4) बनकैटश राव निवासीगण सुबेदार चौठी, तिलक नगर, कानपुर।

(2) श्री आनन्द प्रकाश बन्सल (2) श्रीमती शाशी बन्सल निवासीगण 3 कृष्णनगर, औराई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० 2 रक्का 428 वर्ग गज नं० 4/278 'बी०' वाकै पुराना नवाब गंज, कानपुर 25,780 रु० मूल्य में हस्तअन्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-11-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/16/कानपुर/76-77/1705—अतः, मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
घारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1976 को
पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ब के
प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भागवत प्रसाद तिवारी पुत्र स्व० पं०
बलभद्र प्रसाद तिवारी निवासी 4/281, पाखती बागला रोड,
कानपुर
(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल (2) विश्वन प्रसाद पुन्नगण श्री
मुक्ता लाल निवासी 112/138 आर्य नगर, कानपुर।
(अन्तरिती)

4. श्री राज कुमार तिवारी पुत्र स्व० पं० बलभद्र
प्रसाद तिवारी (2) श्रीमती गुलाब बाई तिवारी पत्नी स्व०
पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी निवासी 4/281, पाखती
बागला रोड, कानपुर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अन्त सम्पत्ति प्लाट नं० 8 रक्का 200 वर्ग गज
बाकै मौजा बेरी अकबरपुर, कानपुर, 12,000 रु० मूल्य में
हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/15/कानपुर/76-77/1703—अतः, मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से बण्ठा है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-4-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—346 जी आई०/76

(1) श्री भागवत प्रसाद तिवारी निवासी 4/281
पारबती बागला रोड, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती राम रानी अवस्थी पत्नी श्री राम भरोसे
अवस्थी निवासी 'ई०' 53 आफिसर कालोनी राबतपुर
कानपुर (2) श्रीमती कस्तूरी देवी दीक्षित पत्नी श्री राम
सजीबन दीक्षित नि० 104/210 सीसामऊ, कानपुर
(अन्तरिती)

(4) श्री राज कुमार तिवारी (2) श्रीमती गुलाब
बाई निवासी 4/281, पारबती बागला रोड, कानपुर
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० 31 रक्का 200 वर्ग गज
मौजा बेरी अकबरपुर, कानपुर 11,600 रु० मूल्य में हस्ता-
अन्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-10-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, विनाक 20 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/14/कानपुर/76-77/1701—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भागवत प्रसाद तिवारी (2) श्री राज कुमार तिवारी पुनर्गण स्व० बलभद्र प्रसाद तिवारी (3) श्रीमती गुलाब बाई बेवा पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी साकिनान 4/4/281, पारवती बागला रोड, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमति चम्पा देवी पत्नी पं० जगत नारायण तिवारी साकिन 104-ए०/22, राम बाग, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसि व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मेंदिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पति प्लाट नं० 7 रक्का 200 वर्ग गज वाके मौजा बेरी झकबरपुर जिला कानपुर 12,000 रु० मल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 20-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 76-ए०/आर्जन/कानपुर/76-77/1599—अतः
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यदि उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० एन० मिश्रा सी०-289, डिफेन्स कालीनी नई दिल्ली-24
(अन्तरक)

(2) (1) श्री ईश्वर दास निवासी 118/40, कौशल-पुरी, कानपुर (2) श्री मेंग राज निवास 118/40, कौशल-पुरी, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० ए०-8, सी०-ड्लाक, काकादेव, स्कीम नं० 1, कानपुर, 1,40,000 रु० मूल्य में हस्तअन्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 5-10-1976

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/नरैनी/बाँदा/76-77/1779—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री किशोरी लाल
अग्रवाल स्वयं मुख्तार आप श्रीमती मधू अग्रवाल पति श्री
गिरीश चन्द्र अग्रवाल व श्रीमती संतोष अग्रवाल पति श्री
सतीश चन्द्र अग्रवाल व मुख्तार आप श्रीमती प्रकाशवती
अग्रवाल पति श्री किशोरी लाल अग्रवाल निवासीगण 95,
टैगोर टाउन, इलाहाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री कमल किशोर पुत्र श्री राम रूप निवासी
पोस्ट व परगना नरैनी जिला बाँदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खेतिहार भूमि रकमा 11.60 एकड़
बाकै ग्राम माऊ तहसील नरैनी जिला बाँदा, 25,000 रु
मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 4-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/24/नरैनी/76-77/1783—ग्रतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि रस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 19-2-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री किशोरी
लाल अग्रवाल स्वयं मुख्तार आप श्रीमती मधू अग्रवाल
पति श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल व श्रीमती संतोष अग्रवाल
पति श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल व मुख्तार आप श्रीमती
प्रकाशवती अग्रवाल पति श्री किशोरी साल अग्रवाल निवासी-
गण 95, टैगोर टाउन, इलाहाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री नानक राम बारबर पुत्र श्री ठारमल बारबर
निवासी परगना व तहसील नरैनी जिला बाँदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रस्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खेतिहार भूमि रक्का 11.28 एकड़
बाकै ग्राम भाऊ तहसील नरैनी, जिला बाँदा, 25,000 रु०
मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 4-11-1976

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निर्देश सं० अर्जन/22/नरेनी/76-77/1781—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में रिक्त है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नरेनी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1976 को
पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री किशोरी लाल
अग्रवाल स्वयं मुख्तार आप श्रीमती मधू अग्रवाल पति श्री
गिरीश चन्द्र अग्रवाल व श्रीमती सन्तोष अग्रवाल पति श्री
सतीश चन्द्र अग्रवाल व मुख्तार आप श्रीमती प्रकाशवती
अग्रवाल पति श्री किशोरी लाल अग्रवाल निवासीगण 95,
टैगोर टाउन, इलाहाबाद (अन्तरक)

(2) श्री मन्ना भड्या पुत्र श्री राज कुमार निवासी
ग्राम नरेनी, जिला बाँदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खेतिहर भूमि खसरा नं० 494, 496,
और 492 रकबा 10.55 (3 प्लाट्स) बाँके ग्राम माऊ
तहसील नरेनी जिला बाँदा, 25,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित
की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 4-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1976

निवेश सं० अर्जन/181/छिबरामऊ/76-77/1791—अतः
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो, अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के काय लिय, छिबरामऊ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरबी देवी पत्नि श्री नारायण दास अग्रवाल
निवासी होली गेट, मधुरा
(अन्तरक)2. श्री मैथली शरण शुक्ला पुत्र श्री जय गोविन्द शुक्ला,
निवासी 15/284, सिविल लाइन्स, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूचि (प्लान्ट और मशीनरी कॉल्ड स्टोरेज) वाकै सिकन्दरा कॉल्ड स्टोरेज परगना और तहसील छिबरामऊ जिला फरुखाबाद, 70,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 8 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री नियाज अहमद खां एवं अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 अक्टूबर 1976

निवेश सं० नं० 67-के०/अर्जन/76-77—प्रतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि नं० 740 मि० है तथा जो अहमदपुर
नजल, राय बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय रायबरेली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख, 29 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती कनीजा आयशा उर्फ मलका (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो अहमदपुर नजल जिला राय बरेली में स्थित
है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख: 26 अक्टूबर, 1976
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 26 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 26-एच०/अर्जन/76-77—अतः मुझे अमर
सिंह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 89/121 है तथा जो शूतरखाना,
मकबूलगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 24 मार्च, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित ध्यक्तियों पर्याप्त हैं:—

7—346 जी० आई०/76

1. श्रीमती शुशीला देवी (अन्तरक)
2. श्री हनूमान दत्त मिश्र (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 80/121 जो शूतरखाना मकबूलगंज लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ।

तारीख : 26 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रलूप प्राई० ई० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 136-एस०/एसीक्य०/76-77—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का प्लाट है तथा जो घड़ियाली जौहरी मो० गोल दरवाजा स्ट्रीट लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इसारत आरा बेगम	(अन्तरक)
2. श्रीमती सावित्री देवी एवं अन्य	(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)	
4. श्री/श्रीमती/कुमारी 'कोई नहीं'	

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का प्लाट जो घड़ियाली जौहरी मोहल्ला गोल दरवाजा स्ट्रीट लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ.

तारीख : 26 अक्टूबर, 1976

मोहर :—

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०

1. श्री शेख मुजलयार अहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 अक्टूबर, 1976

निवेश सं० 137-एस०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अ
के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है और जिसकी

सं० बाग है तथा जो ग्राम आंवला तह० आंवला मुरादाबाद में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिला मरादाबाद
आंवरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 25-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम, की, धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री शेख मुजलयार अहमद (अन्तरक)

3. क्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्राम का बाग जो ग्राम आंवला तह० आंवला जिला
मुरादाबाद में स्थित है।

अमर सिंह विसेन,
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 27-10-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 27 अक्टूबर, 1976

निकेश सं० 27-बी०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 52 है तथा जो पुराना किला लखनऊ, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 भार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपचारा (1) में, निम्नलिखीन व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ढा० सुरेश कुमार हंसराज (अन्तरक)
2. श्री विजय प्रकाश (अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. नहीं। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रथ्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 52, जो पुराना किला लखनऊ में स्थित है।

(अमर सिंह विसेन),
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ :

तारीख : 27-10-1976।

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-II, ग्रहमद बाद

भोपाल, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल, 76-77/1974-
अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो बुरहानपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वारंतदिक रूप से वथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उबत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उबत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

1. श्री देवनन्द पुत्र श्री राजाराम पातीदार
निवासी गौगांव तह० खरगोन
2. श्री सैयद शाकिर अली (12) सैयद साजिल अली
दोनों पत्र—डा० सै० शोकत अली,
निवासी खानकहा, बुरहानपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उबत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधान

कृषि भूमि खसरा नं० 4, 6, 7, 13 और 40, कुल क्षेत्रफल 7.442 हेक्टेर जो कि उखड़गांव तह० बुरहान पुर में स्थित है।

बी० के० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 9-11-1976।

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/755—
अतः मुझे वी के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उमत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो महू में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, महू में भारतीय रजिस्ट्रीक्युल अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 12-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता/त :—

1. श्री शेख यासीन पुत्र श्री शेख मोहम्मद निवासी खान
मोहल्ला महू जिला इन्दौर।
2. (i) सैयद मोहम्मद हुसैन पुत्र सैयद हैदर हुसैन
चमड़े के व्यापारी,
निवासी गोकुल गंज, महू।
(ii) श्रीमति सुगरानसीम
पत्नि सैयद मोहम्मद हुसैन
निवासी गोकुल गंज, महू।

(अत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही ग्रथे होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 7.37 एकड़ जो कि ग्राम उमरिया तहः महू
में स्थित है।

बी० के० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 7-11-1976।

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, भोपाल

भोपाल, विगांक 5 नवम्बर 1976

निदेश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-67/748—
अतः मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 31-5-1976।

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया
गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बोद्धत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुविद्धा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह नामली निवासी
1/1, नामली कोठी
साउथ तुकागंज, इन्दौर (अन्तरक)
2. (1) श्री दया लाल शाह (2) श्री अमृत लाल शाह,
(3) श्री नवीन भट्ट शाह,
सभी पुत्र श्री त्रिभुवन वास शाह निवासी 80/86,
तारादेवी रोड, सियागंज, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

एप्पलीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुला प्लाट नं० "ई०" नामली—कोठी, साउथ तुकागंज,
इन्दौर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 5-11-1976।

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/749—
अत, मुझे: वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, इषाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निशारानी पति श्री रामबाबू वैरम "साकेल
भवन" गांधी रोड, मोरार, ग्वालियर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री सोम प्रकाश गुप्ता (2) राकेश कुमार गुप्ता
निवासी दही मंडी, दौलत गंज,
लश्कर, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

केबल भूमि जो कि "ग्रीन होटल" (पड़ाव) प्लेट फार्म नं० 2,
लश्कर, ग्वालियर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1976।

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/750—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के शीत्य ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :—

8—346जीआई/76

1. श्री सुरज किरन डावर पुत्र श्री साल भद्र आबर, निवासी हमीदिया रोड, भोपाल। (अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्णा धीर पति स्व० श्री धरम धीर धीर, निवासी दिलखश बंगला, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 30, जो कि "नादिर कालोनी" श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है। क्षेत्र फल 8000 वर्ग फुट।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 5-11-1976।

मोहर :

प्रसूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 नवम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सि० क्य०/42/76-77—
अतः मुझे, एस० एस० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कीधारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 27, 28, 29, 30 और 68, 69 जो
बजिराबाद कला मंदिर के पीछे हैं तथा जो नांदेड में स्थित है
(और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नांदेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-7-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से क्षितिः नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति :

1. (1) कैलाशचन्द्र बुधालाल वर्मा, अहमदाबाद
द्वारा सोमेशचन्द्र बुधालाल वर्मा, नांदेड
- (2) मै० कपाड़ीया कारपोरेशन, सूरत (गुजरात राज्य)
(अन्तरक)

पार्टनर

2. (1) श्री मोहनलाल पुरुषोत्तम कपाड़ीया, सूरत
- (2) श्री शिरीषभाई मोहनलाल कपाड़ीया, सूरत
- (3) श्री साराभाई मोहनलाल कपाड़ीया, बम्बई।
- (4) श्री दिलीपभाई मोहनलाल कपाड़ीया, सूरत
- (5) श्री अनिलकुमार रत्नलाल बफीवाला,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

6 प्लाट्स जिनकी संख्या 27, 28, 29, 30, 68 और 69
जो कलामंदिर बजिराबादकेला मंदिर के पीछे नांदेड में हैं।

- (1) प्लाट नं० 27, 28, 29 और 30 :
 $160' \times 90' = 14400$ वर्ग फीट।
सीमा : पूरब में सोमेशचन्द्र बुधालाल वर्मा का प्लाट
पश्चिम में 30 फीट चौड़ी सड़क
उत्तर में अन्तरक का प्लाट
दक्षिण में 20 फीट चौड़ी सड़क
- (2) प्लाट नं० 68 और 69 : $90' \times 80' = 7200$
वर्ग फीट।
सीमा : पूरब में प्लाट नं० 68
पश्चिम में किरट कुमार और जयंतीलाल के प्लाट
उत्तर में 20 फीट चौड़ी सड़क
दक्षिण में किरट कुमार का प्लाट
कुल क्षेत्र : (1+2) = 21600 वर्ग फीट।

एस० एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर।

तारीख : 1-11-1976।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री धर्मपलन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सीताराम

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम कोचीन, दिनांक 3 नवम्बर, 1976

निदेश सं० एल० सी० 86/76-77—अतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोत्रम अडाम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालकाटम में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-3-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

11 Cents of land with buildings in Sy. No. 2109 (Block No.
3/45) in Koppam amsom in Keezh muri desom in Palpat.एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलमअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-11-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती अम्बपूरण अम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री टी० ऐ० दावि

(अन्तरिती)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम; दिनांक 5 नवम्बर 1976

निदेश सं० एन० 87/76-77—अतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रशूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट कोर्पोरेशन में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट हिल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

30-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उबत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उबत अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4/5th right over 21.80 Cents of land with building in R.
Sy. 3-12-773/1 A2, 784/1, 775/4B, 3-12-773/1 A2 in
Kachery Amsom, Calicut.

एस० एन० चन्द्रशूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अम्युक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख: 5-11-1976

मोहर :

प्रलूप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 188/76-77—यतः मुझे, के० एस०
बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 193, 194, 195 रेबाला मोजे हैं, जो
बैलूर जिला में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बुच्चरेडडीपेलम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती देविरेडडी श्री श्रीदेवमा पत्नी स्वर्गीय
शेणरेडडी, मुडिवरती मौजा, कोबूर तालूका, नेल्लूर
जिला (अन्तरक)

(2) श्रीमती काकतरे भारती गीता
पत्नी श्री के० वी० रमनरेडडी,
राममूर्तीपोनगर बैलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबच
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुमती

जीराथती जमीन (तरीजमीन) जमीन 4.52 येकर्स
तक सरवे नं० 193, 194 और 195 रेबलागाऊ में रेबलाप नपा
यतः नेलूर जीला करीबी गयी दसता बैज नं० 118/76 सब
रजिस्ट्रार के कार्यालय में बुच्चरेडडी पेलम्।

के० एस० बैंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 3-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी०/189/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है,

और जिसकी संख्या 23/420 है, जो टेकामेटा म स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यनियों, अर्थात् :—

(1) श्री पोनालूर रमना रेडी पिता वीराराधाव रेडी वाहब पेटा-नेल्लूर। (अन्तरक)

(2) 1. रानडा बसवी रेडी पिता वेनटेकस्वामी रेडी
2. रानडा बालरामरेडी पिता सूर्य नारायण रेडी दोनों पनडीलापला जरैता तालूक प्रकाशम जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रहने वाली घर—डोर नं० 420 वार्ड नं० 23 टेका मेटा नेल्लूर करीदी गढ़ी वसतावेज मंनं० 634/76 जाइन्ट सब रजिस्ट्रार नेल्लूर के कार्यालय में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 3-11-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 190/76-77—यतः मुझे के० ए० स०
बैंकटरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन है, जो रेबाला मोजा में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बुच्चीरेड्डीपेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक— 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति :—

(1) श्रीमती देवीरेड्डी श्री देवमा, मुद्रिवर्ती मोजा क
कोव्वूरतालूका, नेल्लूर जिला (अन्तरक)
(2) श्री गुडाला वीर राघवरेड्डी पुत्र सुब्बारामीरेड्डी
रेबाला मोजा, कोव्वूर तालूका, नेल्लूर जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिराती जमीन जो खुल्की में लिया गया है जो 117/76
सं० से बेचा हुआ है जिसका रजिस्ट्री बुच्चीरेड्डीपेलम के कार्यालय
में किया गया है जो रेबाला मोजे में स्थित है एवं जो कोव्वूर तालूक
नेल्लूर जिला में स्थित है।

पट्टा सं०	क्रम सं०	कुल क्षेत्रफल	बेचा हुआ जमीन
5	205	8.74 सेट्स	1.80 सेट्स
5	195	3.05 ,,	1.53 ,,
75	204/2	3.99 ,,	1.67 ,,
कुल क्षेत्रफल			5.00-2.017

के० ए० स० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 4-11-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 191/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 7-5-83/83/1 है, जो गोदाम रोड में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-3-1976 को

पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि इथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अत्यरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 अ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

(1) श्रीमती राजकन्या देवी पत्नी सत्यनारायण, गोदाम रोड, निजामाबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पुत्री एलदास, दीपक महल, खलीतवाडी, निजामाबाद, नवजीवन ट्रेडर्स द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूरी सम्पत्ती जिसका नगर पालिका सं० 7-5-83/83/1, है जो 228 वर्ग गज है, जो मेसर्स दीवान बहादुर लक्ष्मीनारायण मुरलीधर चावल और तेल मिल्स के नाम से पहचाना जाता है जो गोदाम रोड, निजामाबाद में स्थित है जिसका ओक्यूमेंट सं० 392/76 जो रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में उपलब्ध है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 4-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नाथा वेंकटशेष्या/पिता वेंकट सुब्रप्या—स्टोन हौजपेट
नेलूर।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 192/76-77—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 3/18 है, जो नेलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 3/18 स्टोन हैजपेट नेलूर के पास है दूसरा मंजिला तक का घर, उसकी विस्तीर्ण 60 अनकनम इसकी व्यापार कार्यालय नेलूर में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—346 जी आई/76

तारीख : 10-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० सारापूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती एन० सेन्तामराकशी अम्माल

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० 1 एम० ए० आर०/75-76—यतः मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' घोषा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-एल है, जो वासु स्ट्रीट मद्रास में स्थित है । (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 1582-76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 20-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यवित्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु किसी अन्य व्यवित्रित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 10, वासु स्ट्रीट डॉर सं० 4 एल (ब्लाक 13, एस० सं० 154/22) में एक ग्राउंड और 1656 स्क्युयर फीट की खाली भूमि ।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास ।

तारीख : 3-11-76

मोहर :

प्रसूप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० तारापुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० रामदेव और सी० वरदन (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1976

सं० 3/एम०ए०आर०/75-76—यतः मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 4-एल है, जो वासु स्ट्रीट मद्रास-10 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 1705/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 26-3-76

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व;
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, उपासे में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास 10, वासु स्ट्रीट डोर सं० 4-एल (ब्लॉक 13, एस०
सं० 154/22) में एक ग्रांडंड और 1656 स्क्युयर फीट की खाली
भूमि ।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख : 3-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री जे० एच० तारापूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० वी० बालचंद्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

सं० 8/एम०ए०आर०/75-76—यतः मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट एफ०-15, हारीटन रोड मद्रास-31 है,
जो _____ में स्थित है (और इससे उपांबढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मद्रास (पत्र सं० 1264/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-31, हारीटन रोड प्लाट एफ०, डोर सं० 15 (आर०
एस० सं० 324 और 329) में 2 ग्रांडंड और 100 स्क्युर फीट
की खाली भूमि ।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-11-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० लारापूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मुदा उमाशंकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 नवम्बर 1976

निदेश सं० 9/एम०ए०आर०/75-76—यतः, मुझे, जी०रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं०प्लाट एक० डोर 15 है, जो हारीटन रोड मद्रास-31
में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 1384/
76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 11-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास-31 हारीटन रोड डोर सं० 15 प्लाट एक० (आर०
एस० सं० 324 और 329) में 2 ग्राउड और 200 स्क्युर फीट
की खाली भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 3-11-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 27 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० सी० प्रार० 62/5९-1३/7५७६/ए० सी०
क्य०/वी—यतः, मुझे, एम० हरिहरन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 98-ए०/ 9-27-16, 16-ए०, 16-वी,
16-सी०, और 16-डी०, है, तथा जो तंकापेट वार्ड, शिवलि,
विलेण, बुद्धपि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुद्धपि
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
ता० 27 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अत्यरिक्त भी गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही विसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिशत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एस० दिराजाचार्य सुपुत्र श्री कालमंजे श्री-

मिशासाचार्य,

(2) एस० श्रीनिवासाचार्य,

(3) अनंताचार्य (मैनर)

(4) लक्ष्मीनारायनाचार्य (मैन)

सारा संपत्ति का वारसदार, मंज्ञारकाड, बुद्धपि टोन।

(अन्तरक)

2. श्री बी०रमानन्द पै० सुपुत्र श्री बी०वासुदेव पै० कलर्क,
केनारा बैंक, कावी मुद्रेन मार्ग, बरान्य बुद्धपि, पोस्ट बुद्धपि, एस०
क० डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरिती)

3. श्री कें० पाडुरंग सेट सुपुत्र सुब्राय सेट मोल्ड स्मिथ नं०
9-2-16-डी, तेकापेट, बुद्धपि। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

4. (1) केनरा बैंक कावीमुद्रेन मार्ग बरान्य, बुद्धपि,
(2) वेंकटेश्वरा टेम्पल ट्रस्ट तेकापेट बुद्धपि
(3) श्री गोविन्द प्रबु, स्पेशल असिस्टेन्ट केनारा बैंक
सौंदर्यस्ति नं० 9-2-16-ए०, तेकापेट बुद्धपि,
(4) यु० गोविन्दाराज बट नं० 9-2-16-बी०, तेका-
पेट बुद्धपि। (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रीजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1073/75-76 ता० 21-3-1976)
सारा सम्पत्ति का सं०नं० 98-ए०/ 19 सेंट्स और मकान का
नं० 9-2-16, 16-ए०, 16-बी०, 156-सी० और 16-डी ।

बांद :

पूरब : वादिरजा रोड

दक्षिण : तारा बाय का काम्पैड

पश्चिम : पल्लिक डैन

उत्तर : सं० नं० 98-ए०/7, (पोरशन) ।

मकान का क्षेत्र: 3240 स्केयर फुट

एम० हरिहरन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
श्रीमती के०जी०एम०पी०, आयुर्वेदिक बिलिंग,
5वा माला, कमरा नं० 524,
नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 10 नवम्बर 1976

निर्देश सं० अ० ई०-४/ए० पी०-२३७/७६-७७—अतः,
मुझे, जी० ए० जेम्स्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 में एस० नं० 28 (एन० ए०)
एस० नं० 111, एच० नं० 17 एस० नं० 113 एच० नं० 1, एस०
नं० 114 एच० नं० 1 है, जो गांव, कोले कल्याण में स्थित
है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
10 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उचित अन्तरण सिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

'अ'

1. हुसेनी सेलीभाय डाक्टर, 2. अदमजी पी० पीरभाय,
3. हसमभाय अहमदभाई, 4. बद्रुद्दीन शमसुद्दीन, 5. हुसेनी
भाई अलीभाई चितलवाला,

एकजूकर्स एंड ट्रस्टीज आफ वी इस्टेट आफ दी लेट
फकर्लूदीन अलिभाई चितलवाला,

सब मार्फत, अदमजी पी० पीरभाई एंड कं०,
वादा मजिल, पहला माला,
67-69 मोहम्मद अली रोड, बम्बई-400003. (मस्तरक)

2. 1. नूतन डाई बर्स, 2. नील कमल वेलवेट्स,
3. पापुलर वेलवेट्स, 4. नतीजनल वेलवेट्स 5. नूतन वेलवेट्स,
मार्फत, के० जे० संचावी,
मार्फत शोभना सिल्क मिल्स,
51, शमशेश स्ट्रीट पहला माला,
बम्बई-400002. (अन्तरिती)

3. श्री के० ज० संचावी,
मार्फत, शोभना सिल्क मिल्स,
51, शमशेश स्ट्रीट पहला माला,
बम्बई-400 002

(वह व्यक्ति जिसके में बारे में अधोहस्ताक्षरी
जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

वह जमीन, जिसका प्लाट नं० 1, माप 4002.80 वर्ग
गज है (3344.8 वर्ग मीटर), जो उन जमीनों का ही भाग
है,—जिनकी माप कुल मिलाकर 12583 वर्ग गज (10520½)
है, उन पर छह बाड़ियों, इमारतों या चालों सहित, जो मौजा
कोले कल्याण, (कलीना), तालूक अंशोरी में मौजूद है तथा बम्बई
उप नगर के कलकट्टा के रिकार्ड में सर्वे नं० 28 (एन० ए०),
एस० नं० 111, एच० नं० 17, एस० नं० 113, एच० मं० 1 और
एस० नं० 114, एच० नं० 1 के अंतर्गत दर्जे हैं और जिसका नगर
पालिका बाई नं० एल० 3846, (सी० टी० एस० नं० 7603),
है एवं इस प्रकार विरा हुआ है कि :—उत्तर की ओर सार्वजनिक
मार्ग, दक्षिण की ओर भारत टेक्स्टाइल फैक्ट्री की सम्पत्ति, पश्चिम
की ओर प्लाट नं० 2 जो, एस० नं० 28 (एन० ए०), एस० नं० 3,
एच० नं० 17, एस० नं० 113, एच० नं० 1 व एस० नं० 114
एच० नं० 1 वाली सम्पत्ति का भाग है, और पूर्व की ओर मिठी
नदी नाले हैं।

जी० ए० जेम्स्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बंबई

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुवेंदिक विलिंडग, ५वाँ माला

नेताजी सुभाष रोड, कमरा नं० ५२४, बंबई-४००००२

बंबई, दिनांक १० नवम्बर १९७६

निदेश सं० अ० ई०-४/ए० पी० २३८/७६-७७—अतः मुझे, जी० ए० जेम्स्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

प्लाट नं० ३, में एस० नं० २८ (एन० ए०) एस० नं० १११ एच० नं० १७, एस० नं० ११५ एच० नं० १, एस० नं० ११४ एच० नं० १ है, जो गोव, कोले कल्याण में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक १०-३-१९७६ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

१. हुसेनी सलेभाई डाक्टर, २. आदमजी पी० पीरभाई, ३. कासमभाई अहमदभाई, ४. बद्रुदीन शमसुदीन, ५. हुसेनी-भाई अलिभाई चितलवाला, एक्जूक्टर्स एंड ट्रस्टीज आफ दि इस्टेट आफ दि लेट फकर्हीन अलिभाई चितलवाला सब मार्फत/आदमजी पी० पीरभाई दादा मंजिल, पहला माला, ६७-६९ मोहम्मद अली रोड, बंबई-४००००३.

(अन्तरक)

2. १. रजनिकांत धीरजलाल संघवी, २. रमेश जयन्तीलाल संघवी, ३. श्रीमती पल्लावि दिनेश संघवी, ४. श्रीमती मंगला अनुप शेष, ५. श्रीमती रमिला प्रमोद शेष, ६. श्री भरत नंजालाल शेष, ७. श्री पियुस नानालाल शेष, ८. श्री महेन्द्र केशवलाल शाह, ९. श्री विनोद केशवलाल शाह, १०. श्रीमती नानकी किशन बेलानी, ११. श्रीमती पद्मा वासुदेव समतानी, १२. श्रीमती निलम वैनभाई भिमानी, १३. श्रीमती पद्मा नियू बलवानी, सब मार्फत/, के० जे० संघवी शोभना सिल्क मिल्स, ५१, शमशेश स्ट्रीट, पहला माला, बंबई-४००००२। (अंतिर्ती)

४. श्री के० जे० संघवी मार्फत/शोभना सिल्क मिल्स, ५१, शमशेश स्ट्रीट, पहला माला, बंबई-४००००२। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोग्रहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोग्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह जमीन जिसका प्लाट नं० ३, माप ४६९१.८९ वर्ग गज (३९४१.१८ वर्ग मीटर), जो उन जमीनों का ही भाग है, जिनकी माप कुल मिलाकर १२५८३ वर्ग गज (१०५२० १/२ वर्ग मीटर) है, उन पर खड़ी वाड़ियों, इमारतों, या चालों सहित, जो भोजा कोले कल्याण, (कलीना), तालुका अंधेरी, में भौजूद है, तथा बंबई उप नगर के कलकटर के रिकार्ड में सर्वे नं० २८ (एन० ए०), एस० नं० १११, एस० नं० १७, एस० नं० ११५ एच० नं० १ और एस० नं० ११४ एच० नं० १ के अन्तर्गत दर्ज है और जिसका नगर पालिका वार्ड नं० एल० ३४६ सी० टी० एस० नं० ७६०३ है और इस प्रकार घिरा द्वारा है कि:—उत्तर की ओर सार्वजनिक मार्ग, दक्षिण की ओर भारत टाइल फैक्टरी की सम्पत्ति, पूर्व की ओर प्लाट नं० २ और पश्चिम की ओर प्लाट नं० ४ है।

जी० ए० जेम्स्,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-४, बंबई

तारीख : १० नवम्बर, १९७६
मोहर:

प्रख्युप प्राईंटी० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी०, आयुक्तेविक बिल्डिंग, 5वाँ माला,
नेताजी सुभाष रोड, बंबई-400002
बंबई, दिमांक 10 नवम्बर 1976

निवेश सं० अ० ई० 1/1581-34/माचै-76—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 336 स्ट्रीट नं० 80 मांडवी डिवी-
जन है, जो काजी सैयद स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 24-3-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-346 GI/76

1. श्री जमनादास संकलांधं (अन्तरक)

2. मैसर्स नरोत्तम दास हरबल्लभदास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप में
259-6/9 वर्गगज यानि 217 वर्ग मीटर के बराबर है जैसा कि
कैडेस्ट्रल सब रजिस्टर में दिखाया गया है और काजी सैयद स्ट्रीट
पर जो बंबई फोट के बाहर व बंबई नगर रजिस्ट्री उप-जिले में
और बंबई उपनगर जिले में भौजूद है और भू-राजस्व कलकटर
के रिकार्ड में कैडेस्ट्रल सर्वे नं० 336 मांडवी डिवीजन के अधीन
दर्ज है तथा म्युनिसिपल रेट्स एण्ड टक्सेज के असेसर व कलकटर
द्वारा 'बी' बार्ड नं० 1358-59 व स्ट्रीट नं० 80 के अधीन निर्धारित
होता है तथा पूर्व में काजी सैयद स्ट्रीट, पश्चिम में स्नाडवालों के
लिए रास्ता जो उन परिसरों डेंद इस्माइल की जायदाद के लिए
सम्मिलित रूप में है, उत्तर में डूंगरसी उकेरा का घर और दक्षिण
में कोका हंगरसी के घर से घिरा हुआ है।

जी० ए० जेम्स
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26६८

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई
आयुवेचिक अस्पताल विलंडग, नेताजी सुभाष रोड,
बम्बई-400002

बम्बई-400002 दिनांक 10 नवम्बर 1976

निवेश सं० आई०-1/1583-36/मार्च-76—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्स, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 26६८ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विधास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० एन० 1/1582 सी० एस० नं० 314, माहिम डिवीजन है तथा जो भांडारवाडा रोड में स्थित है और इसके उपचर अनुसूची में और ५० रुपए की विनियम है), रजिस्ट्री बर्टी अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-1976

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26६९ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26६८ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैसर्स बंबई एसपोर्टिंग इमपोर्टिंग और इन्वेस्टीमेंट कं० प्रा० लि० (अन्तरक)
2. श्री सतीश शंकर गुप्ते (अन्तरिती)

3. 1. एच० वी० पस्ते, 2. वाई० जी० सावंत, 3. आर० एस० वाडे, 4. सरस्वतीबाई आर० ताकने, 5. के० जी० परुले कर 6. सी० आर० सालवी, 7. बी० डी० सुवें, 8. वी० एस० वेंगारकर, 9. वी० आर० भोसले, 10. के० डी० सुवें, 11. जी० जी० पेडनेकर, 12. एस० आर० कालदेवकर, 13. वी० बी० परब, 14. बी० सी० टेबे, 15. वी० सी० टेबे, 16. मैसर्स

आकर्ष केमिकल वर्क्स, 17. एम० वी० सता, 18. मैसर्स आदर्श केमिकल वर्क्स, 19. आर० जी० देवधर, 20. स्वीपर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीं व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेंशन घ टैक्स की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो दावार में भांडारवाडा रोड और गोखले रोड (उत्तर) पर, बंबई के फोर्ट से बाहर और बंबई नगर व बंबई रजिस्ट्री उपजिले में, माप में 1038 वर्ग मीटर (1241.67) वर्ग गज या उसके आस-पास है, जिसमें विक्षिण-पूर्वी कोने पर भौजूदा दीवार और नगरपालिका फुटपाथ के बीच ली जमीन पट्टी को भी मिलाकर, भौजूदा पड़ा हुआ, जो (माहिम क्षेत्र) की टी० पी० स्कीम नं० 4 के प्लांट का आविरी नं० 702 है और भूराजस्व कलक्टर के रिकार्ड में नए नं० 3709, 4646, नए सर्वे नं० 1/1582 व केडेस्ट्रल सर्वे नं० 314, माहिम डिवीजन, साथ ही उस पर के निवास घरों, एक्चाल और कुशों को मिलाकर, जिनका निर्धारण म्यूनिसिपल रेट्स एंड टैक्सेज के असेसर व कलक्टर द्वारा 17, "जी" घार्ड नं० 4406 (4 ए), 4406 (2 ए), 4406 (2), 4406 (1 ई), (4406 1 बी) और 4406 (1) व स्ट्रीट नं० 84 सी, 4 सी, 4, 766 सी, 766 बी, 4 बी बी व 766 के अंतर्गत होता है और यह इस प्रकार चिरा हुआ है कि—पूर्व की ओर अंतरः सी० एस० नं० 1687 वाली जायदाद जो रामदास दामोदर ट्रस्ट के द्रिस्टियों की है, और अंशतः माहिम डिवीजन के सी० एस० नं० 1700 वाली जायदाद जो श्री बी० जी० पंडित की है; पश्चिम की ओर माहिम डिवीजन के बेस्ट्रल सर्वे नं० 1/314 वाली जायदाद, दक्षिण की ओर अंशतः वयाल कुलभ को बेची हुई जायदाद और उससे आगे अनंत पाटिल रोड, उत्तर की ओर भातवडेकर की जायदाद है।

जी० ए० जेम्स्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10 नवम्बर, 1976
मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कावेरे रोड

अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 29 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० सी० ए०-५/हवेली-११ पूना/जूलै 76/309/
76-७७—यतः मुझे, व्ही० एस० गायत्रोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास व रने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उद्दिश बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्र० 354-१-बी-१ है तथा जो बोट क्लब रोड, पूना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-७-१९७६

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती देवीबाई बगूमल केवल महाल, सुभाष रोड, बम्बई-२०। (अन्तरक)

2. मैंसर्स कनोपस् को-आपहाउसिंग सोसायटी, बोट क्लब रोड, पूना। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह सब डिल्हीजन नं० बी० सर्वे० क्रमांक 354-१-बी-१ पार्ट

क्षेत्रफल 1383.74 वर्ग मीटर्स, बोट क्लब रोड, पूना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 301 दिनांक 23-७-1976) सब रजिस्ट्रार, हवेली-II, पूना के बफ्टर में लिखा है।)

व्ही० एस० गायत्रोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख: 29-10-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड

अर्जन रेज पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 4 नवम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/मिरज-1/जूलै 76/310/76-77—
यतः मुझे, घी० एस० गायत्रोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 250, और 251 है तथा जो माधव नगर जिला सांगली में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिरज-I, सांगली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-7-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तेजस्विनी प्रबीणचंद्र शाह खुद के लिए और प्रज्ञान, 1 संगीता 2. स्वाति 3. संदीप 4. सलिने के लिए प्रज्ञान पालन कर्ती, निवालकर बाड़ा, 3री गली, शाहपुरी, कोल्हापुर

2. श्री कल्यान चुनीलाल शाह, 614-ई, 2 री गली, शाहपुरी, कोल्हापुर। (अन्तरक)

2. श्री मधूसूदन फुलचंद शाह

2. हिमतलाल फुलचंद शाह, 206 बुधवार पेठ, माधव नगर, जिला सांगली। (अन्तरिती)

3. श्रीमती तेजस्विनी प्रबीणचंद्र शाह, निवालकर बाड़ा, 3री गली, शाहपुरी, कोल्हापुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हिस्सद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लॉट नं० 251 और खुली जमीन प्लॉट नं० 251 और उसके ऊपर बांधी हुई इमारत माधवनगर जिला सांगली। क्षेत्रफल 10000 वर्ग फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 517 दिनांक 29-7-1976 को सब रजिस्ट्रार मिरज I, सांगली के दफतर में लिखा है।)

घी० एस० गायत्रोंडे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 4 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1976

निर्वेण सं० अर्जन/332-ए०/गजियाबाद/76-77/1957—

अतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मूल चन्द्र पुंवं श्री जहांगीर निवासी ग्राम सिहानी परगना लोनी तहसील गजियाबाद, जिला मेरठ। (अन्तरक)

2. मेसर्स आर० डी० मैकेनिकल इन्डस्ट्रीज देहली प्रा० लि० रजिस्टर्ड आफिस 28 बारह खम्बा रोड, कनाट पैलेस, नई दिल्ली द्वारा श्री आर० डी० वर्मा मनेजिंग डायरेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति खसरा नं० 847 रुक्का एक बीघा तीन बिस्ता वाकै ग्राम सिहानी परगना लोनी तहसील गजियाबाद जिला मेरठ, 34,787.50 रु० मूल्य म हस्तांतरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक 12 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5169/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 142, पलवाक्कम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए में 2 एकड़ की भूमि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 'मद्रास नार्थ' (आकुमेण्ट 898/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अन्तरित किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे नाशने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. डॉक्टर टी० एस० महालिंगम और श्रीमती टी० एस० राजलिंगम। (अन्तरक)

2. श्री वी० जी० पी० इन्वेस्टिमेण्ट्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 142, पलवाक्कम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए में 2 एकड़ की भूमि।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 16-11-76।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5169/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 142, पलवाकम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए में 2 एकड़ की भूमि में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऐ० एस० आर० 'मद्रास नार्थ', (डाकुमैण्ट 937/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

1. श्री डॉक्टर टी० एस० महालिंगम और श्रीमती टी० एस० राजलिंगम (अन्तरक)

2. श्री बी० जी० पी० इन्वेस्टिमेंट्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 142 पलवाकम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए० में 2 एकड़ की भूमि।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5169/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 142, पलबाकम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए 2 ए० में 2 एकड़ की भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कायालिय, जे० एस० आर० 'मद्रास नार्थ' (डाकु-मेण्ट 1071/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर टी० एस० महालिंगम और श्रीमती टी० एस० राजलिंगम

(अन्तरक)

2. श्री बी० जी० पी० हन्वेस्टमेण्ट्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सरदार में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 142, पलबाकम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए में 2 एकड़ की भूमि।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 नवम्बर 1976

निदेश नं० 1631—यसः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माउल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—346जी०श्राई०/76

1. श्रोमति ऊमा वेबी पत्नी श्री तरसेम लाल (अन्तरक)
गांव —फलानी बाल, तहसील—
जलन्धर (मुख्यारम्भाम श्रीमती
अलीआस)।
2. श्रीमती विमला कपूर तथा श्री अरुन कपूर,
86-ग्राम माउल टाऊन, जलन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9116 फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 5-11-1976

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस
राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1976

सं० फा० ७/१९८०-प० I (ख) — राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना स्कॉर्डों में प्रवेश हेतु जनवरी 1978 से प्रारम्भ होने वाले ५९वें सत्र के लिए और अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास (श० प्र० शा०) में जनवरी, 1978 से प्रारम्भ होने वाले तबनुरुषी सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा २४ मई, 1977 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या थल सेना के लिए १६२, नौ सेना के लिए ३३ और वायु सेना, रा० र० श०, खड़कवासला के लिए ५५ तथा थल सेना, श० प्र० शा०, मद्रास के लिए ५० होगी।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यचर्चा (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

2. परीक्षा के केन्द्र : अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भूपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और लिंबेन्द्रम।

3. पात्रता की शर्त :—

(क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो या
- (ii) भूटान की प्रजा हो या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो या
- (iv) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथी तांजानिया का संयुक्त जणराज्य या जांबिया, मलावी, जेयर तथा इथियोपिया से प्रव्रज्ञन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii) और (iv) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, उउको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी ही स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु-सीमाएं, स्त्री या पुरुष और वैवाहिक स्थिति :—

केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार के पात्र हैं जिनका जन्म २ जुलाई, १९५९ से पूर्व तथा १ जनवरी, १९६२ के बाद न हुआ हो।

नोट :—जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिक्युलेशन/हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :—राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सेकेन्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा का १०+२ प्रणाली के अन्तर्गत ११वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली हो।

ऐसे उम्मीदवार जिन्हें स्कूली शिक्षा की १०+२ प्रणाली के अन्तर्गत अभी हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा पास करनी है वे भी आवेदन कर सकते हैं पर उन्हें उपर्युक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण आयोग के कायालिय में १५ दिसम्बर, १९७७ तक भेजना होगा और ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

अपवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट :—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क :—रु० २८.०० (अनु-सूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु० ७.००) : जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्तीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट:—(i) आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट वे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच में भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-11-1964 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

2. यह सेना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों, नान-कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय बायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों प्रौढ़ थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान-कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय बायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देते हैं; अर्थात्

- (i) वे मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अधिकृत कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षी मई, 1977 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रूपए मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल श्राउंडर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रूपए, नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउटर पर।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, बायुसैनिक चयन केन्द्रों, एन० सी० सी० एक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

नोट:—आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा मंगाने के लिए भेजे जानेवाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 10-1-1977 के पहले पहुंच जाने चाहिए। परन्तु वे प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउंटर पर स्वयं जाकर मांगनेवालों को 17-1-1977 तक मिल सकते हैं।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, जिनमें सशस्त्र सेना में सेवारत कर्मचारी भी शामिल हैं, या सरकारी स्वामित्व वाले श्रौद्धोगिक उपभ्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, जिसमें सशस्त्र सेना भी शामिल है स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को उस के अंत में संलग्न प्रमाण पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष या कमांडिंग अफसर की इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण पत्र की फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

नोट:—भारतीय नौसेना के नाविक (बालक तथा कारीगर प्रशिक्षा सहित) पहली तर्जीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत् अनुशंसित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से जात), देहरादून के कैडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख:—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 17 जनवरी, 1977।
- (ii) विदेश में या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों 31 जनवरी, 1977।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों:—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) ₹ २८.०० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ ७.००) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक-बर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आडेंट के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्रापट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह “०५१ लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन पत्र के साथ भेज दें।

(ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लग-भग ५ सें. मी० × ७ सें. मी०) के फोटो की एक जैमी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अकित हों।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा:—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उसे जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण पत्र के नीचे उल्लिखित) से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:—

(i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान भंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :—

(i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रान्जिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वासन का प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट

अथवा

(iv) सब डिविजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवी-जन की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन), कलकत्ता।

(ख) श्री लंका से प्रत्यावर्तित :—

श्री लंका में भारत का उच्चायोग।

(ग) बर्मी से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो।

9. शुल्क की वापसी:— आवेदन के साथ आयोग को श्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको ₹ १५.०० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में ₹ ४.००) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में अनुज्ञीण हुआ है या हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार दिसम्बर, 1976 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुसंसित हुआ हो तो उनके मामले में ₹ १५.००० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ ४.००) का शुल्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जहरी है कि मई, 1977 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त 1977 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्त की सूचना : इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अंदर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पावता या अपावृत्ता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कक्षावार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेरबदल न करें और न फेर बदल किए गए, गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है:—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचन को छिपाकर रखना, या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (vii) परीक्षा भवन में अभद्र साधन काम में लाना, या
- (viii) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना, या
- (ix) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रवृत्त होना या प्रवृत्त होने के लिए उकसाना, जैसी भी स्थिति हो।

वह अपने को दंड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा आयोग ठहराया जा सकता है अथवा
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए

(ii) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाणपत्र—प्रस्तुतीकरण:—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः सितम्बर, 1977 में घोषित किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के समय भी इन मूल प्रमात्र पत्रों को प्रस्तुत करना पड़ सकता है।

15. आवेदन के संबंध में प्रवृत्तव्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए:—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नंबर या जन्म की तारीख (अगर रोल नंबर नहीं लिया हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन में दिया है।

ध्यान दें:—जिस पत्रों में ऊपर का व्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन :—उम्मीदार को इस बात की व्यवस्था करलेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजाया दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० आंच रिकूर्टिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ : जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए), वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो, उनको चाहिए कि वे लिखित परीक्षा के परिणाम निकलते ही अपनी उस परीक्षा की तारीखें सूचित करते हुए सेना मुख्यालय को लिखें ताकि अगर संभव हो तो साक्षात्कार की तारीखें तय करते समय वे इस बात को ध्यान में रख सकें।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले इए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों को होगी।

18. लिखित के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, प्रवेशः—

संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में शायोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परिक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहाँ थल सेना/नौ सेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीचूड परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके बारान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के बे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृत हेतु, थल सेना नौ सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी-क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे। इन घटों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में दो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और दूसरी वायुसेना के लिए—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के सभी अंगों के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विंगों में प्रवेश के लिए अंतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायुसेना विंग में प्रवेश के लिए अंतिम चयन वायु सेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्ता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से धून लिए जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रह कर दिया जाएगा।

अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश हेतु अंतिम चयन इसके बाद थल सेना तथा नौसेना की योग्यता सूची में बचे हुए उम्मीदवारों में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्त हों।

ध्यान दें :—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एप्टीचूड परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बात में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एप्टीचूड के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विंग या जनरल इंजीनियर (पाइलट) बांध या नेबल एग्रेजर ए० आर० एम० में प्रवेश के लिए शावेदान नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० २० अकादमी कोस में पाइलट एप्टीचूड परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिए ही अपना शावेदान करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी/शाला में प्रवेश का लिए अधिकारी नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राप्तिकारी

को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी/शाला में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपर्युक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनहृताएँ:—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा नुके थे पर अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिए गए थे उनको अकादमी/शाला में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबंध:—उम्मीदवारों को इस बात का अन्त देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण-काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. नियमावली तथा प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पैम्फलेट:—पिछली पांच परीक्षाओं के नियम तथा प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पैम्फलेट की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के पास बिक्री पर मिलती हैं जो उससे सीधे मेल आड़ेर द्वारा या नक्ष भुगतान पर प्राप्त की जा सकती है। नकद पैसा देकर इन्हें (i) किंत्र भहल, रिवोल्वर सिनेमा के सम्मुख, एस्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लॉक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 स्थित प्रकाशन शाखा तथा संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011 के कार्यालय के बिक्री काउंटरों, और (iii) गवर्नरमेंट ऑफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी प्राप्त किया जा सकता है। विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी पैम्फलेट प्राप्त हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना:—रक्षा मंत्रालय (मनो-वैज्ञानिक अनुसंधान निवेशालय) ने 'सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन' (एस्टडी आफ इंटेलिजेन्स ट्रैस्ट स्कोर्स ऑफ कैडिडेट्स एट सर्विसेस सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाए।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों से मिल सकती है।

एम० एस० प्रूथी

उप सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना और पाठ्य-विवरण)

क. परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	3 घंटे	250
2. गणित-प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र 1 (विज्ञान)	3 घंटे	200
प्रश्न-पत्र 2 (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामरिक मामले)	3 घंटे	200
		900

2. उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे सिक्के, तोल और नाप की मीट्रिक पद्धति से परिचित होंगे। प्रश्न-पत्रों को जहाँ भी आवश्यक होगा मीट्रिक पद्धति के सिक्कों, तोलों तथा नापों पर आधारित करके बनाया जाएगा।

3. सब प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएं जब तक कि प्रश्न-पत्र में विशेष रूप से अन्यथा न कहा जाए।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अहंक अंकों का निर्धारण आयोग की विकास पर है।

6. केवल ऊपरी ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. लिखित विषयों में अपार्श्य हस्तलेख होने पर अधिकतम 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभाव-कारी, यथार्थ अभिव्यक्ति के लिए श्रेय दिया जाएगा।

परीक्षा का पाठ्य-विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहावरेदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहावरों तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिए भी प्रश्न शामिल किए जाएंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश या सार लेखन के लिए भी गद्यांश सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत्र I

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ:—धन पूर्ण संख्याएँ, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, क्रम विनियम सहचारी और वितरण नियम। मूल संक्रियाएँ, जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन। वर्ग और धन मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि:—साधारण तथा मिश्र व्याज, समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात, दौड़ से संबंधित प्रश्नों का अनुप्रयोग।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त :—विभाजन कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएँ। गुणन और गुणन खंड। गुणन खंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड कलन विधि।

लघुणक और उनके प्रयोग।

बीज गणित :

आधारभूत संक्रियाएँ :—साधारण गुणन खंड। शेषफल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विघात समीकरणों का हल, उनके मूलों और गुणांकों के बीच संबंध। दो अक्षात् राशियों में युगपत् समीकरण, तीन अक्षात् राशियों में रेखिक युगपत् समीकरण, समीकरणों का अनुप्रयोग। असमताएँ, ग्राफ़।

समुच्चय भाषा, अंकन पद्धति, बैन ग्रारेख, समुच्चय संक्रियाएँ, तीन अक्षात् राशियों के रेखिक समीकरणों के हल-समुच्चय अनु-प्रयोग परिमेय गुणांकों वाले बहुपद। विभाजन कलन विधि। घातांक विधि। ए० पी० तथा जी० पी०, गुणोत्तर श्रेणी। आवर्त दशमलव भिन्न। क्रम चय और संचय। घनात्मक समाकल घातांक हेतु द्विपद प्रमेय। द्विपद प्रमेय का अनुप्रयोग।

ग्रिकोणमिति:

त्रिकोण मितीय तथा तत्समक। 30° , 45° और 60° के त्रिकोण मितीय अनुपात तथा ऊंचाई और दूरी के प्रारम्भिक प्रश्नों में उनका प्रयोग।

प्रश्न-पत्र II

ज्यामिति :

आपतन संबंध। एक रेखा में क्रम संबंध। क्षेत्र एक समतल में दिव्यकलन। रेखा और बिन्दु में पाश का अधिगृहीत परावर्तन। स्थानान्तरण। घूर्णन। परावर्तन, स्थानान्तरण और घूर्णन का संयोजन। सर्पी परावर्तन। रेखा के प्रति समिति। सममित आकृतियाँ। समदूरिकी। निश्चर। सर्वांगसमता—प्रत्यक्ष और विषम।

मिम्नलिखित पर प्रमेय :—

- (i) किसी बिन्दु पर कोण के गुण धर्म।
- (ii) समांतर रेखाएँ।
- (iii) त्रिभुज की भुजाएँ और कोण।
- (iv) त्रिभुजों की सर्वांगसमता।
- (v) समरूप त्रिभुज।
- (vi) त्रिभुज की मध्यिकाओं, शीर्षलम्बों, भुजाओं के लम्ब, द्विभाजकों और कोणों के द्विभाजकों का संगमन।
- (vii) समांतर चतुर्भुज, समचतुर्भुज, आयत, वर्ग तथा समलम्ब के कोणों, भुजाओं व विकणों के गुण धर्म।
- (viii) वृत्त और उसके गुण धर्म। इनमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल है।
- (ix) चक्रीय चतुर्भुज।
- (x) बिन्दुपथ।

कलन:

फलन। ग्राफ़। सीमा और सांतय। फलनों के अवकल गुणांक। बहुपदी परिमेय त्रिकोणमितीय—प्रारंभिक फलनों का अवकलन। कलन के फलन का अवकलन। अवकलन दर, लुटियाँ, द्वितीय कोटि अवकलन।

अवकलन के व्युत्क्रम के रूप में समाकलन। समाकलन के मानक सूत्र। खण्डणः और प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन।

विस्तारकलन (मेन्सुरेशन):

समतल आकृतियों का क्षेत्रफल। धन पिरेमिड, लम्बवृत्तीय बेलन, शंकु और गोले का आयतन और पृष्ठ। (इनसे संबंधित व्यावहारिक प्रश्न दिए जाएँगे और यदि आवश्यकता होगी तो प्रश्न-पत्र में सूत्र भी दे दिए जाएँगे।)

समसल निर्वेशक ज्यामिति :

दूरी सूत्र। खण्ड सूत्र। सीधी रेखा के समीकरण के मानक रूप। दो रेखाओं के बीच कोण। समांतरता और लम्बता के प्रति बंध। किसी बिन्दु से किसी रेखा तक के लम्ब की दूरी। वृत्त का समीकरण।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (i) :—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होंगा; और

प्रश्न-पत्र (ii) :—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले होंगे।

इन प्रश्न पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयांगों को संबंध नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्यविवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उच्चीदावारों के उसरों से प्रश्नों की बोधगम्य ढंग से समझने की मेंदा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रश्न-पत्र I

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होंगा—(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आर्क-मिडीज का नियम, दाव, वायुवाक मापी।

बिंब की गति, वेग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेदन। बल समान्तरत्वतुर्भुज। पिण्ड का स्थायित्व और संतुलन। गुरुत्वाकर्षण, कार्य शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊर्जा का प्रभाव, तापमान का नाप और ऊर्जा। स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊर्जा। ऊर्जा अभिगमन विधियां।

ध्वनि तरंगे और उनके गुणधर्म। सरल वाद्य यंत्र।

प्रकाश का ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन और अपवर्तन। गोलीय दर्पण और लेन्सेज मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पूर्णी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत्। चालक तथा अचालक। ओम नियम। साधारण विद्युत् परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। विद्युत् शक्ति का माप, प्राथमिक और गौण सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांत:

सरल लोलक। सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा पम्प। हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेली-ग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तड़ित चालक, सुरक्षा, प्लूज।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन: तत्व। मिश्रण तथा योगिक। प्रतीत। सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण।

12—346जीश्राई/76

रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन नाइट्रोजन कार्बन डाइऑक्साइड की रचना और गुण धर्म। आक्सीकर और अपक्षय।

अम्ल, क्षारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्वरक—प्राकृतिक और कृतिम।

साबुन, कांच, स्याही, कागज, सीमेट, पेट, दियासलाई और गन-पाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और परमाणु अनुभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव्य और ऊतकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारंभिक ज्ञान।

सामान्य महामारियां, उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य के संघटन।

संतुलित आहार।

सौर परिवार; उलका और धूमकेतु ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां।

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग

(क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न-पत्र II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले)

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होंगा:—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता आनंदोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारंभिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, भाषात्मक एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक शिश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियां, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संग्राम। फांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, रसी क्रांति। समाज पर विज्ञान और शिल्प विज्ञान का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील। लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय की संकल्पना। अंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियां और उसके प्रभाव।

पृथ्वी का उद्भव, चट्ठानें और उनका वर्गीकरण :—

अपक्षय—रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएं और ज्वार भाटे।

वायुमण्डल और इसका संघटन। तापमान और वायुमण्डलीय दाब, भूमंडलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात; आद्रेता। द्रवण और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री, भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मर्दें।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विषय घटनाएं।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से सम्बन्धिक महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल है।

टिप्पणी:—इस प्रस्तुति के अधिकतम अंकों में से सामान्यतया भाग

(क), (ख) और (ग) के लिए अमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अंतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी/अधिकारी प्रशिक्षण शासा में प्रवेश के लिए शारीरिक मानक संबंधी मुख्य बातें

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाव में अस्वस्थता के अधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराश से बचने के लिए उन्हें अपना आवेदन पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी जो उम्मीदवार मणिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मणिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मणिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मणिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेवा के लिए उम्मीदवारों के अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी/अफसर प्रशिक्षण स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुलशतापूर्वक काम करने में शादा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसली कर ली जाएगी :—

(क) कमजूर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी:—अल्पविद्युत ग्रैव पर्शुका वाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

(ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबाने से विरुद्धता तो नहीं आ गई है।

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग-ग्रस्त तो नहीं है। टिप्पणिक मम्बेन में कच्चा जल्म तो नहीं है या उप्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिह्न तो नहीं है या आमूल या संशोधित आमूल कर्ण मूल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी:—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि को कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासाग्रसनी या सहायक कोटरो का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी:—नासा पट के छोठे श्रलक्षणी उवधातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे मामलों को कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियाँ बढ़ी हुई तो नहीं हैं और आदराइष्ट्रिय सामान्य है।

टिप्पणी:—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बल्कि कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्सरे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, तालु टौसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चिकित्य संधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी:—यदि आर बार टौसिल शोध होने का कोई वृत्त न हो तो टौसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का किया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।
 (ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववत् या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।
 (ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाचक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है और स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो।
 (ठ) वंक्षण हृनिया (जिसकी पाल्प-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी आशंका हो अस्वीकृति का कारण होगा।

टिप्पणी:—जिनका हृनिया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बल्कि कि :

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष अतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
 (ii) पेट की पेशीसमूह सामान्यतया ठीक है; और
 (iii) हृनिया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी पाल्प चिकित्सा से संबंधित कोई उलझन पैदा नहीं हुई।
 (उ) हाइड्रोसिल या निश्चित बैरिकोसील या जननेद्वियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

टिप्पणी:—(i) यदि हाइड्रोसील के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण्डग्रंथियों की विलक्षणताएं न हों और फाइलेरियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक और की श्रन्ति: उदरीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बल्कि कि दूसरी अण्डग्रंथि सामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय बल्य में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(छ) फिस्टुला और/या गुदा का विदर या बवासीर के मस्ते तो नहीं हैं।

(ग) गुर्दे की कोई बीमारी तो नहीं। ग्लुकोजमेह या एल-घ्युमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जाएं।

(त) अस्थायी अथवा मामूली क्षत—चिन्हों को छोड़ कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत अधिक कुरुपता आ गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।

(द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों की मिर्गी आती हो, जिनका पैशाब वैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(घ) भेंगापन या आंख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(न) सक्रिय रोहे (टकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं हैं।

टिप्पणी:—इलाज के लिए आपरेशन प्रबेश से पूर्व करवाए जाए। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारन्टी नहीं दी जाती है। तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन बांछनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्च का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के मापों के लिए मानक:—

(क) कद:—

(i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने थोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एड़ियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांव के बाहरी पाश्वों पर नहीं। वह बिना अकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एड़ियाँ, पिढ़लियाँ, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर आँखी छड़के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सें. मी. से कम वजनमत्र भिन्न की उपेक्षा की जाएगी, 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिए 157 सेंटीमीटर) है किन्तु, गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिए 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, अण्णाख्याल प्रवेश, मेघालय और लिङ्गोरम और बिषुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्ष्मीपुर के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:—कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिए 5 सेंटी-मीटर) तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना के कैडिटों के लिए जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो आनुपालिक छूट दी जा सकती है।

(iii) केवल वायु सेना के लिए पायलट के प्रशिक्षण की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए न्यूनतम कद तथा टांग की लम्बाई इस प्रकार होगी।

कद:—162.5 सेंटीमीटर।

टांग की लम्बाई कुल्हे से एड़ी तक 99.0 सेंटीमीटर।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों की कम आयु के कारण कद में 5.0 सें. मी. और टांग की लम्बाई में 2.5 सें. मी. की छूट दी जा सकती है बासते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की संभावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

(ख) वजन:—(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जाधिये के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया

जाएगा। आयु कद और औसत वजन विषयक परस्पर सम्बन्धी सारणी में निर्देश के लिए दी जा रही है:—

आयु अवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेंटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.5	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कद तथा आयु के सम्बन्ध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चय करना सम्भव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिए 6 किलोग्राम कम—ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती पूरी तरह आनुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी आंखें सिर से ऊपर उठी हों फीते को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फी-रियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर आंखों को नीचे किया जाएगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊचे उठे या पीछे की ओर झुके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा। और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से

लिख सिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर के कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा और 0.6 सेंटीमीटर से अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी :—वायु सेना तथा नौसेना के लिए छाती का एक्स-रे अनिवार्य है।

4. दांतों की हालत :

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किए हैं। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों के लिए निम्न प्रकार के प्वाइंट दिए जाएंगे :—

- (i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्वाइंट।
- (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिए दो प्वाइंट पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके :

- (i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।
- (ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. दृष्टिमानक:

(क) दृष्टि-तीक्षणता

मानक I

दूर दृष्टि	अच्छी आंख बी०—6/6	खराब आंख बी०—6/9
	चम्मा लगाकर	6/6 तक

मानक-II

दूर दृष्टिता	अच्छी आंख (चम्मा लगाकर) 6/6	खराब आंख 6/9
--------------	-----------------------------------	-----------------

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अविनियुक्ता (एस्टिगमेटिज्म मेनीफेस्ट) सम्मिलित है—3.5 डी० से अधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपर मेट्रोपिया) जिसमें अविनियुक्ता (एस्टिगमेटिज्म) सम्मिलित है—4-3.5 डी० से अधिक नहीं। टिप्पणी :—1 फैल तथा भीड़िया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

2. वर्धमान मायो रेटिया के सूचक विट्रियस या कोरियारेटिना के अनावश्यक व्यष्टजनन चिह्न नहीं।

3. द्विनेत्री (बाह्योकुलर) दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। (दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र)।

4. कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने की संभावना है।

(ख) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान :

प्राथमिक रंगों को पहचानने की असमर्थता के कारण उम्मीदवार को अस्वीकृत नहीं किया जाएगा। किन्तु इस तथ्य को कार्यवाही में रिकार्ड कर लिया जाएगा तथा उम्मीदवार को उसकी सूचना दी दी जाएगी।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएं :

थल सेना दृष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक I—कार्यपालक शाखा के उम्मीदवार चम्मा नहीं पहन सकते हैं। परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय अनुमति दे तो कुछ सीमित संख्या तक अन्यथा उम्मीदवारों के सम्बन्ध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। हृजीनियरी विशुल और पूर्ण तथा सचिवालय शाखाओं के लिए दृष्टि मानक 6/18, 6/36 चम्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए 6/6 है।

(II) विशेष अपेक्षाएं :

“रात में नजर का मानक—जिन उम्मीदवारों में शुष्क-क्षिप्ताक (जीरो-फ्लिम्या) विगमेट्री अपविकास कोरियारेटिना में विचलन, अपसामान्य परिसारिका और उसके लक्षण होने का सन्देह हो लेकिन जो अन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ हो, नौ-सेना में भर्ती करने से पहले उनकी विस्तृत एन० बी० ए० जांच होगी। जो ग्रेड 11 (ग्यारह) तक न पढ़वेंगे (डेलाकासा—अच्छी/बहुत अच्छी) उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा। जिस उम्मीदवार की डेलाकासा जांच न की जाएगी उससे निम्नलिखित प्रमाण-पत्र लिया जाएगा :—”

“मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रत्नांधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रत्नांधी नहीं है।”

ह० उम्मीदवार.....

चिकित्सा अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर.....

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान मानक I—एम० एल० टी० नेत्र विचलन प्रवृत्ति (मार्टिन लालटेन परीक्षण)

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राड विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि अभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए :—

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 30 सें. मी० की दूरी से

इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

दूर दृष्टिता की सीमा

(होमाटोपिना के अस्तर्गत)

सही आंख

दूर दृष्टिता 1.5 डायोप्टर

साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य 0.75

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य दीर्घ दृष्टिता मैरिडियनका दोष 1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए

दूर दृष्टिता

सबसे खराब आंख 2.5 डायोप्ट्रेस

साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्ट्रेस

संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

दूर दृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्ट्रेस से अधिक नहीं होना चाहिए, इसमें से 1.00 डायोप्ट्रेस से अधिक वृष्टी वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।

बायु सेना (I) दृष्टिमानक 1

चरमा नहीं लगाना है।

(II) विशेष प्रयोगातः :

व्यक्ति दूर दृष्टिता 2.25 डी० से अधिक नहीं होनी चाहिए।

नेत्र पेशी संतुलन :—

मैडोक्स राड परीक्षण से नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

(ख) 33 सें. मी० की दूरी से

एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर
निकट दृष्टि	पूर्ण	
अविन्दुकता	0.75	दि.न

द्विनेत्री दृष्टि :—द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए (आधारम और गहराई के साथ संयोजन और स्टीरियोपसिस)

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान—मानक 1 एम० एल० टी०

6. अवण मानक

अवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा अव्यता मापी (आडियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

(क) वाक् परीक्षा :—उम्मीदवार को जो एक उचित ढंग से शान्त करने में परीक्षक की ओर पीठ करके 610 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अव्यधिष्ट बायु से फुसफुसाना चाहिए अर्थात् वह साधारण निःश्वास अन्त में लेगा।

(ख) अव्यता मितिक रिकार्ड :—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइक्लि प्रति सेकंड की आवृत्ति पर सुनना चाहिए। (अव्यता-मितिक पार्थ्यांक + 10 तथा—10 के बीच होना चाहिए)।

परिशिष्ट III

सेवा आवृत्ति का संक्षिप्त विवरण

1. ग्राकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे :—

(क) इस आशय का प्रमाण पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दीरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी संजिकल आपरेशन या संवेदनाहारक द्वारा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह उसके बंध उत्तराधिकारी को सरकार के विवर दिए किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का बंध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा, शुल्क भोजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का ज्ञेय खर्च वे खुद बदाशित करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00

रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाशत करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रु० 40.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु० 45.00 और थल सेना/नीसेना/वायूसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए रु० 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 350.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता /संरक्षक किसी प्रकार की विच्छिन्नता प्राप्त करने के दब्दियों हों तो उन्हें अपने पुत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रणिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कबासला के कमान्डेन्ट को अग्रेषित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमान्डेट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रति मास 40.00 रु० के हिसाब से	
पांच महीने का जेब खर्च ।	रु० 200.00
(ख) धरम तथा उपस्कर की मदों के लिए रु० 650.00	

जोड़	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

(क) 40.00 रुपये प्रति माह के हिसाब से पांच महीने का
जेव खर्च रु 200.00

(ख) वस्त्र संग्रह उप उपस्कर की मदों के लिए रु 475.00

4. राष्ट्रीय रक्ता अकादमी में निम्नलिखित छात्र वृत्तियाँ उपलब्ध हैं :—

(1) प्रथा एवं भाव पद्धतिन साक्षरता :

यह छात्र वृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से ₹३५०.०० तथा ₹५००.०० के बीच हो। छात्र वृत्ति की राशिं सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्य होगी किन्तु शर्त यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रह और वह सन्तोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी।

(2) कर्नल कैडिलफेंक मैमोरियल छात्रवृत्ति:

वृत्तिः—यह छाव वृत्ति 360.00 रुपये प्रति वर्ष की है और उस मराठा कैडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छाव वृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) फूंचर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति :

वो छात्र वृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हे विहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्र वृत्ति 37.00 रुपए प्रतिमास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के द्वारा तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा वायु सेना फ्लाइंग कालिज तथा नौसेना अकादमी, कोचिन में जहाँ कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्र वृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कि कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्र वृत्तियाँ : दो छात्रवृत्तियाँ असम के कैडेटों को प्रदान की जाएँगी। प्रत्येक छात्र वृत्ति 30.00 रुपए प्रतिमास की होगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिए बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्र वृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्र वृत्तियाँ —: दो छात्रवृत्तियाँ 30.00 रुपए प्रतिमास की तथा 400.00 रुपए की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सन्तोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएंगी। जिन कैंडेटों को यह छात्र वृत्तियाँ मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति:—एक छात्रवृत्ति जो 360.00 रुपए वार्षिक होगी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के हर कोर्स में पूरे प्रशिक्षण के लिए केरल राज्य सरकार द्वारा उस छात्र को दी जाती है जो राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज देहरादून से सफलता प्राप्त कर अकादमी में प्रवेश लेता है तथा जो केरल राज्य का निवासी हो। यह छात्रवृत्ति ऐसे कई डेट को दी जाती है जो भारत सरकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने का पात्र न हो और जिसके मात्रा-प्रति की मासिक आय 500.00 रुपए से कम हो।

(7) बिहारी लाल मंदाकिनी पुरस्कार :—यह 500.00 रुपए का नकाद पुरस्कार सर्वोत्तम अंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। आवेदन-प्रपत्र कमार्डेन्ट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उडीसा सरकार छात्रवृत्तियाँ: तीन छात्र वृत्तियाँ—एक थल सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रुपये प्रतिमास के हिसाब से उडीसा सरकार द्वारा

उन कैंडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैंडेटों की योग्यता तथा आय साधन के प्राधार पर दी जाएगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय ₹० 5000/- प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैंडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्र वृत्तियाँ :—निम्नलिखित वर्गों की छात्र वृत्तियाँ पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हों :—

(क) वर्ग 1:—तीन छात्र वृत्तियां (थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपए प्रतिवर्ष पहले और द्वासरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रुपए तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति । यह उन कैडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्र वृत्ति पाने के पात्र नहीं हों ।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छात्र वृत्तियां 100 रुपए प्रतिवर्ष एक मुश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अंतरिक्ष दी जाएगी।

(10) पायलट प्रफसर गुरमीत सिंह बंदी मेमोरियल छात्र-वृत्ति:—रु० 420/- प्रतिमास की एक छात्र वृत्ति ऐसे कैडेट को दी जाती है जो वायु सेना के कैडेटों के चौथे सत्र के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा । यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी । पांचवें और छठे सत्र के बौरान । यह छात्र वृत्ति बंद कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेट कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो । जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्र वृत्ति या विश्वीय सहायता ले रहा है, उसे यह छात्र वृत्ति नहीं दी जाएगी ।

(ii) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्र वृत्तियां:—हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्र वृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्र वृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्र वृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए प्रतिमास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे यह छात्र वृत्ति नहीं मिलेगी।

इन छात्र वृत्तियों की शर्तेराष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी, खड़कवासला से प्राप्त की जा सकती है।

5. चुने हुए उम्मीदवारों के श्रकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी—

(क) अंग्रेजी
 (ख) गणित
 (ग) विज्ञान
 (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सैकेंडरी शिक्षा बोर्ड की हायर सैकेंडरी

परीक्षा के स्तर से उंचा नहीं होगा। (घ) उपर सिखित विषय की परीक्षा में यह जान्चा आएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के प्रति उदासीन न हो जाएं।

प्रश्नावली

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नीसेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का आरम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा प्रकार-दमी में दिया जाता है जो एक सर्व-सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथा स्थिति विज्ञान या मानविकी के स्नातक स्तर का होगा।

अफसर प्रशिक्षण स्कूल में दाखिला प्राप्त उम्मीदवारों को 3 वर्ष के लिए इसी प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शैक्षिक प्रशिक्षण केवल वैज्ञानिक विषयों तक ही सीमित रहेगा।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून में, नी सेना कैडेट कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट वायु सेना अकादमी, हैदराबाद में शाते हैं। अफसर प्रशिक्षण स्कूल के कैडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून जाएंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जैन्टल मैन कैडेट' कहा जाता है श्रीर उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैल्टी के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों को उनके शेष (shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेकेंड लेपिटनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौ सेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कार्यपालक इंजीनियरी विज्ञली और पूर्ति और सचिवालय शाखाओं के लिए चुना जाता है। उन्हें छह महीने के लिए कडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलता पूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडिशिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। सबढ़ याखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सब लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का हेड वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। सभी कैडेटों को लड़ाकू पायलटों का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा हो जाने पर उन्हें पायलट अफसरों के रूप में कमीशन तथा उड़ान बिल्ले दिए जाते हैं। यदि किसी कैडेट का उड़ान की ओर पर्याप्त समान नहीं होता तो उसे धर सेना/नौसेना कैडेट के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में वापस जाने की अनुमति दी जा सकती है अर्थवा उसे उड़ान (मार्ग निर्देशन) शाखा या प्रशासनिक संभारी की शाखा का प्रशिक्षण देने के प्रश्न पर विचार किया जा सकता है। यह प्रशिक्षण एक से छेद वर्ष तक का होता है जिसे सफलतापूर्वक समाप्त कर लेने पर

फैटेट को समन्वित शास्त्र में परिवीक्षाधीन पायलट अफसर के रूप में कमीशन दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

1. थल सेना अधिकारी

(i) वेतनः—

रैंक	वेतनमान
	रूपए
सैकिण्ड लेफिटनेन्ट	750—790
लेफिटनेन्ट	830—950
कैप्टन	1250—1550
मेजर	1650—1800
लेफिटनेन्ट-कर्नल (चयन द्वारा)	1800—1950
लेफिटनेन्ट-कर्नल (समय वेतनमान)	1800 नियम
कर्नल	1950—2175
ब्रिगेडियर	2200—2400
मेजर-जनरल	2500—125/2—2750
लेफिटनेन्ट-जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) भत्तेः—

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैंः—

- (क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू वरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महगाई भत्ते दिए जाते हैं।
- (ख) 50/- रु० प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) प्रवास भत्ता : जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रु० से 250 रु० तक प्रति मास प्रवास भत्ता।
- (घ) वियुक्ति भत्ता, जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70 रु० प्रतिमास की दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैंः—

(iii) तैनातीः

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(iv) पदोन्नतिः :

(क) स्थायी पदोन्नतिः—

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैंः—

समय वेतनमान से

लेफिटनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफिटनेन्ट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो।	24 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लेफिटनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफिटनेन्ट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति :-

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियाँ उपलब्ध होंः—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लेफिटनेन्ट-कर्नल	6—1/2 वर्ष
कर्नल	8—1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटनेन्ट-जनरल	25 वर्ष

12. नौ सेना अफसर

(i) वेतनः

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौ सेना विमानन और पनडुब्बी
मिडशिप मैन	560	560
कार्यकारी सब-लेफिटनेन्ट	750	825
सब-लेफिटनेन्ट	830—870	910—950
लेफिटनेन्ट	1100—1450	1200—1550
लेफिटनेन्ट कमांडर	1550—1800	1650—1800
कमांडर	1800—1950	1800—1950
कैप्टन	1950—2400	1950—2400
कमोडोर को वही वेतन मिलता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।		
रिपर एडमिरल	2500—125/2—2750	
वाइस एडमिरल	3000—प्रतिमास	

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैक के अफसरों को निम्नलिखित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान भी प्राप्त है:—

निम्नदर	उच्च दर
योग्यता वेतन	70 रुपए 100 रुपए
योग्यता अनुदान	1,600 रुपए 2,400 रुपए

(ii) भत्ते

नौसेना विमान अफसर उड़ान भत्ता के लिए उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुरूपी रैकों के लिए लागू हैं।

नौसेना अफसर समकक्ष रैक में यह सेना अफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिए भी हकदार हैं। इनके अतिरिक्त उन्हें हार्ड लाइंग मनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और गोता वेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नतियां देने के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:—

समय वेतन मान द्वारा

सब लेफ्ट०	1 वर्ष
लेफ्ट०	3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/ जब्ती के अधीन)
लेफ्टनेन्ट कमांडर	लेफ्ट० के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता
कमाण्डर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)
पथन द्वारा	
कमाण्डर कार्यपालक शाखा	लेफ्टनेन्ट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर इंजीनियरी शाखा	लेफ्टनेन्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर विशुद्ध शाखा	लेफ्टनेन्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर पूर्ति और सचिवालय शाखा	लेफ्ट० कमाण्डर के रूप 4-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कप्टन	कमाण्डर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफ्टनेन्ट कमांडर के रैक को छोड़कर जिसके लिए किसी अफसर को लेफ्टनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौ सेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना अफसर

(i) वेतन

रैक	वेतनमान रुपए
पायलट अफसर	825— 865
फ्लाइंग अफसर	910— 1030
फ्लाइंग लैफिटेंट	1300— 1550
स्क्वाइन लीडर	1650— 1800
विंग कमांडर (चयन)	1750— 1950
विंग कमांडर (समय-वेतनमान)	1800 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950— 2175
एयर कमांडर	2200— 2400
एयर वाइस मार्शल	3000
(सी० ए० एस०)	4000

(ii) भत्ते

उड़ान भत्ता : उड़ान शाखा (पायलट और नेवीगेटर) शाखाओं के अफसर निम्नलिखित दर पर उड़ान भत्ता लेने के पात्र हैं:—

पायलट अफसर से लेकर विंग कमांडर तक	रु० 375 प्रति मास
ग्रुप कैप्टन और उससे ऊपर	रु० 333.33 प्रति मास
एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	रु० 300/-प्रति मास

(iii) योग्यता वेतन/अनुदान :— निम्नलिखित दरों पर उन उड़ान शाखा अफसरों को प्राप्त जिनके पास निर्धारित योग्यताएं हैं:—

योग्यता अनुदान	रु० 6000	रु० 4500
	रु० 2400	रु० 1600

(iv) पदोन्नतियां

मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय बेतन मान द्वारा

फ्लाइंग अफसर

1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

फ्लाइंग लैफिट

5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

स्क्वार्डन लीडर

11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

विंग कमांडर

यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

स्थान द्वारा

विंग कमांडर

स्थायी स्क्वार्डन लीडर के रूप में 3 वर्ष की सेवा

शूप कैप्टन

स्थायी विंग कमांडर के रूप में 4 वर्ष की सेवा

एयर कमोडोर

स्थायी शूप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा

एयर वाइस मार्शल

स्थायी एयर कमोडोर के रूप में 3 वर्ष की सेवा

एयर मार्शल

स्थायी एयर वाइस मार्शल के रूप में 2 वर्ष की सेवा

(ख) कार्य कारी पदोन्नति

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

फ्लाइंग सैफिट

2 वर्ष

स्क्वार्डन सीडर

5 वर्ष

विंग कमांडर

6 वर्ष (स्क्वार्डन सीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)

एयर कमोडोर

11-1 / 2 वर्ष (विंग कमांडर और शूप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)

एयर वाइस मार्शल

15 वर्ष (विंग कमांडर, शूप कैप्टन और एयर कमोडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)

एयर मार्शल

23 वर्ष

*खंडित अधिकारी को शामिल करके

14. सेवा निवृत्ति लाभ :—

पेन्शन, उपदान और कैजुएल्टी पेन्शनी अवधार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होगी।

15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्त हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री

सुपुत्र श्री जो गांव/कस्बा* जिला/मण्डल*

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र के निवासी हैं जाति/जन* जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित* जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950;*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950;*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951;*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचिया (आपोद्धन) आदेश, 1956, बम्बई पुर्नगढ़न अधिनियम, 1960, पंजाब पुर्नगढ़न अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुर्नगढ़न) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956;*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959;*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962.*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिजरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964;*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967;*

संविधान (गोआ, घमन और दीयु) अनुसूचित जातियां आदेश,
1968 ;*

संविधान (गोआ, घमन और दीयु) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1970*

2. श्री
और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कम्बा*
..... जिला/मण्डल*
राज्य//संघ* राज्य क्षेत्र में रहता है।
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
हस्ताक्षर
**पदनाम
(कायलिय की मोहर के साथ)
स्थान
तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा
जो “रिपोर्टेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की
धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के जिए सक्षम
श्रिधिकारी ।

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/ अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/ क्लैक्टर/
डिप्टी कमिश्नर/ एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/ डिप्टी
क्लैक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी
मैजिस्ट्रेट/ सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/
एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एवस्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं) ।

(2) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।

(3) रेवेन्यु अफसर जिनका श्रोहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(4) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उभीद-
वार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो ।

(5) एडिमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/ डैवलपमेंट
अफसर (लक्ष्मीप) ।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd November 1976

No. F. 22/77-SCA (G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966, as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court holidays during the year—1977 :

Name of Holiday	Date & Month	Day of the Week	No. of days
Basant Panchami	24th January	Monday	1
Republic Day	26th January	Wednesday	1
Maha Shivratri	16th February	Wednesday	1
Holi	5th March	Saturday	1
Ramanavami	29th March	Tuesday	1
Good Friday	8th April	Friday	1
Baisakhi	13th April	Wednesday	1
Independence Day	15th August	Monday	1
Janmashtami	5th September	Monday	1
Id-ul-Fitr	15th September	Thursday	1
Dussehra	17th to 22nd October	Monday to Saturday	6
Diwali	10th & 11th November	Thursday & Friday	2
Id-uz-Zuhra (Bakrid)	22nd November	Tuesday	1
Guru Nanak's Birth day	25th November	Friday	1
Christmas Holidays	19th December to 31st December	Monday to Saturday	13

By Order
S. K. GUPTA,
Registrar (Admn.)
(Supreme Court of India)

New Delhi, the 20th October 1976

No. F.6/76-SCA(I).—The Honourable the Chief Justice of India has, until further orders, been pleased to promote Shri Amreek Singh, Librarian as officiating Chief Librarian with effect from 1 November, 1976 to 24 December, 1976 vice Shri V. K. Chitre, Chief Librarian granted leave.

The Honourable the Chief Justice of India has also, until further orders, been pleased to promote Mrs. Swaran Bali, Senior Assistant Librarian as officiating Librarian with effect from 1 November, 1976 to 24 December, 1976, vice Shri Amreek Singh, Librarian.

The 30th October 1976

No. F.6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri C. Balasubrahmanian, Court Master at the disposal of the Commission of Inquiry headed by Hon'ble Mr. Justice R. S. Sarkaria, Judge, Supreme Court of India to inquire into certain allegations and complaints against the former Chief Minister and ex-Ministers of Tamil Nadu as Officer on Special Duty with effect from the afternoon of 30 October, 1976, until the afternoon of 31 January, 1977 or until further orders whichever is earlier on usual terms and conditions of deputation.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 25th October 1976

No. F.6/56/57-SCA (I).—Shri N. D. Garg, permanent Private Secretary to Hon'ble Judge, who was on temporary transfer to the Board of Arbitration (JCM), Ministry of Labour, New Delhi as Secretary, has retired from service

with effect from 31 May, 1976 on attaining the age of superannuation.

MAHESH PRASAD
Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th October 1976

No. P.712(Vol.II)-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri G. D. Joshi, a permanent Private Secretary (Selection Grade) of the Central Secretariat Stenographer's Service cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1976 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

CORRIGENDUM

No. A.32014/2/76-Admn.III.—The words "permanent officer of the Selection Grade", appearing in the third line of this Office Notification of even number dated the 10th August, 1976, shall read as "Selection Grade Officer".

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th October 1976

No. P/1877-Admn.I.—Dr. R. Bhaskaran, lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 13th October, 1976, until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th November 1976

No. K-11/65-Ad.V.—Shri K. C. Kapur, Dy. S.P., C.B.I., SPE, New Delhi relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police, C.B.I., SPE, New Delhi on the afternoon of 19-10-1976.

His services were placed back at the disposal of the State Government of Haryana.

The 8th November 1976

No. A-20014/104/76-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri G. S. Mirashi an officer of Maharashtra State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of Central Bureau of Investigation, Bombay (GOW) Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 29-9-76 (FN) until further orders.

V. P. PANDEY
Administrative Officer (A)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 4th November 1976

No. O-II-4/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri B. R. Sur, an I.P.S. Officer of Manipur-Tripura Cadre, as D.I.G. in the CRP Force.

2. Shri Sur took over charge of the post of D.I.G., C.R.P.F. Kohima on the afternoon of 7th October 1976.

The 5th November 1976

No. O-II-169/70-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Cabinet Secretariat, Shri N. S. Iyer is appointed as Dy. S.P. (Coy. Comdt.), Group Centre, CRPF, Bhubaneswar with effect from the forenoon of 13th October, 1976.

The 8th November 1976

No. O-II-167/69-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF Force, Major K. K. Chatterjee (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant 23rd Bn., CRPF Force on the afternoon of 19th October, 1976.

The 9th November 1976

No. O-II-1097/73-Estt(CRPF).—Consequent on his retirement from Govt. service in terms of F.R. 56 (j), Shri Sant Ram Kana relinquished charge of the post of Dy. S.P., 43 Bn., CRPF, on the afternoon of 23-10-76.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 4th November 1976

No. 11/4/76-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Anser Ahmed, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 6th October, 1976 upto the 28th February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Anser Ahmed will be at Madras.

No. 11/4/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Jayashanker, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of the 30th September, 1976 upto the 28th February, 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Jayashanker will be at Trivandrum.

The 5th November 1976

No. 13/3/76-Ad.I.—The President is pleased to accept the voluntary retirement of Shri S. Raghavachari from the post of Assistant Registrar General (Demography and Training) held by him in a substantive capacity with effect from the forenoon of 5th November, 1976.

The 9th November 1976

No. 9/21/75-CTU(Cen).—Shri J. K. Thapa, Secretary to the Government of Sikkim, Co-operative Department is hereby appointed as Director of Census Operations, Sikkim in an *ex-officio* capacity with immediate effect. He will hold this post in addition to his holding charge as Secretary, Co-operative Department.

BADRI NATH
Dy. Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE, WORKS & MISC.

New Delhi, the November 1976

The Accountant General, Commerce Works & Misc., New Delhi has been pleased to promote the following Section Officers (Audit and Accounts as temporary Accounts Officers on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each until further orders :

S. No., Name and Date of Promotion :

1. Shri O. P. Gupta—20-5-76 (FN).
2. Shri R. S. Kochhar—29-6-75 (FN).

P. S. BHAGAR
Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 25th August 1976

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965.

No. Admn.I/72-Discp/76-77/J.S./2858.—In pursuance of sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Joga Singh Auditor that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him.

R. N. CHOPRA
Deputy Accountant General (Adm.)
(Appointing Authority)

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS
(DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT)

New Delhi, the 5th November 1976

No. 23011(1)/66-AN-II.—The following IDAS Officers have been confirmed in the Junior scale of Class-I of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :

S. No., Name and Date of Confirmation :

1. Shri R. M. S. Liberhan—4-12-74.
2. Smt. Rukshana Shaheen Alquadri—20-12-74.
3. Shri Tara Chandra Joshi—4-1-75.

P. K. RAMANUJAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 8th November 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/518/58-Admn(G)/7016.—On attaining the age of superannuation, Shri S. P. Diwan relinquished charge of the post of Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 30th September, 1976.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 3rd November 1976

No. EST.I-2(659).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 11th October, 1976 and until further orders, Shri Narendra Singh Sayana, in the office of the Textile Commissioner, Bombay, as Assistant Director Gr. II (P&D).

C. R. NEELAKANTAN
Deputy Director

(DEPARTMENT OF SUPPLY)
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 3rd November 1976

No. A-1/1(1068).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Surjit Singh Mago, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 11th October, 1976 and until further orders.

The appointment of Shri Mago as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 9th November 1976

No. A-1/1(773).—The President has been pleased to appoint Shri D. S. Phalke, Senior Research Officer (Statistical) in the Forest Research Institute & College, Debra Dun as Deputy Director (Statistics) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon at the 30th September, 1976 and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Admn)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 1st November 1976

No. EI-2(2)/71.—Shri Santi Ranjan Banerjee, Superintendent, is hereby appointed to officiate in the post of Deputy Assistant Iron & Steel Controller with effect from November 1, 1976 (F.N.) vice Shri Monomoy Ghosh, proceeded on leave.

The 3rd November 1976

No. EI-2(2)/71.—Shri Protap Kumar Roy, Junior Inspector, is hereby appointed to officiate in the post of Senior Steel Control Inspector with effect from November 1, 1976 (F.N.) vice Shri Nripendra Nath Sarkar, proceeded on earthen leave upto 30.12.1976.

No. EI-2(2)/71.—Shri Sudhir Ranjan Bose Roy, Superintendent, is hereby appointed to officiate in the post of Deputy Assistant Iron & Steel Controller with effect from November 2, 1976 (F.N.) vice Shri D. P. Sen Sharma, proceeded on leave.

T. GHOSH
Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st November 1976

No. A-19011(102)/75 Estt.A.—The resignation tendered by Dr. R. S. Dinesh, Chemist, Indian Bureau of Mines, having been accepted by the President, his name is struck off the strength of this Department with effect from 25-8-75 (A/N).

A. K. RAGHAVACHARY
Senior Administrative Officer
for Controller

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, dated the 5th November, 1976

No. 4(4)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. G. S. Rao, Transmission Executive, All India Radio, Cuddapah as Programme Executive, AIR, Leh in a temporary capacity with effect from the 4th October, 1976 and until further orders.

No. 4(4)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints the undermentioned Transmission Executives as Programme Executives in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from the dates shown against each until further orders :

Sl. No.	Name	AIR Station where posted as a Transmission Executive	Date of appointment as a Programme Executive and Station of posting
1	2	3	4
(1)	Shri B. S. Deswal	Rohtak	27-9-76 AIR, Rohtak
(2)	Shri S. N. Saxena	Bhopal	13-10-76 AIR, Gwalior

1	2	3	4
(3)	Shri G. J. Abraham	Pondicherry	4-10-76 AIR, Pondicherry
4)	Shri R. Guru-subramaniam	Tiruchi	5-10-76 AIR, Madras.
(5)	Shri J. D. Swaminathan	Tiruchi	30-9-76 AIR, Tiruchi.
(6)	Shri U. C. P. Sinha	Lucknow	29-9-76 (AN) AIR, Lucknow.
(7)	Shri R. S. Iyer	Calicut	15-10-76 AIR, Trivandrum.
(8)	Shri S. P. Jain	E.S.D. AIR New Delhi	29-9-76 (AN) ESD, New Delhi.
(9)	Shri C.V. Sarma	Hyderabad	28-9-76 CBS, AIR, Hyderabad.
(10)	Smt. Benu Pant	E.S.D. AIR, New Delhi.	29-9-76 (AN) AIR, New Delhi.
(11)	Shri B. N. Bose	Indore	8-10-76 AIR, Indore.
(12)	Shri Satya Prakash	Delhi Stn.	30-9-76 CBS, AIR, New Delhi.
(13)	Shri P. P. Ranga Rao	Vijayawada	29-9-76, AIR Vijayawada.
(14)	Shri P. L. Tandon	CBS, AIR, New Delhi.	27-9-76 AIR, New Delhi.
(15)	Shri M. Janardhan Rao	Doordarshan Madras	13-10-76 AIR, Hyderabad.
(16)	Shri R. B. L. Mathur	Delhi Stn.	27-9-76 AIR, Leh.
(17)	Smt. Lakshmi Narayana	Bangalore	4-10-76 AIR, Bangalore.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

PUBLICATIONS DIVISION
MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 3rd November 1976

No. A.20012/4/69 Admn-I.—The Director, Publications Division, hereby appoints Shri B. C. Mandal, a permanent Production Assistant to officiate as Artist for the period from 2-11-1976 to 31-12-1976 vice Shri B. D. Sharma granted leave.

INDRAJ SINGH
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th November 1976

No. 26-19/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Bhandari, Technical Officer, Central Research Institute, Kasauli, to the post of Research Officer (Microbiology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the forenoon of 20th October, 1976, on an ad-hoc basis, and until further orders.

The 8th November 1976

No. A.12025/15/76(RAK)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kumari Meena Wij to the post of Lecturer in Chemistry at the Raikumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, with effect from the forenoon of the 20th October, 1976, in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

New Delhi, the 5th November 1976

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. V. D. Parmar to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, at Meerut on temporary basis with effect from the forenoon of 9th September, 1976.

No. 9-33/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) A. M. Joshi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Bombay on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 8th September, 1976.

R. K. JINDAL
Deputy Director Administration (CGHS)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

BRANCH HEAD OFFICE

Nagpur, the 5th September 1976

No. F3(13)/52/76-DII.—In exercise of the powers conferred by Ministry of Finance (Dept. of Revenue) customs Notification No. 48 dated the 24th May 1954, No. 173 dated the 29th December 1954, No. 5 dated the 14th January 1961, No. 1134 & 1135 dated 7th August 1962, I hereby authorise Dr. Mohan Rajah Rom, Marketing Officer to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Wool, Bristles, Goat Hair, Garlic & Pulses, which have been graded in accordance with the Wool Grading & Marking Rules, 1975, Bristles Grading & Marking (Amendment) Rules, 1973, Goat Hair Grading & Marking (Amendment) Rules, 1962, Garlic Grading & Marking Rules, 1964 and Pulses Grading & Marking Rules, 1964 respectively and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications.

RAMADHAR
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 26th May 1976

No. PA/81(56)/76-R.IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Virendra Prakash Sharma, an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 10, 1976, until further orders.

The 1st June 1976

No. PA/81(54)/76-R.IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Debata Bhattacharyya, an officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

No. PA/81(51)/76-R.IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Marattil Ulahannan Cyriac, an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

No. PA/81(46)/76-R.IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramachandra Purushottam Kulkarni, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

The 2nd June 1976

No. PA/81(45)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Prem Prakash Khanna, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

The 4th June 1976

No. PA/81(52)/76-R.IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Velji Karshanji Rajgor, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN

Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 4th November 1976

No. M/261/Accts/EB/2179.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. Sharnavaz Parvez Meherji, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre from 9-8-1976 (FN) to 24-9-1976 (AN) against leave vacancy.

S. RANGANATHAN

Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 17th September 1976

No. PAR/3302/1739.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri G. B. Kameswara Rao, Asstt. Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II in Stainless Steel Seamless Tube Plant of Nuclear Fuel Complex, Hyderabad w.e.f. 27-8-1976, until further orders.

The 20th September 1976

No. PAR/0705/1740.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Ch. Narasimha Chary, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on *ad-hoc* basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 1-9-1976 to 6-10-1976, or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR/0705/1741.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on *ad-hoc* basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for the period from 1-9-1976 to 31-12-1976, or until further orders, whichever is earlier.

The 2nd November 1976

No. PAR/0705/2066.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, appoints Shri Ch. Narasimha Chary, Assistant Accountant, who has been officiating as Assistant Accounts Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—PB—40—960 with effect from the forenoon of October 7, 1976, until further orders.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION.

Bangalore 560025, 3rd November 1976

No. 10/5(38)/76-CED(H).—The Chief Engineer is pleased to appoint the undermentioned Officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each :

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Post held at present	Date of substantive appointment
<i>Sriyuths :—</i>				
1.	C Gopala Iyer	Supervisor (Tech. Asstt. C.)	Engineer SC	1-1-76
2.	OA Antony	Supervisor (Tech. Asstt. C.)	Engineer SC	1-7-76
3.	PJ Jose Maria	Supervisor (Tech. Asstt. C.)	Engineer SC	1-7-76
4.	G Thanappan Nair	Supervisor (Tech. Asstt. C.)	Engineer SC	1-7-76

P I U Nambiar
Administrative Officer
for Chief Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th October 1976

No. A.38015/32/76-EC.—The President deeply regrets to announce the death of Shri O. C. Alexander, Senior Technical Officer in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi on the 25th August, 1976.

The 28th October 1976

No. A.38012/1/75-EC.—Shri P. K. Narayanan, Assistant Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras relinquished charge of his office on the 30th September, 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.40015/3/76-EC.—Shri M. S. Rao, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras has been retired from the Government service on the 29th Sept., 1976 (AN) under the provisions of FR 56(J).

The 8th November 1976

No. A.32014/2/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Y. B. Bhopatkar, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on an *ad-hoc* basis with effect from the 5th Oct., 1976 (FN) and to post him at the same station vice Shri J. Isaiah, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay granted earned leave for 50 days with effect from the 27th Sept., 1976.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Ahmedabad, the 4th February 1976

ORDER

No. II/39(VIG)11/75.—In pursuance of the proviso to sub-rule (1) of the Rule 5 of the Central Civil Services 14—346GI/76

(Temporary Service) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Shri M. N. Bhaskaran, Radio Technician and direct that he shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his service, or, as the case may be, for the period by which such notice falls short of one month.

W. G. PATWARDHAN
Assistant Collector (H)
Customs & Central Excise
Ahmedabad

NARMADA WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-48, the 25th October 1976

No. 19/34/76-NWDT.—In exercise of the powers conferred by Section 4(3) of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956), the Narmada Water Disputes Tribunal hereby appoints Shri Balwant Singh Nag as an Assessor on a whole-time basis, with effect from the forenoon of 25th October, 1976, until further orders.

By order of the Tribunal

P. R. BOSE
Secretary
Narmada Water Disputes Tribunal

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 8th November 1976

No. A.19012/596/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Smt. C. S. Vijayalakshmiamma Supervisor to officiate as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 8th October, 1976 until further orders.

Smt. C. S. Vijayalakshmiamma assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 14th October 1976

No. 6/2/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Graduate Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering (Class II) Service with effect from the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri S. S. Ghosh—28-6-76 (A.N.).
2. Shri A. S. Roy—12-7-76 (A.N.).
3. Shri B. L. R. Joshi—11-8-76.

The 18th October, 1976

No. 7/4/74-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned officers to the Central Power Engineering (Class II) Service in the grade of Extra Assistant Director in the Central Electricity Authority in a sub-

stantive permanent capacity with effect from the dates shown against their names :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of appointment as EAD in substantive permanent capacity
(1)	(2)	(3)	(4)

S/Shri

1. Tarif Singh . . .	Deputy Director	28-1-65
2. V.H. Jituri . . .	Do.	10-5-65
3. O. P. Harmilapi . . .	Do.	14-6-65
4. P. D. Purwar . . .	Do.	14-6-65
5. M.S. Bhalla . . .	Do.	14-6-65
6. M.O. Joneja . . .	Do.	14-6-65
7. Inderjit Gauba . . .	Do.	14-6-65
8. S.C. Agarwal . . .	Do.	14-6-65
9. K. Harilal . . .	Do.	27-8-65
10. H. K. Ananda Rao . . .	Do.	27-8-65
11. Prem Kumar . . .	Do.	27-8-65
12. P.C Nagpal . . .	Assistant Director	27-8-65
13. D.M. Rao . . .	Do.	15-10-65
14. R.K. Taneja . . .	Deputy Director	13-4-66
15. B.R. Pandarinath . . .	Do.	13-4-66
16. S.P. Tyagi . . .	Do.	13-4-66
17. T.P. Vats . . .	Do.	13-4-66
18. T.K. Nath . . .	Do.	13-4-66
19. O. P. Sarin . . .	Do.	13-4-66
20. V.B. Ram Mohan . . .	Do.	13-4-66
21. S. Shanmugam . . .	Do.	13-4-66
22. R.B. Mathur . . .	Do.	13-4-66
23. D.B. Chandwani . . .	Do.	13-4-66
24. R.P. Pandey . . .	Asstt. Director	13-4-66
25. S.P. Bhongade . . .	Do.	2-12-71
26. T.D. Mohan Babu . . .	Do.	2-12-71
27. M.S. Rakhra . . .	Do.	2-12-71
28. K.N.S. Murthy . . .	Do.	2-12-71
29. S.S. Bharcl. . .	Do.	2-12-71
30. B.S. Saxena . . .	Do.	2-12-71
31. R.K. Sharma . . .	Do.	2-12-71
32. Pratitosh Ray . . .	Do.	2-12-71
33. A.P. Verma . . .	Do.	2-12-71
34. G. Bhaskar . . .	Do.	2-12-71
35. N.K. Giri . . .	Co.	2-12-71
36. S.P. Malik . . .	Do.	2-12-71
37. K. Balasubramanian . . .	Do.	2-12-71
38. R.S. Chadha . . .	Do.	2-12-71
39. H.S. Sehra . . .	Do.	2-12-71
40. R. Srinivasan . . .	Do.	2-12-71
41. N.K. Arora . . .	Do.	2-12-71
42. S.D. Gaupa . . .	Do.	2-12-71
43. M. K. Chopra . . .	Do.	2-12-71
44. I. H. Khan . . .	Do.	2-12-71
45. D.S. Venkatakrishna . . .	Do.	2-12-71
46. S. Mukherjee . . .	Do.	2-12-71
47. S.P. Kapur . . .	Do.	16-9-72
48. M.R. Nair . . .	Do.	16-9-72
49. S.W.H. Naqvi . . .	Do.	16-9-72
50. Vijay Kumar-II . . .	Do.	16-9-72
51. S.P. Khara . . .	Do.	16-9-72
52. S.S. Mendiratta . . .	Do.	16-9-72
53. Mohd. Mubin . . .	Do.	16-9-72
54. D.L. Anand . . .	Do.	16-9-72
55. M. Soundappan . . .	Do.	16-9-72
56. S.S. Aiyar . . .	Do.	16-9-72
57. O. P. Mehrotra . . .	Do.	16-9-72

(1)	(2)	(3)	(4)
58. S.R. Talukdar (S/C) . . .	Asstt Director	16-9-72	
59. G. Saha (S/C) . . .	Do.	16-9-72	
60. L. K. Wasnik (S/C) . . .	Do.	16-9-72	
61. N. Ramalingam (S/C) . . .	Do.	16-9-72	

The 20th October 1976

No. 6/21/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri Vishwa Bandhu—27-9-76 (F.N.).
2. Shri S. S. Jolly—30-9-76 (F.N.).
3. Shri Amar Singh—21-9-76 (F.N.).

M. L. HANNA
Under Secretary

MINISTRY OF RAILWAYS
RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION

Lucknow, the 25th October 1976

No. EII/ES/CFM/Civil/O.—Shri N. Ramu is confirmed as Assistant Design Engineer in Class II in the Civil Engineering Department in the Research, Designs and Standards Organisation with effect from 1-8-75.

The 29th October 1976

No. EII/ES/OP/SPA.—The following Stenographers Grade II (Rs. 425-800/RS) have been promoted to officiate as Senior Personal Assistants in Group 'B' (Rs. 650—1040/RS) on provisional basis in Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 22-9-1976 (F.N.).

1. Shri N. P. Ramakrishnan—He is entitled to special pay of Rs. 50/- per month in addition to his normal pay.
2. Shri Shambhoo Nath
3. Shri Randhir Chand
4. Shri J. K. Bhalla
5. Shri T. R. Gulati
6. Shri R. Raghavan
7. Shri Des Raj
8. Shri R. S. Ramachandran
9. Shri B. N. Das.
10. Shri J. S. Bhatnagar
11. Shri M. L. Mallik.
12. Shri K. K. Sharma

G. N. BHATTACHARYA
Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Jai Hind Publishing Company Limited*

Gwalior, 474001, the 2nd November 1976

No. 286/4495.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Jai Hind Publishing Company Limited, unless

cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Madhya Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Khamar Transports Private Limited*

Madras-6, the 4th November 1976

No. DN/4388/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Khamar Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Muthulakshmi Private Limited*

Madras-6, the 4th November 1976

No. DN/5017/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Muthulakshmi Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Guru Transports Private Limited*

Madras-6, the 4th November 1976

No. DN/5104/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Guru Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Madras Insul Agencies Private Limited*

Madras-6, the 4th November 1976

No. DN/5417/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Madras Insul Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
India Air Coolers Private Limited*

Madras-6, the 4th November 1976

No. DN/5442/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date before the name of India Air Coolers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Parkglen Tea Factory Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/3564/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Parkglen Tea Factory Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Marandahalli Roadways (Private) Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/3873/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of Marandahalli Roadways (Private) Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
P. Muthuswamy Pillai & Company Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/3877/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of P. Muthuswamy Pillai & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Ranga Roadways Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/4037/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Ranga Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Nellai Roadways Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/4120/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nellai Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Srinivasa Cinetex Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/4151/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Srinivasa Cinetex Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Coimbatore Steel Industries Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/5178/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Coimbatore Steel Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ajant Machscrews Private Limited*

Madras-6, the 5th November 1976

No. DN/5431/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ajant Machscrews Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

(Sd/-) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Chrome Papers Private Limited*

Bombay-2, the 4th November 1976

No. 14284/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chrome Papers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dinbazar Merchants Association Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 5031/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Dinbazar Merchants Association Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Northern India Tea Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 6441/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Northern India Tea Syndicate Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
British India Steam Navigation Co. (India) Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 7889/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the British India Steam Navigation Co. (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
A. K. Sarkar Builders Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 12153/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the A. K. Sarkar Builders Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
City Suppliers Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 21775/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the City Suppliers Syndicate Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
N.E.T. Electrical Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 25987/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the N.E.T. Electrical Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Bhairab Engineering Industries Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 26342/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhairab Engineering Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. K. S. Electronics Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 28431/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. K. S. Electronics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sodpur Engineering Works Private Limited*

Calcutta, the 5th November 1976

No. 28582/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Sodpur Engineering Works Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

V. P. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. G. Bhagchandani Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 9th November 1976

No. Stat/1217/12484.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. G. Bhagchandani Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Gopaldas Sobhrajmal Chit Fund Company Private
Limited*

Jaipur, the 9th November 1976

No. Stat/1222/12480.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gopaldas Sobhrajmal Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/1868/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 77, Sector 15-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhupinder Kaur w/o Shri Devinder Singh, R/o Shamshir Villa, Jagdish Singh Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenaxi Anand Chaudhry, IAS, Deputy Secretary, Govt. of Haryana, Chandigarh, R/o House No. 3372, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 77, Sector 15-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registering Deed No. 1378 of March, 1976 (of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Baljinder Singh Grewal S/o Brig. Harsharan Singh Grewal Through Sh. Harjit Singh Randhawa, A.I.G., Railway Police, Patiala.
(Transferor)

(2) Smt. Harbachan Kaur W/o S. Bhagwant Singh R/o H. No. 3, New Officers' Colony, Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. PTA/1860/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ share of H. No. 3, situated in Officers' Colony, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in March, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of H. No. 3 situated in New Officers' Colony, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4510 of March, 1976 of the Registering Officer, Patiala.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Surinder Kaur W/o Brig. G. S. Grewal C/o H. No. 90, Guru Nanak Street, Patiala.
(Transferor)

(2) Smt. Malwinder Kaur D/o S. Bhagwant Singh R/o H. No. 3, New Officers Colony, Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. PTA/1861/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

$\frac{1}{2}$ share of H. No. 3, New Officers Colony, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of H. No. 3, situated in New Officers Colony, Patiala.

(Property as mentioned in the registered deed No. 4511 of March 1976 of the Registering Officer, Patiala.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurpreet Singh, S/o Shri Karnail Singh, R/o Preet House, Faridkot.
(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh, R/o Village Burtela, Union Territory, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/1839/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of S.C.O. No. 85 situated at Sector 35-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of S.C.O. No. 85, Sector 35-C, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1335 of March, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Gurpreet Singh S/o Shri Karnail Singh R/o Preet House, Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/1866/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing $\frac{1}{4}$ share of SCF No. 85 situated at Sector 35-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Gurmukh Singh S/o Shri Ranjit Singh, Village Burtela U.T., Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ share of SCF No. 85, Sector 35-C, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1366 of March, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—346GI/76

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Sh. Gurprit Singh S/o Karnail Singh R/o Preet House, Faridkot.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/1867/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share of SCF No. 85, Sector 35-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1976 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely :—

(2) Shri Prem Singh S/o Shri Ranjit Singh, R/o Village Bertela U.T., Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of SCF No. 85, Sector 35-C, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1367 of March 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) (i) S/Shri Bangali Ram, (ii) Chandu Lal, (iii) Kundan Lal sons of Shri Kishan Lal R/o Tanda Road, Jullundur City (Punjab).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Bee-Cee Steel Rolling Mills, Modern Industrial Estate, Bahadurgarh (Rohtak).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Modern Industrial Estate in village Hassanpur, Near Sales Tax Barrier at Bahadurgarh.

Boundaries North Street 16ft.-6 inch. vide East open plot of Smt. Krishna Devi.

South Delhi-Rohtak Road, West Plot of others.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1281 of March, 1976 of the Registering Officer, Bahadurgarh.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Avtar Singh Sethi S/o Shri Jaswant Singh Sethi, R/o 1033, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Pawan Kumar Bansal S/o Shri Piara Lal, (ii) Smt. Reshma Rani W/o Shri Harbilas Lal, R/o SCF No. 28-29, Sector 28-C, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/7/76-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 64, situated at Sector 28-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64 (Old No. 28 Street D) Sector 28-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 16 of April 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P.C. Mukherjee S/o Shri S. C. Mukherjee, Special Correspondent, The Tribune, Punjab House, New Delhi,
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bahal Singh Gill S/o Shri Ralla Singh Gill R/o 24, Transport Area, Chandigarh.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/8/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 387, situated at Sector 30-A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 387 measuring 573 Sq. yds. situated in Sector 30-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 19/1 of April 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. PNP/3/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops bearing No. 941, situated at Ward No. 3, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in April, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. Dina Nath S/o Shri Kanehyalal, House No. 165-66, Housing Board Colony, Panipat.

(Transferor)

(2) (i) Shri Sewa Ram S/o Shri Balmukand, R/o W. II/745, Panipat, (ii) Smt. Shankuntala Devi w/o Sh. Daya Ram, R/o W-II/746, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Two shops bearing No. 941, together with a room at the back and a room on the first floor with staircase and passage on a plot of land measuring 151 sq. yds. situated in Ward No. 3, Panipat.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 265 of April, 1976 of the Registering Officer, Panipat.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghbir Singh Malhotra S/o Late Capt. M. R. Malhotra R/o C-7/52, D.D.A. Flats, East of Kailash, New Delhi-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Anand Kumar Khanna S/o Late Col. Tirath Ram Khanna, 2. Smt. Krishna Khanna W/o Shri Anand Kumar Khanna, R/o Kothi No. 445, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CHD/14/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 148, situated at Sector 35-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 148 measuring 528.13 sq. yds. situated in Sector 35-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 92 of May, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 4-11-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM 1TNS

(1) Mrs. Kuldip Kaur W/o Shri Gursharan Singh, R/o 111, Model Town Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

(2) (i) Mrs. Kamal Sethi W/o Shri Manik Sethi, R/o H. No. 64, Greater Kailash, New Delhi & (ii) HUF, Kakar through its Karta Shri S. K. Kakkar, R/o H. No. 121, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. CHD/16/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 P. Street K. (New No. 2164), situated at Sector 15-C, Chandigarh,

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in May, 1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 11 P. Street K (New No. 2164), Sector 15-C, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 104 of May, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bhangar Industries, Plot No. 14, Sector 6, Industrial Area, Faridabad.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Mimec (India) Private Ltd. 10-B, Poonam, 5/2, Russel Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
136, SECTOR 9-B,**

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. BGR(DLI)/3/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial plot No. 14, measuring 12183.33 sq. yds. & structures thereon situated at Sector 6, Industrial Area, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
16—346GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. 14, Sector 6, Industrial Area Faridabad admeasuring 12183.33 Sq. yds. or thereabout & structures thereon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 158 of May, 1976 of the Registering Officer, Delhi.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. KNL/5/76-77.—Whereas, I. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 692 sq. yds. situated at Railway Road, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal in June, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parkash Wati W/o Shri Ishwar Dass, R/o Holi Mohalla, Ghati Chowdhrian, Karnal.

(Transferor)

(2) S/Shri (i) Parveen Kumar, (ii) Pradeep Kumar, ss/o Shri Prem Chand, Shop No. 504, Ward No. XIV, Chowk Sarafa, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 692 sq. yds. out of Khasra Nos. 13394 and 13396 situated on Railway Road, Karnal.
4781 and 4781 (Property as mentioned in the Registered Deed, No. 5203 of June, 1976 of Registering Officer, Karnal.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kulbhushan s/o Shri Ishwar Dass, R/o Holi
Mohalla, Ghati Chowdhrian, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. KNL/6/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot of land measuring 703 sq. yds. situated at Railway
Road, Karnal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Karnal in June, 1976
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 703 square yards out of Khasra
Nos. 13394/4781, 13396/4781 situated on Railway Road,
Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5204
of June, 1976 of the Registering Officer, Karnal.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Chandigarh.

Date : 4-11-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

FORM ITNS —————

(1) Shri Ishwar Dass s/o Shri Gainda Ram, R/o Holi Mohalla, Ghati Chowdhrian, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1976

Ref. No. ENL/7/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot of land measuring 675 sq. yds. situated at Railway Road, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri (i) Prem Chand s/o Atma Ram and (ii) Sandhip Kumar s/o Prem Chand, Shop No. 504, Ward No. XIV, Chowk Sarafa, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 675 square yards out of Khasra Nos. 13394, 13396 situated on Railway Road, Karnal.
4781, 4781

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5205 of June, 1976 of the Registering Officer, Karnal.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 4-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Devinder Kaur w/o Sh. Saran Pal Singh 2. Smt. Kuljit Kaur w/o Sh. Rabinder Singh r/o A-2/37 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hans Raj s/o Sh. Shori Mal 2. Sh. Tara Chand 3. Sh. Inder Raj son of Sh. Hans Raj r/o 9208 Nawab Ganj, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/41A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 8th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ Storyed building constructed on a land measuring 398.3 sq. yds. bearing No. D-21 Rajouri Garden, New Delhi along-with the electric, water and flush fittings and other fittings and fixtures of the said house, and bounded as under :—

North : Road.

South : Property No. D-29.

East : Property No. D-20.

West : Property No. D-21 A.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. GOELA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-11-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nirinjan Dass s/o Pt. Ram Nath r/o H-1/10
Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Rameshwar Prashad Gupta son L. Shri Balwant
Singh & Smt. Bimla Devi w/o Sh. Rameshwar Pra-
shad Gupta r/o 11/200 Gita Colony, Delhi-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 8th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/1226/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern portion of H-1/10 situated at Krishan Nagar, Village Gaundli, Shahdara, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Southern portion of property bearing No. H-1/10 having area of about 152.8 $\frac{1}{2}$ sq. yd. out of the entire area 233.1/3 sq. yd. situated in the abadi of Krishan Nagar, Village Gaundli, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of the above said property.
South : Road.
East : Road.
West : Plot No. H-1/9.

M. S. GOELA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the Ranchi on 18-3-76

Dated : 8-11-76.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 9th November 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/Junc/510(2)/76-77.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 4 in Block No. Q situated at Hauz Khas Enclave,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 9-6-76,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

(1) (i) Sh. Santosh Kumar Singh, s/o Sh. Choudhry Raj
Singh (ii) Smt. Rita Singh W/o Sh. Santosh Kumar
Singh (iii) Sh. Kartikyea Choudhry minor Son of Sh.
Santosh Kumar Singh, acting through his father and
natural guardian the said Sh. Santosh Kumar Singh
and (iv) Sh. Bakt Kumar Singh also a minor son of
Sh. Santosh Kumar Singh, acting through his father
and natural guardian the said Sh. Santosh Kumar
Singh, all residents of Bungalow No. 5, Railway Staff,
College Colony, LALBAGH, BARODA.

(Transferor)

(2) All India Prayer Fellowship, Q-3, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The plot of land admeasuring 1147 sq. yds. together with
two and a half storey pucca building with an annexe consisting
of two garages and two rooms above them and boundary wall
erected thereon being Plot No. 4 in Block No. in
the residential Colony known as Hauz Khas Enclave situated
at Village Kharera on Delhi Qutab Road, New Delhi and
bounded as follows :

East : Plot No. Q-3.
North : Lawn.
West : Plot No. Q-5.
South : Road.

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the Said Act to the following persons
namely :—

Dated : 9-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Juhi, Kanpur.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Neeraj Agarwal s/o Shri Kailash Chandra
Agarwal r/o 19, Kamla Club, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 20th October 1976

Ref. F. No. Acq/56-A/Kanpur/76-77.—Whereas I,
VIJAY BHARGAVA,
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 2-7-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Immovable property No. (Plot) 30 measuring 711.11 sq. yds situated at 133/60 Anandpuri Colony Juhi, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 53,333.25.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 20-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amrit Kala Sindhwani widow of Late Sri R. K. Sindhwani r/o 8/150, Aryanagar, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal s/o Sri Bishan Dass Sachdeo r/o 124 A/81, Block No. II, Govind Nagar, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 21st October 1976

Ref. F. No. Acq/182/Kanpur/76-77/1759.—
Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17-346GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. H/272 measuring 356 sq. yds Pandu Nagar (Kaka Deo) Scheme No. 1, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 32040/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 21-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kaushalaya w/o Sri Ram Bharosey Vaish r/o Ibrahimganj Parg & Teh Chibramau Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ram Sanehi Lal s/o Sri Tota Ram r/o Ibrahimganj Parg & Teh Chibramau Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st October 1976

Ref. F. No. Acq/417/Chibramau/76-77/1755.—
 Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
 referred to as the 'said Act') have reason to believe that
 the immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. As per schedule situated at As per schedule
 (and more fully described in the Schedule annexed here-
 to has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 registering officer at
 Chibramau on 28-6-76,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Immovable property agriculture land Khasra No. 363 measuring Rakba 1-30 situated at Village Deorampur Parg & Teh Chibramau Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 21-10-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st October 1976

Ref. F. No. Acq/176-A/Mercurt/76-77/1787.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 5-6-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Bimla Rani w/o Sri Naresh Pal Garg 2. Sri Akhilesh Kumar s/o Sri Naresh Pal Garg 3. Smt. Bhagwati Devi w/o Late Sri Amba Pd. 4. Sri Naresh Pal Garg s/o Late Sri Amba Pd. all r/o 56/2, Shivaji road Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Lala Sri Ram Niwas s/o Sri Lala Radha Ram. 2. Sri Satish Chand Agarwal s/o Lala Ram Niwas all r/o Kagzi Bazar, Ganga Mandirwali Gali Meerut city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 56/2 (measuring 466 (2/3) sq. yds situated at Shivaji road, Meerut, City, transferred for an apparent consideration for Rs. 1,82,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 21-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shanti Pd. s/o Shri Radhey Lal r/o Moh. Dalampara, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramji Dass s/o Shri Devi Dutta Mal r/o Naya Bazar, Shamli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 26th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Acq/163-A/Kairana/76-77/1762.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kairana on 4-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property open plot measuring 1123.50 sq. yds. (2/3) situated at Water Works road, Shamli Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 26-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shri Shanti Pd. s/o Shri Radhey Lal r/o Moh.
Dalampara, Meerut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th October 1976

Ref. F. No. Acq/164-A/Kairana/76-77/1763.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 5-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Virendra Kumar s/o Shri Ramji Dass r/o Naya Bazar, Shamli Distt. Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property open plot measuring 1/3 of 1123.50 sq. yds. situated at Water works road, Shamli Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 20,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 26-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vasudeo Rao Anna Sahab 2. Sri Purshotam Rao Tatya Saheb 3. Sri Ram Chandra Rao Baba Saheb 4. Sri Vyanktesh Rao all r/o Subedar Kothi, Tilak Magar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Uma Kant Mittal 2. Smt. Rajni Mittal all r/o Katra Shamsher Khan Etawah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property Plot No. 3 measuring 428 sq. yds No. 4/278 B situated in Nawabganj, of Village Old, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 25,780/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Dated : 1-11-1976.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st November 1976

Ref. F. No. Acq/78-A/Kanpur/76-77/1761.—

Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Kanpur on 3-5-76
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth
Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri VASUDEO RAO ANNA SAHEB 2. Sri Pur-
shotam Rao Tatyā Saheb 3. Sri Ram Chandra Rao
Saheb 4. Vyanktesh Rao all r/o Subedar Kothi,
Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Anand Prakash Bansal 2. Mrs. Shashi Bansal
all r/o 3, Krishna Nagar, ORAI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 2 measuring 428 sq. yds. No.
4/278 B situated in Nawabganj of village Old, Kanpur, trans-
ferred for an apparent consideration for Rs. 25,780/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 1-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari s/o Late Pt. Balbhadra
Pd. Tiwari r/o 4/289 Parwati Bagla Road, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Lal. 2. Vishun Pd. sons of Sri Munna
Lal r/o 112/138, Arya Nagar, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(4) Shri Raj Kumar Tiwari s/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari 2. Smt. Gulab Bai Tiwari w/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari r/o 4/289, Parwati Bagla Road, Kanpur.

[Person whom the undersigned
knows to be interested in the property.]

Kanpur, the 20th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. E. No. Acq/16/Kanpur/76-77/1705.—Wheras I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 22-4-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property Plot No. 8 measuring 200 sq. yds situated at Mauza Barry Akbarpur, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 12,000.00.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-10-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwati Pd., Tiwari r/o 4/289 Parwati Bagla Road, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Ram Rani Awasthi w/o Sri Ram Bharose Awasthi r/o 'E' 53 Officer Colony, Rawatpur, Kanpur, 2. Smt. Kasturi Devi Dixit w/o Sri Ram Sajwan Dixit r/o 104/210 Sisamau, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

*(3) Sri Bhagwat Pd. Tiwari.

[Person in occupation of the property]

Kanpur, the 20th October 1976

*(4) Shri Raj Kumar Tiwari 2. Smt. Gulab Bai Tiwari r/o 4/289, Parwati Bagla Road, Kanpur.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 31 measuring 200 sq. yds. situated Mauza Barry Akbarpur Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 11,600/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-10-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—346GI/76

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 20th October 1976

Ref. F. No. Acq/14/Kanpur/76-77/1701.—Wheras, I,

VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Kanpur on 22-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari 2. Sri Raj Kumar Tiwari sons of Late Pt. Balbhadrā Pd. Tiwari 3. Smt. Gulab Bai widow Late Pt. Balbhadrā Pd. Tiwari r/o 289 Parwati Bagla Road, Kanpur.

(Transferee)

(2) Smt. Champa Devi w/o Jagat Narin Tiwari r/o 104A/22, Ram Bagh, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 7 measuring 200 sq. yds situated at Mauza Barry Akbarpur, Distt., Kanpur transferred for an apparent consideration for Rs. 12,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. N. MISRA C-289, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Ishwardas R/o 118/40, Kaushalpuri, Kanpur 2.
Meghraj, R/o 118/40, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 76—A/Acq/Kanpur/76-77/1599.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting of house on Plot No. A8, C-Block, Kakadeo Scheme No. 1, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 5-10-76.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1976

Ref. F. No. Acq/23/Naraini/Banda/76-77/1779.—

Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at NARAINI on 19-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girish Chandra Agarwal s/o Sri Kishori Lal Agarwal 2. Mukhtaran of Smt. Madhu Agarwal w/o Sri Girish Chandra Agarwal 3. Smt. Santosh Agarwal w/o Sri Satish Chandra 4. Smt. Prakshwati all r/o 95 Tagore town Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kishore s/o Sri Ram Roop r/o Parg Naraini Distt. Banda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture lands measuring 11.60 acres situated at village Mau Teh Naraini Distt. Banda, transferred for an apparent consideration for Rs. 25,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 14-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1976

Ref. F. No. Acq/24/Naraini/76-77/1783.—
Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Naraini on 19-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girish Chandra Agarwal s/o Sri Kishori Lal Agarwal 2. Mukhteraru of Smt. Madhu Agarwal w/o Sri Girish Chandra Agarwal 3. Smt. Santosh Agarwal w/o Sri Satish Chandra Agarwal 4. Smt. Prakashwati all r/o 95 Tagore town Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Nanak Ram Bakhar s/o Sri Tharmal Bakhar r/o Nariaini Distt. Banda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture lands measuring 11.28 acres situated at village Mau Teh Naraini Distt. Banda, transferred for an apparent consideration for Rs. 25,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 4-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th November 1976

Ref. F. No. Acq/22/Naraini/76-77/1781.—
Whereas, I, Vijay Bhargava,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Naraini on 19-2-7

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girish Chandra Agarwal s/o Sri Kishori Lal Agarwal 2. Mukhtarau of Smt. Madhu Agarwal w/o Girish Chandra Agarwal 3. Smt. Santosh Agarwal w/o Sri Satish Chandra 4. Smt. Prakashwati w/o all r/o 95 Tagore, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Munnu Bhai s/o Sri Raj Kumar r/o Naraini Distt. Banda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture land Khasra No. 494,469 and 492 measuring 10.55 acres (3 plots) situated at village Mau Teh Naraini Distt. Banda, transferred for an apparent consideration for Rs. 25,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 4-11-1976.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sakhi Devi w/o Sri Narain Das Agarwal r/o Holigate, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mathli Saran Shukla s/o Sri Jai Gobind Shukla r/o 15/284, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 8th November 1976

Ref. No. F. Acq/181/Chibramau/76-77/1791.—

Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chibramau on 22-3-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Immovable property (Plant and Machinery in the Cold Storage) situated at Sikandra Cold Storage Parg & Teh Chibramau Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 70,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 8-11-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Niaz Ahamad Khan & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th October 1976

Ref. No. 67-K/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land No. 740 M, situated at Amamadpur Nazal, Rai Bareilly
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rai Bareilly on 29-3-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Kancez Ayasha Alia Malka.

(Transferee)

(3) Siller.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land situated at Ahamadpur Nazal, Distt. Rai Bareilly.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 26-10-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manuman Dutt Mishra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(4) None

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Lucknow, the 26th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 26-H/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 89/121 situated at Shotarkhana, Maqbool Ganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 24-3-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. 89/121 situated at SHUTARKHANA MAQBOOLGANJ, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 26-10-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—346 GI/76

FORM ITNS

(1) Smt. Isharai Ara Begam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Srvitri Devi & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

(3) Seller.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 26th October 1976

Ref. No. 136-S/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Ghaiyali Jaumari Mohalla Goal Darwaja Street Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 9-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot of land situated at GHAIYALI JAUMARI Mohalla GOAL DARWAJA STREET Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Dated : 26-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sekh Mukhtiar Ahmad.

(Transferor)

(2) Shri Sekh Abdul Mazeed.

(Transferee)

(3) VENDEE.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th October 1976

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 137-S/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bagh situated at Vill-Aonla Teh Aonla Distt.

Barcilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aonla on 25-3-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A mango Garden situated at vill. AONLA Teh AONLA Distt. MORADABAD.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Suresh Kumar Mansraj.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(2) Shri Vijay Prakash.

(Transferee)

(3) Seller.

[Person in occupation of the property]

(4) No.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Lucknow, the 27th October 1976

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 27-V.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 52, situated at PURANA QILA LUCKNOW, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storied house No. 52, situated at PURANA QILA, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 27-10-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Devchandra So Shri Rajaram Patidar, R/o

Gogaon, Tah-Khargone.

(Transferor)

(2) (i) Shri Syed Shakir Ali (ii) Shri Syed Sajid Ali
Both sons of Dr. Syed Shoukat Ali, R/o Khankaah,
Burhanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/754.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 4, 6, 9, 13 & 40—Total Area 7.442 Hectares situated at Ukhadgaon, Teh-Burhanpur, situated at Ukhadgaon, Tah-Burhanpur,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 27-3-1976

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land Kh. No. 4, 6, 9, 13 & 40—Total Area 7.442 Hectares situated at Ukhadgaon, Tahsil-Burhanpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sheikh Yasin S/o Sheikh Mohammad, R/o Khan Mohalla, Mhow, Distt.-Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/755.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 7.39 acres situated at Gram-Umariya, Tah-Mhow, situated at Mhow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mhow on 12th March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.39 acres situated at Gram-Umariya, Tah-Mhow.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-11-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 5th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/748.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

An open Plot No. E, of Namli Kothi, South Tukoganj, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surendra Singh S/o Shri Rajendra Singh, Namli R/o 1/1, 'Namli Kothi', South Tukoganj, Indore.
(Transferor)

(2) (i) Shri Dayalal Shah (ii) Amrit Lal Shah (iii) Shri Navin Chand Shah, All sons of Shri Tribhuvandas Shah R/o 80/86, Taradevi Road, Siyaganj, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open Plot No. E, of Namli Kothi, South Tukoganj, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nisharani W/o Shri Ram Babu Vaishya R/o 'Saket Bhawan', Gandhi Road, Morar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Om Prakash Gupta, (ii) Shri Rakesh Kumar Gupta, Both sons of Shri Sitaram Gupta R/o Dahi Mandi, Daulat Ganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th November 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/749.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Only land situated near Green Hotel (Padav), Near Platform No. 2, Lashkar, Gwalior. Area—4475 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 29-5-76

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Only land situated near 'Green Hotel', (Padav), Near Platform No. 2, Lashkar, Gwalior, Area—4475 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suraj Kiran Dawar S/o Shri Lal Chand Dawar,
R/o Hamidia Road, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Krishna Dhir W/o Late Shri Dharmavir Dhir,
R/o Dilkhush Bungalow, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/750.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 30, situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal, Area—8000 sq. ft. situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 30 situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal, Bhopal—Area 8000 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

20—346GI/76

Date : 5-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailashchandra Budhalal Verma of Ahmedabad
Through Shri Someshchandra Budhalal Verma,
Nanded.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NAGPUR**

(2) M/s. Kapadia Corporation, Surat (Gujarat State)
Partners :
(i) Shri Mohanlal Purshottam Kapadia, Surat.
(ii) Shri Sirishbhai Mohanlal Kapadia, Surat.
(iii) Shri Sarabhai Mohanlal Kapadia, Bombay.
(iv) Shri Dilipbhai Mohanlal Kapadia, Surat.
(v) Shri Anilkumar Patilal Barfiwala, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 1st November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/42/76-77.—Whereas, I, S. S. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing — No. Plots Nos. 27, 28, 29, 30 and Plots Nos. 68, 69 behind Kala Mandir, Vazirabad, situated at Nanded (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nanded on 21-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Six plots bearing No. 27, 28, 29, 30, 68 & 69 behind Kala Mandir, Vazirabad, Nanded.

(1) Plots Nos. 27, 28, 29 & 30 :—160'×90'=14400 Sq. Ft.
Bounded on :—

East : By plot owned by Someshchandra Budhalal Verma.
West : By 30 ft. wide road.
North : By plot owned by Transferor.
South : By 20 ft. wide road.

(2) Plots Nos. 68 & 69 :—90'×80'=7200 Sq. Ft.

Bounded on :—

East : By plot No. 67.
West : By plots owned by Kiritkumar and Jayantilal.
North : By 20 ft. wide road.
South : By plot of Kiritkumar.

Total (1+2)= 21600 Sq. ft.

S. S. ROY**Competent Authority,**

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 1-11-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sections (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mr. Dharmapalan, S/o T. P. Vishwanatha Chettiar,
18/42, Noorani, Yakkara Amsom, Palghat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Seetharaman, S/o Virupakshi Chettiar, Pattikara,
Koppam Amsom, Palghat.
(Transferee)

(3) Shrimati Indira Bhai Ammal.
(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

Ref. I.C. No. 86/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Koppam Amsom in Palghat District,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Palghat on 18-3-1976

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

11 cents of land with buildings in Sy. No. 2109 (Block No. 3/45) in Koppam Amsom in Keezhmuri Desom in Palghat.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ellath Annapurna Amma, D/o Nani Kutty Amma, Ellath, Kacheri Amsom, Calicut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. I. Devi, S/o Ittoop, Calicut.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016**

Ernakulam, the 5th November, 1976

Ref. L.C. No. 87/76 77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at West Hill on 30-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

4/5th right over

21.80 cents of land with building in R. Sy. 3-12-773/1A2, 784/1, 775/4B, 3-12-773/1A2 in Kachery Amsom, Calicut.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRACHODAN NAIR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 5-11-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. Devireddi Sredevamma W/o late Seshareddy,
Mudivarthi, Village, Kovur-Tq. Nellore-Dist.
(Transferor)

(2) Smt. Kakuturu Geetha Bharathi W/o Sri K. V.
Ramanareddy Ramurthyagar, Nellore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,**

Hyderabad, the 3rd November 1976

Ref. No. RAC. No. 188/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 193, 194 & 195 situated at Rebala Village, Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Buchireddypalem on 17-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands (Classified Wet) of the extent of 4.52 Acrs. in Survey Nos. 193, 194 and 195 in the village of Rebala situated in Rebala Panchayat—Nellore-Dist., purchased under Doct. No. 118/76 registered with the Office of the Sub-Registrar, Buchireddipalem.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ponnaluru Ramanareddy, S/o Veeraraghavarreddy, Wahabpet, Nellore.

(Transferor)

(2) 1. Ronda Basivireddy S/o Venkataswamyreddy, 2. Sri Ronda Balaramireddy S/o Suryanarayananreddy, both residing at Pandillapalli-Cheerala-Tq. Prakasam-Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 3rd November, 1976

Ref. No. 189/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/420 situated at Tekkametta, Nellore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 27-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Building bearing door No. 420 in ward No. 23 at Tekkemitta, Nellore—Purchased in Document No. 634/76, in the office of the Joint Sub-Registrar, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devireddi Sreedevamma Mudivarthi village,
Kovur Taluk, Nellore District.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gundala Veeraraghava Reddy, s/o Subbarami
Reddy, Rebala village, Kovur Taluk, Nellore District.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th November 1976

Ref. No. R.A.C. 190/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Lands situated at Rebala village, Kovur Taluk, Nellore District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Butchireddipalem on 17-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands classified as T. J. Wet lands sold under Document No. 117/76 registered in the office of the Sub Registrar, Butchireddipalem and situated in Rebala village, Kovur taluk, Nellore district.

Patta No.	S.No.	Total area.	Lands sold under the sale.
5	205	8.74 cents	1.80 cents.
5.	195	3.05 "	1.53 "
75	204/2	3.99 "	1.67 "
Total			5.00 " equivalent to 2.017 hectares.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajkanya Devi w/o Satyanarayana, Godown Road, Nizambad,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Km. Rajkumari d/o Aildas, Deepakmahal, Khalilwadi, Nizambad C/o Navjeevan Traders, Gandhigunj, Nizambad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th November 1976

Ref. No. R.A.C. 191/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-5-83/83/1, situated at Godown Road, Nizambad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizambad on 24-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the house admeasuring 228 square yards or 176 sq. metres bearing Municipal No. 7-5-83/83/1, comprising and forming part of the property formerly known as M/s. Dewan Bahadur Lakshminarayan Muralidhar Rice and Oil Mills, situated at Godown Road, Nizambad purchased under document No. 392/76, registered in the office of the Sub Registrar, Nizambad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Natha Venkata Seshaiah S/o Venkata Subbiah,
R/o Stone Housepet, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chinni Kanakarathanamma, W/o Sri Veeraswamy, R/o Santhepet, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1976

Ref. No. RAC. No. 192/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/18, situated at Stonhousepet, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 30-3-76

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 3/18 situated at Stonhousepet Nellore, consisting of a double storied building & land area amounting 60 ankanams which is described in detail in Doc. No. 656/76 registered at the Registrars Office, Nellore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—346GT/76

Date : 10-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. H. Tarapore, 15/7, Harrington Road, Chetput, Madras-31.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd November 1976

Ref. No. 1/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-L (Sur. No. 154/22), situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1582/76) on 20-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land measuring one ground and 1656 s. ft. being part of 4-L, (Block No. 13, Survey No. 154/22), Vasu Street, Kilpauk, Madras-10.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. H. Tarapore, 15/7, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd November 1976

Ref. No. 3/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-L (Sur. No. 154/22), situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras-10,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras (Doc. No. 1705/76) on 26-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. S. Raghavan & C. Varadhan, No. 14, Dr. Muniappa Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Vacant land measuring 1 ground and 1656 sft. in door No. 4-L (Block No. 13, Sur. No. 154/22), Vasu Street, Kilpauk, Madras-10.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

Date : 3-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. H. Tarapore, 15/7, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd November 1976

Ref. No. 8/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot 'F', door No. 15, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1264/76) on 6-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri M. V. Balachandran, 14, Madhavan Nair Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 100 sft. in plot 'F', door No. 15 (R. S. Nos. 324 & 329), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri J. H. Tarapore, 15/7, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd November 1976

Ref. No. 9/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot 'F' door No. 5, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1384/76) on 11-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 200 sft. in plot 'F', door No. 15 (R. S. Nos. 324 & 329) Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1976.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 27th October 1976

C.R. No. 62/5913/75-76/Acq/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Garden Southern part measuring about 19 Cents in S. No. 98A/7 together with Mangalore tiled houses bearing Door Nos. 9-2-16, 16A, 16B, 16C and 16D, situated at Tenkapet Ward of the Udupi Municipality in Shivalli Village of Udupi Taluk, Ddipi Sub Dist., S. K. District, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Udupi, Document No. 1073/75-76, dated 27-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri1. S. Vadirajacharya, S/o Kalmanje Srinivasa-charya, 2. Srinivasacharya, 3. Ananthacharya (Minor), 4. Lakshminarayanacharya (Minor), Sons of No. 1, all and holders, residing at Ajjarkad, Udupi Town, of whom Nos. 1 and 2 on their own behalf and No 1 as Manager of the family and natural guardian of Nos. 3 and 4.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramananda Pai, S/o B. Vasudevapai, Clerk, Canara Bank, Kavi Muddanna Marg, Branch, Udupi Post, Udupi, S. K. District.

(Transferee)

(3) K. Panduranga Shet, S/o Subraya Shet, Gold-smith, Opp. : Krishna Mandir, Vithoba Temple Road, Lakshmi Building, Mangalore and residing in Door No. 9-2-16D, Tenkapet, Udupi.

[Person(s) in occupation of the property.]

(4) (1) The Canara Bank, Kavi Mudanna Marg, Branch, Udupi.

(2) The Venkataramana Temple Trust, Tenkupet, Udupi.

(3) Sri Govindaraja Prabhu, Spl. Assistant, Canara Bank, Saundatti, residing at H. No. 9-2-16A, Tankapet, Udupi, S. K.

(4) Sri U. Govindaraja Bhat, H. No. 9-2-16B, Tenkupet, Udupi, S.K.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1073/75-76 Dated : 27-3-1976)

All that house site held on Mulageni right situate in Tenkapet Ward of the Udupi Municipality in Shivalli Village of Udupi Taluk, Udupi Sub District, South Kanara District, bearing S. No. 98A/7 Garden Southern part measuring about 19 cents together with Mangalore tiled houses (Door Nos. 9-2-16, 16A, 16B, 16C and 16D) leach type latrine, pump-shed, stained well trees etc., thereon, compound walls of Jatarite stones on the Eastern and Western sides and all electric fittings and meter to the buildings.

Boundries

East—Vadiraja Road,
South—Tara Bai's compound,

West—Public drain,

North—Portion of S. No. 98A/7 reained by the Vendors.

Plinth—3246 Sq. ft.

M. HARIHARAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JV,
SMT KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002,

Bombay-400002, the 10th November 1976

No. Acqn. Range-IV/A.P. 237/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 1 in S. No. 28 (N.A.) S. No. 111 H. No. 17, S. No. 113 H. No. 1, S. No. 114, H. No. 1, situated at Village Kole Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Hoosinji Salebhoy Doctor, 2. Adamjee P. Peerbhoy, 3. Hasambhoy Ahmcdbhoy, 4. Badruddin Shamsuddin, 5. Hooseinbhoy Alibhoy Chitalwala, Executors and Trustees of the Estate of the late Fakruddin Alibhoy Chitalwala, All C/o. Adamjee P. Peerbhoy & Co., Dada Mauzil, 1st Floor, 67-69 Mohamedali Road, Bombay-400003.

(Transferor)

(2) 1. Nutun Dye Works, 2. Neel Kamal Velvets, 3. Popular Velvets, 4. National Velvets, 5. Nutan Velvets, C/o K. J. Sanghavi, C/o Shobhana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400002.

(Transferee)

(3) Shri K. J. Sanghavi, C/o. Shobana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400 002.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 1, admeasuring 4002.80 sq. yards (3344.8 sq. mts) (forming part of lands with messuages, buildings or chawls standing thereon in all admeasuring 12583 sq. yds (105204) in Village Kole Kalyan (Kalina), Taluka Andheri, and registered in the Books of the Collector of Bombay Suburban District under Survey No. 28 (N.A.), S. No. 111, H. No. 17, S. No. 113 H. No. 1 and S. No. 114 H. No. 1 and bearing Municipal Ward No. L. 3846 & C.T.S. No. 7603, and bounded as follows :

that is to say on or towards the North by Public Road, on or towards the South by property belonging to Bharat Tile Factory, on or towards the West by Plot No. 2 forming part of property bearing S. No. 28 (NA), S. No. 111, H. No. 17, S. No. 113, H. No. 1 and S. No. 114 H. No. 1 and on or towards the East by Mithi River Nalla.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 10-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002,

Bombay-400002, the 10th November 1976

No. Acqn. Range-IV/A.P. 238/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 in S. No. 28 (N.A.) S. No. 111 H. No. 17, S. No. 115 H. No. 1, S. No. 114 H. No. 1, situated at Village Kole Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 10-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Hooseini Salebhoy Doctor, 2. Adamjee P. Peerbhoy, 4, Badruddin Shamsuddin, 5. Hooseeinbhoy Alibhoy Chitalwala, Executors and Trustees of the Estate of the late Fakruddin Alibhoy Chitalwala, All C/o. Adamjee P. Peerbhoy & Co., Dada Manzil, 1st Floor, 67-69 Mohamedali Road, Bombay-400003.

(Transferor)

(2) 1. Rajnikant Dhirajlal Sanghavi, 2. Ramesh Jayantilal Sanghavi, 3. Mrs. Pallavi Dinesh Sanghavi, 4. Mrs. Mangala Anup Sheth, 5. Smt. Ramila Pramod Sheth, 6. Shri Bharat Nanalal Sheth, 7. Shri Piyush Nanalal Sheth, 8. Shri Mahendra Keshavlal Shah, 9. Shri Vinod Keshavlal Shah, 10. Mrs. Janaki Kishan Belani, 11. Mrs. Padma Nilam Vainoobhai Bhimani, 12. Mrs. Padma Nitoo Balwani, All C/o K. J. Sanghavi, C/o Shobhana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400002.

(Transferee)

(3) Shri K. J. Sanghavi, C/o. Shobhana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400002.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 3, admeasuring 4691.89 sq. yards (3941.18 Sq. mts) (forming part of lands with messuages, buildings or chawls standing thereon in all admeasuring 12583 sq. yds (10520 $\frac{1}{2}$ sq. mts) in Village Kole Kalyan (Kalina), Taluka Andheri, and registered in the Books of the Collector of Bombay Suburban District under Survey No. 28 (N.A.) S. No. 111, H. No. 17, S. No. 115 H. No. 1, and S. No. 114 H. No. 1 and bearing Municipal Ward No. I. 3846 & C.T.S. No. 7603 and bounded as follows :

that is to say on or towards the North by Public Road, on or towards the South by property belonging to Bharat Tile Factory, on or towards the East by Plot No. 2 and on or towards the West by Plot No. 4.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 10-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jamnadas Sankalchand.

(Transferor)

(2) M/s. Norattamdas Harwallabhdas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 10th November 1976

Ref. No. AR-I/1581-34/Mar 76.—Whereas, I. G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 336 St. No. 80, Mandvi Division, situated at Kazi Syed Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 24-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—346GI/76

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land and ground admeasuring 259-6/9 sq. yds. equivalent to 217 sq. mtrs. as shown in the Cadastral Survey Register and situate as Kazi Syed Street without the Fort of Bombay and the Registration Sub-District & District Bombay City & Bombay suburban of Bombay and Registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Cadastral Survey No. 336 of Mandvi Division and assessed by the Assessor and Collector of the Municipal Rates and Taxes under 'B' Ward No. 1358-59 and Street No. 80 and bounded on the East by the Kazi Syed Street on the West by a Sweepers' passage common to those premises and the property of Datto Ismail on the North by the House of Dungerscy Ukera and on the South by the House of Coka Dungersy.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 10-11-1976

Seal :

FORM JTNS

(1) M/s. Bombay Exporting Importing & Instrument Co. (Pvt.) Ltd.
(Transferor)(2) Shri Satish Shankar Gupte.
(Transferee)

(3) Tenants

Name of the Tenants

1. Mr. H. B. Paste, 2. Mr. Y. G. Sawant, 3. Mr. R. S. Gawade, 4. Mrs. Saraswatibai R. Taakne, 5. Mr. K. G. Parulkar, 6. Mr. C. R. Salvi, 7. Mr. B. D. Surve, 8. Mr. V. S. Vengarkar, 9. Mr. B. R. Bhonsale, 10. Mr. K. D. Surve, 11. Mr. G. G. Pednekar, 12. Mr. S. R. Kaldevkar, 13. Mr. B. C. Tembe, 14. Mr. B. V. Parab, 15. Mr. V. C. Tembe, 16. M/s. Adarsh Chemical Works, 17. Mr. M. V. Sata, 18. M/s. Adarsh Chemical Works, 19. Mr. R. G. Devdhar, 20. Sweeper.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ref. No. AR-I/1583-36/Mar.76.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 314 of Mahim Division, situated at Bhandarwada Road & Gokhale Road (North) Dadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 26-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 10-11-1976

Seqⁿ :

FORM ITNS —

(1) Smt. Devibai Bagooval, ewal Mahal, Subhash Road, Bombay-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Canopus Co-Op. Housing Society Boat Club Road, Poona-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA-411004.

Poona-411 004, the 29th October 1976

Ref. No. C.A. 5/Haveli II/July'76/309/76-77.—

Whereas, I, V. S. GAITONDE,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 354-1-B-1, situated at Boat Club Road, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 23-7-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Sub-Division No. B, S. No. 354-1-B-1 Part, Area 1383.74 Sq. metres. Boat Club Road, Poona-1.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 801 dated 23-7-1976 in the Registering Authority Haveli-II, Poona).

(a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. S. GAITONDE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—326GI/76

Dated : 29-10-1976.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,

KARVE ROAD, POONA-411 004.

Poona-411 004, the 4th November 1976

Ref. No. C.A. 5/Miraj-I/July'76/310/76-77.—
I, V. S. GAITONDE,

being the Competent Authority Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 250 & Plot No. 251 situated at Madhavnagar,
Distt. Sangli,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Miraj-I, Sangli, on 29-7-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-
sons, namely :—

(1) (1) Smt. Tejswini Pravinchandra Shah for self &
guardian of minors 1. Sangita, 2. Sawati daughters
of Pravinchandra Shah and 3. Sandip and 4. Sachin
minor sons of Pravinchandra Shah, Nimbalkar's
Wada, 3rd Lane, Shahupuri, Kolhapur.

(2) Shri Kalyan Chunilal Shah, 614E, 2nd Lane,
Shahupuri, Kolhapur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Madhusudan Fulchand Shah, 206 Budhawar
Peth, Madhavnagar, Dist. Sangli.
2. Shri Himatal Fulchand Shah, 206 Budhawar
Peth, Madhavnagar, Dist. Sangli.

(Transferee)

(3) Smt. Tejswini, Pravinchandra Shah, Nimbalkar's
Wada, 3rd Lane, Shahupuri, Kolhapur.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 251 and Open Plot No. 250 with building
situated at Madhavnagar, Distt. Sangli. Total area 10,000 sq.
ft.

(Property as mentioned in the Register Deed No. 517 dated
29-7-1976 of the Registering Authority, Miraj-I, Sangli).

V. S. GAITONDE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 4-11-1976.

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Mool Chand s/o Sri Jhangir r/o Village Sahni Parg Ioni Teh Ghaziabad Distt. Meerut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s R. D. Mechanical Industries Delhi (P) Ltd., Regd Office 28 Barah Khumba Road, Connaught Palace, New Delhi, through Sri R. D. Verma Managing Director.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1976

Ref. F. No. Acq/332-A/Ghaziabad/76-77/1957.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 12-2-76. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 847 measuring One bigha & 3 bishwa situated at Village Sahni Parg Ioni Teh. Ghaziabad Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration for Rs. 34,787.50.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 12-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. T. S. Mahalingam & Smt. T. S. Rajalakshmi No. 3 Ranganathan St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. V. G. P. Investments V. G. Square No. 21 Dharmaraja Koil St., Madras-15.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5169/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1/1A2A, situated at No. 142 Palavakkam village (2 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras North (Document No. 898/76) on 21-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

2 Acres of land bearing Survey No. 1/1A2A situated at No. 142 Palavakkam village Saidapet Taluk, Chingleput District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. T. S. Mahalingam & Smt. T. S. Rajalakshmi No.
3 Ranganathan St. Madras-17.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. G. P. Investments V.G.P. Square No. 21
Dharmaraja Koil St. Madras-15.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5169/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1/1A2A, situated at No. 142 Palavakkam village (2 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR Madras North (Doc. No. 937/76) on 23-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Acres of land bearing Survey No. 1/1A2A situated at No. 142 Palavakkam village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. T. S. Mahalingam & Smt. T. S. Rajalakshmi No.
3 Raniganathan St., Madras-17.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. G. P. Investments, V.G.P. Square No. 21
Dharmaraja Koil St., Madras 600 015.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5169/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 142, Palavakkam village, situated at Survey No. 1/1A2A (2 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras North (Doc. No. 1071/76) on 28-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Acres of land bearing Survey No. 1/1A2A situated at No. 142 Palavakkam village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 113, SHAHEED
UDHAM SINGH NAGAR, JULLUNDUR.**

Jullundur, the 5th November 1976

Ref. No. AP-1631.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb. 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—346GI/76

- (1) Smt. Uma Devi w/o Shri Tarsem Lal, r/o village Falniwal Teh. Jullundur, (mukhtiar-i-am Hrs. Alice) (Transferor)
- (2) Shri Arun Kupur, 86-R, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Model Town, Jullundur, as mentioned in the registration deed No. 9116 of February, 1976/S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 5-11-1976.

Seal

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE**

**NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY, 1977**

New Delhi, the 27th November, 1976

No. F.7/9/76-E.I.(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on the 24th May, 1977 for admission to the Army, Navy & Air Force wings of the National Defence Academy for the 59th course commencing in January, 1978 and for the corresponding course at the Officers' Training School, Madras (OTS) commencing in January, 1978.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 162 for the Army, 33 for the Navy and 55 for the Air Force at NDA, Khadakwasla and 50 for the Army at OTS, Madras.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy and Officers' Training School, are given in Appendices I, II and III respectively.

2. Centres of Examination:—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Madras, Nagpur, Patiala, Patna, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:—

(a) **Nationality:**—A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a person of Indian origin who was migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) and (iv) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) **Age limits, sex and marital status:**—Unmarried male candidates born not earlier than 2-7-1959 and not later than 1-1-1962 are not eligible.

Note:—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) **Educational Qualifications:**—Higher Secondary Examination of a State Education Board or a recognised University or equivalent. Candidates who have passed the 11th Class examination under the 10+2 pattern of School education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or equivalent examination on the 11th Class examination under the 10+2 pattern of school education can also apply but they will be required to submit proof of passing the

above mentioned examination to reach the Commission's office by 15th December, 1977 failing which their candidature will stand cancelled.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION:—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE:—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

- (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 percent of the aggregate marks of the written papers.

6. HOW TO APPLY:—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1977 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

Note:—Requests for supply of application forms and full particulars of examination by post must reach the office of the Commission before 10-1-77. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission up to 17-1-77.

All candidates whether already in Government service including those serving in the Armed Forces or in Government owned industrial undertakings or other similar

organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service including those serving in the Armed Forces, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, are however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department/Commanding Officer before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department/Commanding Officer with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi, as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

Note :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India—17th January, 1977.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep—31st January, 1977.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is no in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriates from Sri Lanka :—

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma :—

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

- (ii) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination December, 1976 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1977 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1977.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS :—

All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT :—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested, certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—

 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualifications etc. soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of September, 1977. Candidates may also be required at the interview by the Services Selection Board to produce these original certificates.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE

SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16.—CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022, FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP)(a) West Block, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any university examination, should immediately after the announcement of the result of the written examination, intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible, take this into consideration before fixing the dates of interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ RTG, 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given to that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Navy Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

The final selection for admission to the O.T.S. will thereafter be made in the order of merit upto the number of vacancies available from amongst the left over candidates in the merit list for the Army and Navy subject to medical fitness and suitability in all respects.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy School. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy/School.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy/School.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY OR IN THE O.T.S.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, through successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also, be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110011, (ii) Sale counters of the Publications Branch, at Udog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

22. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT
—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards". The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

M. S. PRUTHI,
Dy. Secy.

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subjects will be as follows :—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English	3 hours	250
2. Mathematics—Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I (Science)	3 hours	200
Paper II (Social Studies, Geography and Current Events)	3 hours	200
		900

2. CANDIDATES ARE EXPECTED TO BE FAMILIAR WITH THE METRIC SYSTEM OF COINS, WEIGHTS AND MEASURES IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE USE OF METRIC SYSTEM OF COINS, WEIGHTS AND MEASURES MAY BE SET.

3. All question papers must be answered in English unless otherwise expressly stated in the question paper.

4. Candidates must write the papers in their own hand in no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with the due economy of words in all subjects of the examination.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidates' knowledge of grammar, idiom and usage. Passages will usually be set for summary or precis.

MATHEMATICS

Paper I

Arithmetic :

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and real Numbers. Commutative, associative and distributive laws. Fundamental Operations—addition, subtractions, multiplication and division. Square and cube roots. Decimal fractions.

Unitary method—applications to simple and compound interests, time and distance, time and work, profit and loss, ratio and proportion Races.

Elementary Numbers, Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Multiples and factors. Factorisation theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms and their use.

Algebra :

Basic Operations : Simple factors, Remainder theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. Simultaneous equations in two unknowns. Linear simultaneous equations in three unknowns. Application of equations. Inequality.

Graphs :

Set language, notation, Venn diagram, set operations, solution sets of linear equations (three unknowns)—application. Polynomials with rational coefficients. Division algorithm. Laws of indices. AP and GP. Geometric series. Recurring decimal fraction. Permutations and combinations. Binomial theorem for positive integral index. Application of binomial theorem.

Trigonometry :

Trigonometrical ratios and identities. Trigonometric ratios of 30° , 45° , 60° and their use in elementary problems on heights and distances.

Paper II

Geometry :

Incidence Relations. Order relations in a line. Regions. Orientation in a plane. Pasch's axiom. Reflection in a line and in a point. Translation. Rotation. Composition of reflections, translations and rotations. Slide reflections. Symmetry about a line symmetrical figures. Isometries. Invariants Congruence—direct and skew.

Theorems on : (i) Properties of angles at a point, (ii) parallel lines, (iii) sides and angles of triangles; (iv) congruency of triangles, (v) similar triangles, (vi) concurrence of medians, altitudes, perpendicular bisectors of sides and bisectors of angles of a triangle, (vii) properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rhombus, rectangle,

square and trapezium, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) cyclic quadrilaterals, (x) loci.

Practical problems and constructions involving use of geometrical instruments e.g. Bisection of an angle and segment of a straight line, construction of perpendiculars, parallel lines, triangles. Tangents of circles. Inscribed and circumscribed circles of triangles.

Calculus :

Functions. Graphs. Limit and Continuity. Differential coefficients of functions. Differentiation of elementary functions—polynomial rational, trigonometric. Differentiation of a function of a function. Differentials, Rates, Errors, Second order derivatives.

Integration as the inverse of differentiation. Standard formulae for integration. Integration by parts and substitution.

Mensuration :

Areas of plane figures. Volumes and surfaces of Cubes, pyramids, right circular cylinders. Cones and spheres (Practical problems involving these will be set and if necessary formulae will be given in the question paper).

Plane Co-ordinate Geometry :

Distance formula, section formula. Standard forms of the equation of a straight line. Angle between two lines. Conditions of a parallelism and perpendicularity. Length of the perpendicular from a point to a line. Equation of a circle.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

(SCIENCE)

General knowledge Paper I will comprise the following :—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume. Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet. Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps. Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movements in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayat Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan Sarvodaya Emotional Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance. Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth. Rocks and their classifications : Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes, Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity, Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper question on Part (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDE LINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY/O.T.S.

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when

called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy/O.T.S. a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will however, be ensured that :—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE :—A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

- (a) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head, deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis-media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE :—A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE :—A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otology.

- (g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE :—Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat palate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE :—Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpation;
- (l) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;

NOTE :—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

- (i) one year has elapsed since the operation, documentary proof is to be furnished by the candidate.

(ii) general tone of the abdominal musculature is good; and

(iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.

NOTE.—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

(ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended test is retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

(n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

(o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.

(p) there is no disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.

(q) there is no active latent or congenital venereal disease;

(r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.

(s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and

(t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE.— Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and chest measurements.

(a) Height.—(i) The height of candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM and TRIPURA may also be reduced by 5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

NOTE.— Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that

the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) Air Force only.—To meet the special requirements for training as a pilot minimum height and leg length will be.

Height 162.5 cms.

Leg length Hip to Heel 99.0 cms.

NOTE.—On account of the lower age of candidates a margin of up to 5.0 cms. in height and 2.5 cms. in leg length may be given, provided it is certified by the Medical Board that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training at National Defence Academy.

(b) **Weight.**—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight, fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance:

Age period	15—16	16—17	17—18
Height (C.M.)	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.
157·00	43·5	45·0	47·0
160·00	45·0	46·5	48·0
162·00	46·5	48·0	50·0
165·00	48·0	50·0	52·0
167·50	49·0	51·0	53·0
170·00	51·0	52·5	55·0
173·00	52·5	54·5	57·0
175·00	54·5	56·0	59·0
178·00	56·0	58·0	61·0
180·00	58·5	60·0	63·0
183·00	61·0	62·5	65·0

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (+ 6 kg. for the Navy) departure for the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be over-weight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to standard in the above table.

(c) **Chest.**—The chest should be well proportioned and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper-edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

NOTE.—For Air Force and Navy, X-ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual, points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

(i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd premolar and underdeveloped third molar—1 point each.

(ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

(i) any four of the six anteriors.

(ii) any six of the ten posteriors.

(c) Candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual acuity

Standard I

	eye	eye
Better		Worse
	eye	eye
Distant Vision	V-6/6 V-6/9 Correctable to 6/6

Standard II

Distant Vision (corrected) .. 6/6 6/9

Myopia of not more than—2.5D including astigmatism (.5 D in case of Navy)

Manifest Hypermetropia of not more than 0+3.5 D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or choriorhinita to be present suggesting progressive myo-retina.

3. Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

—Inability to distinguish primary colours will not be regarded as cause for rejection but the fact will be noted in the proceedings and the candidate informed.

(c) Requirements for Services :

ARMY-VS II (Minimum Standard)

NAVY (i).—Visual standard I.—No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering,

Electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements :

Night vision Standard.—Only candidates with suspected Xerophthalmia Pigmentary degeneration disturbance of the Chorio-Retina, abnormal Iris and pupillary conditions, who are otherwise fit in all respects will be subjected to detailed NVA test prior to accepting for service in the Navy. Those who fail to secure grade II (eleven) (Della Casa—good/very good) will be rejected.

A certificate as under will be obtained from each candidate if he is not subjected to Della Casa test :—

"I hereby certify that to the best of my knowledge, there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it."

Singnature of candidate

Countersignature of the Medical Officer

Colour Perception
Heterophoria

Standard I MLT
(Martin Lantern Test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

(a) At 6 metres—

Exophoria	8 prism	dioptres
Esophoria	8 prism	dioptres
Hyperphoria	1 prism	dioptre

(b) At 30 cms—

Esophoria	6 prism	dioptres
Exophoria	16 prism	dioptres
Hyperphoria	1 prism	dioptre

*Limits of hypermetropia (Under homotropine)
Better eye*

Hypermetropia 1.50 dioptres

Simple Hypermetropic astigmatism 0.75 dioptre

Compound Hypermetropic astigmatism The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.
Worse eye

Hypermetropia 2.5 dioptres

Simple Hypermetropic astigmatism 1.5 dioptres

Compound Hypermetropic astigmatism The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.
Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eyes).

AIR FORCE (I) V.S.I. No glasses will be worn.

(ii) Special requirements :—

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.25 D.

Ocular Muscle Balance :

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :—

(a) at 6 metres

Exophoria 6 prism dioptres

Esophoria 6 prism dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) at 33 cms.

Exophoria 16 prism dioptres

Esophoria 6 prism dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptre

Myopia—Nil

Astigmatism +0.57

Day.

Binocular vision.—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception—Standard I MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test.

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms, in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air : that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric Record.

The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second (Audiometry reading between +10 and -10).

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services, etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :

(a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the

Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 350.00 pm. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA.

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there.

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy.

(1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship, is in addition, to any financial assistance from the Government.

(3) KUER SINGH MEMORIAL Scholarships.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakvasala and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy, Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence

Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One scholarship of the annual value of Rs. 360.00 is awarded for each course at the National Defence Academy during the entire period of training by KERALA State Government to the students who secure admission to the Academy after passing out from the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun and who have been domiciled in the State of KERALA. This scholarship is awarded to a cadet who is not eligible for Government of India assistance and whose parent or guardian has a monthly income below Rs. 500.00 per mensem.

(7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—Three scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) Category 1.—Three scholarships (one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during the 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA.

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three Services, viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical, for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.

Similar training will be imparted to the candidates admitted to the O.T.S. for a period of 3 years. The academic training will be in the Science stream only.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to Air Force Academy Hyderabad, Cadets from OTS will go to IMA, Dehra Dun.

8. At the L.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering Electrical and Supply and Secretariat Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadets Training ship for a period of six months, on successful completion of which, they are promoted to the rank of Midshipman. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force cadets receive flying training for a period of 1½ years. It is proposed to train all cadets as Fighter Pilots. After successful completion of training they are Commissioned as Pilot Officers and awarded flying badges, if a cadet shows inadequate aptitude for flying, he may be permitted to revert to NDA as an Army/Navy cadet, or may be considered for Flying (Navigation) Branch or for training in Administrative Logistics branch where they are given training for a period of one year to 18 months on successful completion of which, they are Commissioned as Pilot Officers on probation in the concerned branches.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
2nd Lieut.	Rs. 750—790	Lt. Colonel (time scale)	Rs. 1800 fixed
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1250—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1650—1800	Maj. General	2500-125/2—2750
Lt. Colonel (By Selection)	1800—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation allowance. When Officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held is admissible.
- (d) Separation allowance. Married Officers, posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(iii) POSTING

Army Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(iv) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Lt.	2 years of commissioned service.
Capt.	6 years of commissioned service.
Major	13 years of commissioned service.
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	24 years of commissioned service.

By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service.
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service.
Maj. Gen.	25 years of commissioned service.
Lt. Gen.	28 years of commissioned service.
Gen.	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	5 years.
Lt. Colonel	6½ years.
Colonel	8½ years.
Brigadier	12 years.
Maj. General	20 years.
Lt. General	25 years.

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation & Submarine
Midshipman . . .	Rs. p.m.	Rs. p.m.
Ag. Sub-Lieut. . .	560/-	560/-
Sub. Lieut . . .	750/-	825/-
Lieut. . . .	830/870	910-950
Lieut. Cdr. . . .	1100-1450	1200-1550
Cdr. . . .	1550-1800	1650-1800
Captain	1800-1950	1800-1950
	1950-2400 Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain.	1950-2400
Rear Admiral . . .	2500-125/2-2750.	
Vice-Admiral . . .	3000/ p.m.	

Qualification pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of Cdr and below possessing certain prescribed qualifications, at the following rates :—

	Lower rates	Higher rates
Qualification Pay . . .	Rs. 70/-	Rs. 100/-
Qualification Grant . . .	Rs. 1600/-	Rs. 2400/-

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardhiving money, submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Sub Lt. . . .	1 year
Lt. . . .	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority)
L. Cdr. . . .	8 years seniority as Lt.
Cdr. . . .	24 years commissioned service (if not promoted by selection).

By Selection

Cmdr. Executive Branch	2-8 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Supply & Secretariat Branch	4-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt. . . .	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral . . .	No restriction.
Vice-Admiral . . .	No restriction.

(6) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an Officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale
Plt Offr. . . .	Rs. 825-865
Fg. Offr. . . .	910-1030
Ilt Lt	1300-1550
Sqn Ldr. . . .	1650-1800
Wg Cdr (Selection)	1750-1950
Wg Cdr (Time Scale)	1800 (fixed)
Gp Capt. . . .	1950-2175
Air Cdre	2200-2400
Air Vice Marshal	2500-2750
Air Marshal . . .	3000
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :—

	Rs.
Plt Offr to Wg Cdre	375.00 p.m.
Gp Capt and Air Cdr	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above . . .	300.00 p.m.

(iii) Qualification Pay/grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below :—

Qualification Grants	Rs. 6,000/-	Rs. 4,500/-
	Rs. 2,400/-	Rs. 1,600/-

(iv) PROMOTIONS

(i.) Substantive Promotion.

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale.

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt Lt. . . .	5 years commissioned service.
Sqn. Ldr. . . .	11 years commissioned service.
Wg. Cdr. . . .	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By Selection.

Wg. Cdr. . . .	3 years service as substantive Sqn. Ldr.
Gp Capt. . . .	4 years service as substantive Wg. Cdr.
Air Commodore	3 years service as substantive Group Capt.
Air Vice Marshal	3 years service as substantive Air Commodore.
Air Marshal	2 years service as substantive Air Vice Marshal.

(b) Acting Promotion.

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers
Flt. Lt. 2 years.
Sqn. Ldr. 5 years.
Wg. Cdr. 6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn Ldr).
Gp Captain 8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr. 11½ years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain.)
Air Vice Marshal. 15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal 23 years.

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules, in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri son of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belong to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe*

under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri _____ and*/or his family ordinarily reside(s) in _____ Village*/Town-District*/Division of the State*/Union Territory of _____

State _____*

Union Territory _____

Place _____

Date _____

Signature _____

**Designation _____
(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.